PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Raashtriya Mukhyadhaaraa
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरूवार
11.12.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 52
https://rashtriyamukhyadhara.com/

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

हम सब मिलकर एक पारदर्शी, सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें : पीएम मोदी

आपका पैसा, आपका अधिकार भूली वित्तीय संपत्ति को नए अवसर में बदलने का मौका

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि आपका पैसा, आपका अधिकार पहल का मकसद यह पक्का करना है कि हर नागरिक अपने हक का पैसा वापस पा सके, क्योंकि भारतीय बैंकों, बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों में हजारों करोड़ रुपए बिना दावे के पड़े हैं। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि यह एक भूली हुई वित्तीय संपत्ति को एक नए अवसर में बदलने का मौका है। आइए, हम सब मिलकर एक पारदर्शी, आर्थिक रूप से सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने बताया कि भारतीय बैंकों के पास हमारे अपने नागरिकों के 78,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम किए पड़े हैं। इंश्योरेंस कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम के पड़े हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपए हैं, और 9,000 करोड़ रुपए के डिविडेंड भी बिना क्लेम किए हुए हैं। अपनी पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि इन तथ्यों

ने बहुत से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा कि आखिरकार ये संपत्तियां अनगिनत परिवारों की कड़ी मेहनत की बचत और निवेश हैं। इसे ठीक करने के लिए, अक्टूबर 2025 में आपका पैसा, आपका अधिकार पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद यह तय करना है कि हर नागरिक वह वापस पा सके जो सही मायने में उसका है। फंड को ट्रैक करने और क्लेम करने की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए, खास पोर्टल बनाए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास बिना क्लेम किए गए बैंक डिपॉजिट और बैलेंस के लिए यूडीजीएएम पोर्टल है; भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के पास बिना क्लेम किए गए बीमा पॉलिसी के पैसे के लिए बीमा भरोसा पोर्टल है; भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास म्यूचुअल फंड में बिना क्लेम की गई रकम के लिए मित्र पोर्टल है, और कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय बिना भुगतान किए गए डिविडेंड और बिना क्लेम किए गए शेयरों के लिए आईईपीएफए पोर्टल प्रदान करता है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिसंबर 2025 तक ग्रामीण और शहरी भारत के 477 जिलों में सुविधा कैंप आयोजित किए गए हैं। दूरदराज के इलाकों को कवर करने पर जोर दिया गया है। सभी स्टेकहोल्डर्स, खासकर सरकार, रेगुलेटरी बॉडी, बैंकों और अन्य फाइनेंशियल संस्थानों के मिले-जुले प्रयासों से, करीब 2,000 करोड़ रुपए पहले ही सही मालिकों को लौटा दिए गए हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में इस अभियान को और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए मैं आपसे निम्नलिखित बातों पर मदद का अनुरोध करता हूं। जांचें कि क्या आपके या आपके परिवार के पास बिना क्लेम किए गए डिपॉजिट, बीमा के पैसे, डिविडेंड या निवेश हैं, मैंने जिन पोर्टल्स का जिक्र किया है, उन पर जाएं और अपने जिले में सुविधा कैंप का इस्तेमाल करें।

प्रधानमंत्री ने शहीद दिवस पर असम आंदोलन के वीरों को नमन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को शहीद दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक असम आंदोलन में शामिल वीरों के साहस और बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि असम आंदोलन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य की सांस्कृतिक मजबूती तथा समग्र विकास के संकल्प को दोहराती है।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि शहीद दिवस पर असम आंदोलन का हिस्सा रहे सभी वीरों के साहस का स्मरण किया जाता है। यह आंदोलन देश के इतिहास में सदैव महत्वपूर्ण स्थान रखेगा। केंद्र सरकार उन सभी के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, विशेष रूप से असम की संस्कृति को सुदृढ़ करने और राज्य की सर्वांगीण प्रगति के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम आंदोलन ने राज्य की अस्मिता, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक वैभव को नई दिशा प्रदान की।

प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं हो सकता : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत की सांस्कृतिक परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर आधारित है, जो सार्वभौमिक मानवाधिकारों की भावना को मजबूत करती है। राजधानी दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन, आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी, विजया भारती सयानी, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव की समन्वयक अरेती सिएनी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राष्ट्रपति मूमू ने आयोग के हिंदी जर्नल नई दिशाएं और अंग्रेजी जर्नल जर्नल आफ द एनएचआरसी का वर्ष 2024- 25 का संस्करण जारी किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत ने सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा पत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उसकी मूल भावना मानव गरिमा, समानता और स्वतंत्रता भारत की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने मानवाधिकार, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय को एक दूसरे से अविभाज्य बताया था। राष्ट्रपति ने कहा कि एनएचआरसी ने हाल के वर्षों में अनुसूचित जातियों, जनजातियों, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया है। आयोग 3000 से अधिक मामलों में स्वप्रेरणा से कार्यवाही कर चुका है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार और विकास परस्पर जुड़े हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छ पानी, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं सभी नागरिकों तक पहुंचाना मानवाधिकारों की पूर्ति का आधार है। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और पीएम श्री स्कूल जैसे संस्थानों ने वंचित वर्गों के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई है। आवास और खाद्य सुरक्षा योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है जिससे उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन जीने का आधार मिला है। उन्होंने कहा कि हाल के श्रम सुधारों और सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों से श्रमिकों के अधिकार और सुदृढ़ हुए हैं। सुदूर और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले सभी नागरिकों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। समावेशी विकास का अर्थ है कि विकास की यात्रा में कोई भी व्यक्ति पीछे न रह जाए।

संक्षिप्त समाचार

व्यक्ति और समाज दोनों को सशक्त बनाते हैं मानवाधिकार : सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली। मानवाधिकार दिवस पर बुधवार को राज्य सभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन

में मानवाधिकारों की वैश्विक विरासत को याद करते हुए कहा कि वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाई गई सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा का यह 77वां वर्ष है। यह ऐतिहासिक दस्तावेज आज भी विश्वभर में गरिमा, स्वतंत्रता, समानता और न्याय का बुनियादी स्तंभ बना हुआ है। इस वर्ष की वैश्विक थीम "मानवाधिकारः हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएँ" का उल्लेख करते हुए सभापति ने कहा कि यह दिन तीन महत्त्वपूर्ण बातें याद दिलाती है, जिसमें मानवाधिकार को सकारात्मक, आवश्यक और सभी के लिए जरूरी किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार व्यक्ति और समाज दोनों को सशक्त बनाते हैं, नुकसान को रोकते हैं और समुदायों को बेहतर दिशा में ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश सदैव सार्वभौमिक मानवाधिकार मूल्यों का दृढ़ समर्थक रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के रूप में हमारी यह जिम्मेदारी है कि मानवाधिकार प्रत्येक नागरिक—विशेषकर समाज के कमजोर और हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए वास्तविकता बनें।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 160 स्टेशनों का हुआ पुनर्विकास : रेल मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 160 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य पूरा हो चुका है। प्रश्नकाल के दौरान तेलंगाना के आदिलाबाद से भाजपा के सदस्य गोडम नागेश के रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रश्न पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशन हैं, जिनका श्रेणीकरण फुटफॉल, ट्रेन आवागमन और व्यस्तता के आधार पर एनएसजी-1 से एनएसजी-6 तक किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टेशन पुनर्निर्माण कार्यक्रम है। इस योजना के तहत 1300 से अधिक स्टेशनों पर पुनर्निर्माण कार्य जारी है, जिनमें से 160 स्टेशन पूरी तरह विकसित किए जा चुके हैं। रेल मंत्री ने कहा कि पहले केवल रंगाई-पुताई को ही स्टेशन विकास माना जाता था, लेकिन अब 50 वर्षों की भविष्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें स्थानीय वास्तुकला का समावेशन, दोनों ओर से स्टेशन तक आसान पहुंच, आधुनिक फुटओवर ब्रिज, बड़े पैसेंजर हॉल, पार्किंग क्षेत्रों का विकास तथा स्टेशन एक्सेस को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में छठ और दीपावली के दौरान यात्रियों की भीड़ को सुव्यवस्थित करने के लिए नई दिल्ली स्टेशन से शुरू किए गए बड़े होल्डिंग एरिया की व्यवस्था को 50–60 स्टेशनों तक विस्तारित किया गया, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिली। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार अत्यंत गंभीर और व्यवस्थित प्रयासों के साथ देश के रेलवे स्टेशनों के आधुनिक पुनर्निर्माण की दिशा में काम कर रही है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव मिल सके।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट हर रोज 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स करेगा शुरु

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट एयरलाइन ने मौजूदा सर्दियों के मौसम में प्रमुख रूटों पर बढ़ती मांग को देखते हुए अपनी सेवाओं को बढ़ाने की योजना बनाई है। इसका मकसद भारतीय विमानन बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करना है। इस कोशिश के चलते स्पाइसजेट ने नियामक अनुमोदन के अंतर्गत मौजूदा विंटर शेड्यूल के दौरान हर रोज 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स शुरू करने की योजना बनाई है। पिछले दो महीनों में, एयरलाइन ने 17 विमानों को अपने एक्टिव ऑपरेशन में शामिल किया है। यह विस्तार डैम्प-लीज पर लिए गए विमानों और अपने खुद के विमानों को सेवा में वापस लाने के जरिए किया गया है। इस बढ़ी हुई मांग से स्पाइसजेट को ज्यादा मांग वाले रूटों पर अतिरिक्त क्षमता तैनात करने में मदद मिलेगी। स्पाइसजेट ने कहा है कि वह सर्दियों में मजबूत और बढ़ती मांग को देख रही है। अपनी सेवाओं को बढ़ाने और भारतीय विमानन बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करने के लिए, एयरलाइन ने नियामक अनुमोदन मिलने पर वर्तमान शीतकालीन शेड्यूल में प्रतिदिन 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स शुरू करने की योजना बनाई है।

इंडिगो उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी की कटौती की, अब यह 10 फीसदी किसे मिलेगा?

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को दावा किया कि इंडिगो की उड़ानें रद्द और देरी होने से हुई परेशानी नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के कारण हुई। यादव डीजीसीए द्वारा जारी नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियमों का हवाला दे रहे थे। सांसद रामगोपाल ने कहा कि लोगों को यह सोचने की जरूरत है कि यह सब क्यों हुआ। यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के बाद हुआ। एयरलाइन के उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी की कटौती की गई है। अब यह 10 फीसदी किसे मिलेगा? टाटा को मिलेगा। टाटा अडानी को ले जा रहा है। यह बात सभी जानते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीसीए ने मंगलवार को इंडिगो को सभी क्षेत्रों में अपनी उड़ान संचालन में 5 फीसदी की कटौती करने का निर्देश दिया था, क्योंकि एयरलाइन अपने शीतकालीन कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संचालित करने में विफल रही है और विमान रद्द होने का एक बड़ा मामला सामने आया।

दीपावली त्यौहार यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के दीपावली त्यौहार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताकर कहा कि दीपावली हमारे देश की संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और दुनियाभर में लोग इस खबर से बहुत खुश हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की इस सूची में दीपावली के शामिल होने से यह त्यौहार विश्व स्तर पर और अधिक लोकप्रिय होगा। साथ ही कहा कि प्रभु श्री राम के आदर्श हमें सदैव मार्गदर्शन देते रहें। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में संरक्षण से दीपावली जैसे त्यौहार को विश्वभर में पहचान और संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और अधिक मजबूत होगी। साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में मदद करेगा। बात दें कि यह फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी। इस मौके को देखकर केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। यूनेस्को की सूची दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इन्हें अमूर्त विश्व धरोहर कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें।

जयपुर हाईकोर्ट को मिली बम विस्फोट की धमकी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में लगातार तीसरे दिन बम विस्फोट की धमकी मिली इस सप्ताह की शुरुआत से रोजाना ऐसी धमकी भरा ईमेल मिल रहा है. धमकी मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने मुकदमों की सुनवाई करीब एक घंटे रोक दी. हाईकोर्ट परिसर की जांच की गई. वकीलों और पक्षकारों समेत अन्य सभी को मुख्य परिसर से बाहर कर तलाशी ली गई. धमकी को देखते हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के होने वाले चुनाव में प्रशासन से अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की गई है। हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना पर पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की हाईकोर्ट के मुख्य परिसर अंजाम देने की साजिश है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, मेघाहातुबुरु प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मेघाहातुबुरु में बुधवार को झारखण्ड मजदूर संघर्ष संघ की स्थानीय इकाई ने जेनरल ऑफिस के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। महासचिव अफताब आलम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जुटे मजदूरों ने गगनभेदी नारों के साथ प्रशासन और प्रबंधन को साफ संदेश दिया कि स्थानीय मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण रहा, जिससे कुछ देर के लिए प्रशासनिक महकमे में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य महाप्रबंधक, मेघाहातुबुरु को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। यूनियन का आरोप है कि खदानों में बाहरी लोगों की लगातार भर्ती कर स्थानीय युवाओं के हक को छीना जा रहा है। नेताओं ने कहा कि जब क्षेत्र के युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, तब बाहर से लोगों को नौकरी देना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने पूर्व की भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए मांग की कि आगामी भर्तियों में कर्मचारी आश्रितों और स्थानीयों को प्राथमिकता देते हुए कम से कम 70 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा लगभग एक हजार रिक्त पदों को अविलंब भरा जाए। इसके साथ ही मजदूरों ने क्षेत्रीय अस्पताल की बदहाल स्थिति को भी आंदोलन का अहम मुद्दा बनाया। यूनियन ने आरोप लगाया कि केबीआर-एमबीआर अस्पताल, जिसे रेफरल अस्पताल कहा जाता है, वहां एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं है। मजदूर नेताओं ने इसे श्रमिकों की जान से खिलवाड़ बताते हुए सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सहित सभी आवश्यक विशेषज्ञ डॉक्टरों की तत्काल नियुक्ति की मांग की। महासचिव अफताब आलम ने दो टूक शब्दों में कहा कि यूनियन की सभी मांगें जायज और क्षेत्रीय हित से जुड़ी हुई हैं। यदि प्रबंधन ने शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो सड़क से लेकर कार्यालय तक ऐसा आंदोलन किया जाएगा कि पूरा तंत्र जवाब देने को मजबूर हो जाएगा। इस प्रदर्शन में दयानंद कुमार, अफताब आलम, कामता प्रसाद, सोमा नाग, कुलदीप सिंह, शैलेश बारी, कमल कुमार रजक सहित कई वरिष्ठ श्रमिक नेता और बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद रहे।

घायल हाथी के बच्चे की इलाज के दौरान मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जंगलों में हाथी के बच्चों के मां से बिछड़ने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे उनकी जान पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ताजा मामला मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत पप्पागढ़ा पंचायत का है, जहां शनिवार रात पेड़ में फंसे एक हाथी के बच्चे को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया था। घायल अवस्था में शिशु हाथी को उपचार के लिए चाईबासा वन कार्यालय लाया गया, लेकिन सोमवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। विभाग की ओर से कराए गए पोस्टमार्टम में खून का थक्का जमना मौत का मुख्य कारण बताया गया है। इसी दिन चाईबासा वन प्रभाग के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र स्थित सरडीहा जंगल में एक और हाथी का बच्चा झुंड से बिछड़ा हुआ मिला। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर चिकित्सकों की निगरानी में हाटगम्हरिया में रखा है। अधिकारियों के अनुसार बेहतर उपचार और लगातार निगरानी के लिए बुधवार को इस शिशु हाथी को चाईबासा लाया जाएगा। लगातार जंगल क्षेत्रों में हाथी के बच्चों के मिलने और एक की मौत की घटना ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। वन अधिकारियों का कहना है कि बदलते मौसम, दुर्गम जंगल मार्गों और प्राकृतिक खतरों के कारण शिशु हाथी अपने समूह और मां से बिछड़ रहे हैं, जिससे उनके घायल होने और मौत की आशंका बढ़ रही है। वन विभाग ने हाथियों के संरक्षण और बचाव कार्यों को लेकर निगरानी और रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि कहीं कोई हाथी का बच्चा घायल या अकेला दिखाई दे तो उसे न छुएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते उसे सुरक्षित कर उचित इलाज उपलब्ध कराया जा सके।

एस्पायर मदर्स विंग्स ने युवाओं की प्रतिभा को दिया मंच

पूर्वी सिंहभूम। एस्पायर मदर्स विंग्स के तत्वावधान में बुधवार को गोलमुरी उत्कल समाज में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सी.आर.सी रांची से अशोक प्रधान, सदर अस्पताल से डॉ. कमलेश कुमार और डॉ. राजीव लोचन, "सबल" संस्था से तेनिक जी, "नई दिशा" से संदीप , रोटरी क्लब की अध्यक्ष डॉ. रेनूका चौधरी, समाजसेवी पुरबी घोष, लायंस क्लब की अध्यक्ष अरति पांडे और सम्पूर्ण लायंस परिवार तथा लायंस कालिमाटी टीम भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी अतिथियों ने विशेष प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया और एस्पायर मदर्स विंग्स की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम विशेष बच्चों ने डांस, सिंगिंग, योगा, फैशन शो, मिमिक्री और कविता पाठ ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष बच्चों को एक मंच प्रदान करना और समाज में उनकी क्षमताओं को पहचान देना था, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। विशेष माताओं के रूप में अमृता कुलताज, डॉ. निबेदिता, पुष्पलता, अदिति यादव, सोनाली सरकार, प्रीति सिन्हा और ममता पाढ़ी सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में दो की मौत, तीन घायल

बोकारो। गोमिया प्रखंड के ललपनिया घाटी में मंगलवार रात दो बाइक के बीच भीषण टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। घटना गोमिया थाना क्षेत्र के तुलबुल गांव के समीप ललपनिया घाटी के पास की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया में भर्ती कराया। जहां दो युवकों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे गोमिया बीडीओ, सीओ ने बेहतर इलाज के लिए गंभीर रूप से दो घायलों को बोकारो सदर अस्पताल रेफर कराया। जबकि तीसरे घायल का इलाज ललपनिया स्थित टीटीपीएस अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान तुलबुल निवासी रवि प्रसाद (38) और मंशु महली (16) के रूप में हुई है। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार रवि प्रसाद अपने साथी दिलीप प्रजापति के साथ बाइक से ललपनिया लौट रहे थे। इसी दौरान मंशु महली अपनी बाइक से ललपनिया की ओर जा रहा था। जहां दोनों के आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह टक्कर इतनी भीषण थी कि मंशु की बाइक पर सवार 4 वर्षीय बच्चा सड़क किनारे गिर गया। हालांकि फिलहाल बच्चा सुरक्षित है। वहीं, गोमिया के सीओ आफताब आलम ने बताया कि दो बाइकों में टक्कर हुई हैं, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई है जबकि तीन लोग घायल हैं। इन घायलों के बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल भेजा गया है।

बिरहोर बच्चों के साथ एसडीओ से मिली संस्था की निदेशक

» आदिम जनजाति की समस्याओं से कराया अवगत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : गोमिया प्रखंड के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र स्थित छोटकी सीधावारा के बिरहोर टंडा में निवास कर रही विलुप्त होने वाली आदिम जनजाति बिरहोर की समस्याओं को लेकर कथारा न्यू मिशन लाइफ केयर फाउंडेशन की निदेशक सुनीता सिंह और मनोज सिंह बुधवार को बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ से मिले। इस दौरान उनके साथ टंडा के दो बिरहोर बच्चे, 12 वर्षीय मिथुन बिरहोर और मीना बिरहोरिन भी मौजूद थीं।

संस्था के निदेशक ने एसडीएम को बिरहोर टंडा में व्याप्त अभाव और समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था पिछले चार-पांच वर्षों से सीमित संसाधनों में ही बिरहोरों की दशा और दिशा सुधारने के लिए काम कर रही है। निदेशक ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि वे इन दोनों बिरहोर बच्चों को अपने आवास में रखकर उन्हें शिक्षित कर उनकी जीवन शैली में सुधार लाने का कार्य कर रही हैं।

बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए निदेशक को भरोसा दिलाया कि बोकारो डीसी बिरहोरों की दशा सुधारने के लिए काफी प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं दो-चार दिनों में बिरहोर टंडा जाकर उनकी सारी समस्याओं से अवगत होंगे और बोकारो डीसी के सहयोग से उन समस्याओं को दूर करने की दिशा में आवश्यक प्रयास करेंगे।

विधायक ने सदन में उठाई संग्रामपुर बाजारटॉड से सुथरपुर तक सड़क बनाने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला | रामगढ़ विधायक ममता देवी ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बुधवार को तारांकित प्रश्न के माध्यम से रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड के संग्रामपुर बाजार टांड़ से सुथरपुर तक सड़क सुदृढ़ीकरण की मांग उठाई।इस मार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर है, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं तथा आमजन को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों ने सड़क सुदृढ़ीकरण की समस्या को लेकर विधायक ममता देवी से मुलाकात कर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी।ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने इस महत्वपूर्ण पथ के सुदृढ़ीकरण की मांग सदन में दृढ़ता से रखा।

जेवर दुकान में सेंधमारी कर घुसे चोर, तिजोरी काट ले गए पांच लाख के गहने

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के दुग्दा थाना क्षेत्र अंतर्गत टी मोड़ स्थित एक जेवर एवं बर्तन दुकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लगभग पांच लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के गहनों की चोरी को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान की दीवार में सेंध लगाकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। यह घटना बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में एक सप्ताह के अंदर हुई दूसरी बड़ी चोरी है, जिससे स्थानीय कारोबारियों में दहशत का माहौल है।

दुकान मालिक कृष्ण देव प्रसाद ने इस संबंध में बताया कि उन्होंने मंगलवार की रात लगभग 8 बजे दुकान बंद की और गोठटांड़ स्थित अपने निवास स्थान चले गए। बुधवार सुबह मकान मालिक ने उन्हें दुकान में सेंधमारी की सूचना दी। दुकान खोलने पर उन्होंने पाया कि चोरों ने दुकान के पिछले हिस्से में दीवार में सेंध लगाई और अंदर प्रवेश किया। अंदर रखी तिजोरी को चोरों ने गैस कटर से काटकर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। दुकानदार कृष्ण देव प्रसाद के अनुसार, चोर लगभग 25 ग्राम सोना और दो किलो चांदी के पायल, अंगूठी आदि जेवर ले गए हैं, जिनका अनुमानित मूल्य करीब पांच लाख रुपए है। घटना की सूचना मिलते ही दुग्दा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मनीष कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही इसका उद्भेदन करने का आश्वासन दिया है।

लाखों का जेवर और 12 लाख नगद चोरी करने वाला चोर धराया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

शहर के जेल रोड में रहने वाले मनोज कुमार साहू के घर से लाखों रुपये की चोरी करने वाला चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी अजय कुमार ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चोर सनी करमाली उर्फ सनी लोहार ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस बड़ी घटना को अंजाम दिया था। उसकी निशानदेही पर 4.12 लाख रुपए नगद और लाखों रुपए के जेवर बरामद कर लिए गए हैं। एसपी ने बताया कि 7 दिसंबर को दिनदहाड़े सनी करमाली अपने साथियों के साथ मिलकर मनोज कुमार साहू के घर में घुसा था। वहां से उसने 12 लाख रुपए नगद और लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर चुरा लिए थे। **कई दिनों से घर की कर रहा था रेकी:-**

घटना की सूचना मिलते ही एसपी ने चोरों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी बनाई। एसआईटी ने तत्काल इस मामले में जांच शुरू की और चोरों की पहचान कर ली। सनी करमाली उर्फ सनी लोहार मूल रूप से बोकारो जिले का रहने वाला है। रामगढ़ में जेल रोड में ही वह रह रहा था। उसने मनोज कुमार साहू के घर को पहले से ही टारगेट कर रखा था। रविवार को जैसे ही मनोज कुमार साहू अपने बच्चों को ट्यूशन छोड़ने के लिए गए सनी उनके घर में अपने साथियों के साथ घुस गया। मनोज कुमार साहू के घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर ही रह कर सनी ने रेकी की थी। इसलिए उसे मनोज साहू के आने जाने में लगने वाले समय का पता था।

बोकारो में छुपा कर रखा गया था चोरी का समान:-

एसपी ने बताया कि सनी ने चोरी के जेवरात और रुपए छुपाने के लिए बोकारो का ही ठिकाना चुना था। पुलिस ने जब छापेमारी की तो उसके पास से 4 लाख, 12 हजार 350 रुपए बरामद हुए। इसके अलावा चार पीस कनबाली, एक जोड़ी झुमका, एक मांगटीका, एक नथिया, दो पीस चांदी का लॉकेट, एक पीस चांदी का चैन, दो जोड़ी चांदी का बिछिया और एक मोबाइल बरामद हुआ। छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय, सब इंस्पेक्टर सुमंत कुमार राय, अनिल कुमार, एएसआई मनोज कुमार सहित कई लोग शामिल थे।

बोकारो के डॉ. जयदीप सरकार को साई ने बनाया चीफ कोच

भारतीय वॉलीबॉल को मिलेगी नई उड़ान, एशियाई खेलों में लहराया था परचम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय वॉलीबॉल जगत और झारखंड के लिए एक गौरवपूर्ण समाचार बुधवार को सामने आया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई- साई) ने बोकारो, झारखंड के डॉ. जयदीप सरकार को मुख्य प्रशिक्षक (चीफ कोच) के प्रतिष्ठित पद पर चयनित किया है। वर्तमान में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत डॉ. जयदीप को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भारतीय खेल प्राधिकरण के उप निदेशक (मानव संसाधन) आकाश पुंडीर द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से दी गई है।

डॉ. जयदीप सरकार का चयन ऐसे समय में हुआ है जब उनके मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने पिछले 19वें हांगझोऊ एशियाई गेम्स 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन किया था। टीम ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि विश्व रैंकिंग में ऐतिहासिक छह पायदानों की छलांग लगाकर भारतीय वॉलीबॉल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। डॉ. जयदीप सरकार का योगदान केवल राष्ट्रीय टीम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने बोकारो शहर के खेल परिदृश्य को बदलने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बोकारो को देश का पहला 'ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी' बनाने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। इसके तहत 'हैप्पी स्ट्रीट' जैसे जन-भागीदारी वाले अहम आयोजनों में भी उनका नेतृत्व सर्वोपरि रहा है, जिसने बोकारो को एक सक्रिय और स्वस्थ शहर के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई।

डॉ. जयदीप सरकार की पेशेवर प्रोफ़ाइल अत्यंत बहुआयामी है। वह ओलंपिक एजुकेटर होने के साथ-साथ केंद्र सरकार के खेलो इंडिया मिशन से मान्यता प्राप्त मोंगिया राष्ट्रीय वॉलीबॉल अकादमी के महासचिव भी हैं। इसके अतिरिक्त, वह भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) में सलाहकार (खेल प्रशिक्षण) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति समर्थित वैश्विक ग्लोबल एक्टिव सिटी कार्यक्रम के लीड ऑफिसर के रूप में भी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे थे। खेल और प्रशिक्षण के क्षेत्र में उनके विशाल अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को देखते हुए साई में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उनका चयन भारतीय वॉलीबॉल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

गैरेज में लगी आग, कार और ऑटो जलकर राख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सिदगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत एग्रिको सिग्नल के समीप स्थित एक गैरेज में मंगलवार देर रात अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की तेज लपटें और घना धुआं दूर तक दिखाई देने लगा, जिसे देख आसपास के लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गैरेज में खड़ी एक कार और एक ऑटो में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की, जिसने देखते ही देखते दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में वाहन पूरी तरह जलने लगे। आग के बढ़ते स्वरूप को देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और सिदगोड़ा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद करीब आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को गैरेज के अन्य हिस्सों और आसपास की इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया। घटना के दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है। हालांकि, आग की चपेट में आने से गैरेज में खड़ी कार और ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस ने मौके का मुआयना कर लिया है और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

टाइगर एस्टीमेशन होगा 15 दिसंबर से शुरुः नटेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड में 15 दिसंबर से टाइगर एस्टीमेशन 2026 की शुरूआत होगी। इसके तहत बाघ के साथ साथ अन्य वन्यप्राणी और जंगल की भी जानकारी जुटायी जायेगी। फर्स्ट फेज में 22 दिसंबर तक यह अभियान चलेगा। फोर्थ फेज का अभियान अप्रैल 2026 तक चलाया जायेगा। इस बार पूरे राज्य के वन क्षेत्र में यह कार्यक्रम होगा। इस अभियान के लिए पलामू टाइगर रिजर्व के मुख्य वन्य संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक एसआर नटेश को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। नोडल पदाधिकारी ने बुधवार को अभियान को लेकर अपने कार्यालय में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड में टाइगर एस्टीमेशन सभी 36 डिविजन में चलाया जायेगा। इसके लिए पूरे राज्य में 1600 वनरक्षी लगाये जायेंगे और जहां-जहां वाइल्ड लाइफ है, वहां के टेकर भी शामिल किए जायेंगे। पलामू टाइगर रिजर्व में फिलवक्त 300 टेकर और 110 गार्ड हैं। इस बार वॉलंटियर भी रखे जायेंगे। इसके लिए संबंधित क्षेत्र के विश्वविद्यालय से संपर्क किया गया है और वॉटनिस्ट को सहायक के तौर पर शामिल किया जायेगा। वॉलंटियर का कार्य निःशुल्क होगा, उन्हें सिर्फ प्रमाण पत्र दिया जायेगा। वॉलंटियर रखने से पहले छात्रों का स्किल टेस्ट भी लिया जायेगा। प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। बाघ, हाथी, बायसन, सियार, लैपर्ड, जंगली कुत्ते, लकड़बग्घा सहित अन्य जंगली जानवर की गणना की जायेगी। ट्रायल सर्वे के आधार पर कैमरा टेपिंग होगा। इस बार पूरे एरिया में 1024 कैमरे लगाये जायेंगे। 512 ग्रिड कवर किया जायेगा। 28-28 दिन के अंतराल पर कैमरे हटाकर दूसरे रेंज में लगाये जायेंगे। कुटकू रेंज में काम पूरा हो गया है। अभियान के क्रम में एरिया को जानने का मौका मिलेगा। इसी तरह ट्रायल वर्क 5 किलोमीटर के एरिया में प्रत्येक दिन किया जायेगा। इस क्रम में पगमार्क, मल सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी जुटायी जायेगी। इसके लिए नवंबर से ही वनकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सारे कार्य डिजिटली होंगे और ऐप में अपलोड किए जायेंगे। उन्होंने एस्टीमेशन में मैन पॉवर की समस्या बतायी। एस्टीमेशन की पूरी रिपोर्ट बनाकर भारत सरकार को भेजी जायेगी। वहां से 29 जुलाई 2026 को इसे जारी किया जायेगा। पीटीआर के बाहर रांची, दुमका और हजारीबाग रेंज में भी यह अभियान चलेगा। उन्होंने बताया कि हर चार वर्ष में यह अभियान चलाया जाता है। पलामू टाइगर रिजर्व में 2006 से इसकी शुरूआत हुई थी। पीटीआर 1149 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। मौके पर पीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेशकांत जेना एवं अन्य मौजूद थे।

विधायक ने सदन में उठाया स्वास्थ्य और राजस्व विभाग में डॉक्टर और कर्मचारियों की कमी का मामला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं तथा राजस्व विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। शून्यकाल के दौरान उन्होंने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की घोर कमी के कारण स्थानीय ग्रामीणों को समय पर उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिससे जन स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। विधायक ने सरकार से मांग की कि क्षेत्र के सभी प्रखंडों के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए, ताकि नागरिकों को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही विधायक सुदीप गुड़िया ने राजस्व विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि राजस्व कर्मचारियों की कमी के कारण आम लोगों को विभिन्न सरकारी कार्यों के निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जनता की समस्याओं को देखते हुए सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाए।अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी और राजस्व विभाग में कर्मचारियों के रिक्त पद—दोनों ही मुद्दों पर विधायक ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की, ताकि क्षेत्र की जनता को समय पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

कड़ाके की ठंड में जिला प्रशासन ने गरीबों के लिए किया अलाव का इंतजाम

बोकारो : बढ़ती ठंड को देखते हुए बोकारो जिला प्रशासन ने जिले भर में अलाव जलाने की व्यापक व्यवस्था की है, ताकि गरीब, बेसहारा एवं रात में काम करने वाले जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिल सके।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस मानवीय पहल के संदर्भ में सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि ठंड से किसी भी आम नागरिक को परेशानी न हो।

जिला प्रशासन ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के प्रमुख चौक-चौराहों, प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवनों, हाट-बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की है। इसके लिए लकड़ी और कोयला की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई है, ताकि अलाव की यह व्यवस्था बिना किसी बाधा के लगातार जारी रह सके। उपायुक्त श्री झा ने सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया है, जिससे हर जरूरतमंद तक यह सुविधा पहुंच सके।

कसमार थाना प्रभारी ने गुम मोबाइल भुक्तभोगी को लौटाया

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने बुधवार को गुम हुआ मोबाइल बरामद कर वापस भुक्तभोगी को लौटाया। इस संबंध में थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बगियारी गांव निवासी अर्जुन गोस्वामी का मोबाइल पिछले दिनों गुम हो गया था।

भुक्तभोगी ने इसकी लिखित शिकायत की थी। जिसके आधार पर जांच शुरू किया गया। इसके बाद मोबाइल बरामद कर भुक्तभोगी को लौटा दिया गया।

उन्होंने कहा है किसी भी व्यक्ति के द्वारा अगर दूसरे का मोबाइल उपयोग किया जा रहा है, तो वैसे लोग थाना में मोबाइल लाकर जमा कर दें, अन्यथा पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद सख्त कार्रवाई की जायेगी।

संवेदनशील होकर करें दायित्वों का निर्वहन करें अधिकारी : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को संवेदनशील होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने और योजनाओं की प्रगति की प्रतिदिन निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि विभागीय प्रदर्शन में सुधार आ सके। इस समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक पीयूष आदि उपस्थित थे।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की कि जिले में लगभग 17,835 आवेदन सत्यापन के लिए लंबित हैं। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि इस राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना के सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन आगामी 20 दिसंबर तक हर हाल में कर दिया जाए। इसके लिए बीईईओ, बीआरपी, सीआरपी आदि को लगाने को कहा गया। साथ ही, सभी स्वीकृत लाभुकों को समयबद्ध तरीके से राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को हर 15 दिनों में तथा सीडीपीओ को प्रखंड स्तर पर नियमित समीक्षा करने को कहा, ताकि कोई भी पात्र किशोरी वंचित न रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश–उपायुक्त ने बताया कि जिले के लगभग 1329 आंगनबाड़ी केंद्र अभी भी बिजली आपूर्ति से वंचित हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्र को उपलब्ध रख-रखाव मद की राशि का उपयोग कर बिजली कनेक्शन लिया जाए। चास एवं बेरमो के कार्यपालक अभियंताओं को सभी परियोजनाओं में बिजली कनेक्शन के लिए शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों के संबंध में निर्देश दिया गया कि शिक्षा विभाग के समन्वय से सर्वे कार्य में तेजी लाई जाए और उपयोग योग्य न रहे केंद्रों को निकट स्थित सरकारी स्कूलों के साथ को-लोकेट किया जाए। यह कार्य 15 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने को कहा गया। जिले में कुल 944 जर्जर केंद्रों में से शेष 531 का को-लोकेशन होना बाकी है।

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं पर्यवेक्षकों को केंद्रों का नियमित व ससमय संचालन सुनिश्चित करने तथा पोषण ट्रैकर ऐप पर लाभुकों के डाटा की नियमित अपडेटिंग करने का निर्देश दिया। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई और स्पष्टीकरण प्राप्त करने को कहा गया।

उन्होंने डीएसडब्ल्यूओ, सीडीपीओ एवं एलएस को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने, टूर प्रोग्राम बनाकर रिपोर्ट करने और आईसीडीएस की मूल भावना (मातृ एवं शिशु पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतरी) को धरातल पर लागू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, आंगनबाड़ी सेविकाओं-सहायिकाओं की दक्षता वृद्धि हेतु नियमित प्रशिक्षण देने और बच्चों के आधार निर्माण, आपार आईडी निर्माण तथा आधार सीडिंग के लिए समयबद्ध कैलेंडर जारी करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका तैयार करने और निरीक्षण के दौरान सेल्फी लेकर विभागीय व्हाट्सएप समूह में साझा करने के निर्देश भी दिए।

सीजीएल की परीक्षा में सफल युवाओं से मिले पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : जेएसएससी द्वारा आयोजित सीजीएल- 2023 परीक्षा में कसमार प्रखंड के अलग अलग गांव के सफल प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों से मिलने गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो बुधवार को उनके घर पहुंचे और उन्हें शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक ने सबसे पहले खैराचातर निवासी राजेश कुमार राय के पुत्र ऋषभ कुमार राय से मुलाकात की, जिनका चयन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के रूप में हुआ है। इसके बाद उन्होंने सिंहपुर निवासी स्वर्गीय विभूति भूषण महतो के पुत्र सुधांशु रंजन और पिरगुल निवासी उमेश कुमार नायक के पुत्र रंजीत कुमार नायक से भेंट की। दोनों युवाओं को सहायक प्रशाखा पदाधिकारी पद के लिए चयनित किया गया है। तीनों अभ्यर्थियों के घरों में वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और परिजनों में भी काफी खुशी दिखी। मुलाकात के दौरान डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि इन युवाओं ने अपनी मेहनत से न केवल परिवार का गौरव बढ़ाया है, बल्कि कसमार प्रखंड को भी नई पहचान दी है। यह क्षेत्र की क्षमता और युवाओं की लगन का स्पष्ट प्रमाण है। वहीं बगियारी निवासी मोहम्मद रजीउल्लाह अंसारी, जिनका चयन श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के लिए हुआ है, इस समय रांची में रहने के कारण पूर्व विधायक उनसे नहीं मिल पाए। डॉ लंबोदर महतो ने क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

तेजी से बढ़ रही साइबर क्राइम को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी : अमरदीप

» कसमार में डिजिटल हिंसा पर जागरूकता अभियान आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार स्थित पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय में बुधवार को सहयोगिनी संस्था की ओर से महिलाओं और किशोरियों के लिए डिजिटल हिंसा से सुरक्षा के उपायों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर स्थानीय जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, प्राचार्य फारुक अंसारी, सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर एवं निदेशक गौतम सागर मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिप सदस्य अमरदीप महाराज ने कहा कि डिजिटल हिंसा को खत्म करने के लिए समाज में जागरूकता जरूरी है। इससे महिलाओं व लड़कियों पर हमेशा खतरा है। कभी भी कोई अवांछित कॉल या ऑनलाइन खरीद या कनेक्टिविटी की पहले जांच परख करनी जरूरी है। अगर ऐसा नहीं करेंगे तो अलग अलग तरीके से साइबर क्राइम के शिकार हो सकते हैं। कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार कहा कि महिलाओं पर हिंसा की समस्या तो पुरानी है, लेकिन डिजिटल हिंसा तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं व लड़कियों के साथ शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और यौनिक हिंसा के साथ-साथ अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी हिंसा भयावह रूप ले रही है। यह हिंसा सोशल प्लेटफार्म के जरिये सामने आ रही है। इसे रोकने के लिए सामूहिक पहल जरूरी है। किसी भी प्रकार की साइबर हिंसा का शिकार होने पर तुरंत साइबर थाना में शिकायत दर्ज करनी चाहिए। यदि थाने तक पहुंचने में देरी हो, तो 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इस दौरान सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर एवं निदेशक गौतम सागर ने भी डिजिटल हिंसा के प्रकार की जानकारी स्कूली छात्राओं को दी। मौके पर पंसस वर्षा देवी, वरीय शिक्षक डॉ अवनीश कुमार झा, सीमा कुमारी, कुमारी किरण, मंजू देवी, लबानी व अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो की सड़कों पर फिर उतरेगी खुशहाली, 14 दिसंबर से सजेगी हैप्पी स्ट्रीट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शहरवासियों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के लिए बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) एक बार फिर हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन करने जा रहा है। आगामी 14 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे बीएसएल के वरीय अधिकारियों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन होगा। एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो की थीम पर आधारित इस आयोजन के लिए बीएसएल प्रबंधन ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इस अनूठी पहल में विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ समेत रोटरी और लायंस क्लब जैसे सामाजिक संगठन शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और खेल गतिविधियां होंगी, जहां विशेषज्ञ लोगों को सेहतमंद रहने के गुर सिखाएंगे। आयोजन के दौरान सुरक्षा और सुचारू संचालन के लिए गांधी चौक से बोकारो मॉल मोड़ तक सड़क की दोनों लेन को सुबह 7 से 10 बजे तक यातायात के लिए बंद रखा जाएगा। यह व्यवस्था 14 दिसंबर और उसके बाद के तीन रविवारों तक प्रभावी रहेगी, ताकि नगरवासी बिना किसी बाधा के योगा, जुम्बा, साइकिलिंग और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आनंद उठा सकें।

उक्त जानकारी देते हुए बोकारो स्टील प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां पत्रकारों को बताया कि हैप्पी स्ट्रीट का मुख्य उद्देश्य नगरवासियों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस आयोजन में बोकारो के विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ मिड टाउन कपल्स, पोस्टल फिलाटेली ग्रुप, एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन तथा अन्य सामाजिक संस्थाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगी। इसके अतिरिक्त, समस्त नगरवासी भी इस उत्साहपूर्ण आयोजन का हिस्सा बन सकेंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विशेषज्ञ अपने प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, सक्रिय और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करेंगे। इस बार पिछले अन्य वर्षों की तुलना में इस कार्यक्रम को और भी प्रभावी और सुन्दर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

पत्रकार वार्ता में बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कुन्दन कुमार, आयोजन समिति के संयोजक व महाप्रबंधक ए के अविनाश, संचार प्रमुख मणिकांत धान, क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के सुभाष रजक, जनसंपर्क विभाग के दिनेश कुमार सिंह, अभिनव शंकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संथाल संस्कृति के संरक्षण में मांझी बाबा की भूमिका अहम : डीसी अजय नाथ झा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा ने एक विशेष समीक्षा बैठक के दौरान यह स्पष्ट किया कि मांझी बाबा के बिना किसी भी संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती है। उन्होंने संथाल आदिवासियों की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था और उनके सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में इन प्रमुख व्यक्तियों के महत्व को रेखांकित किया।

उपायुक्त ने बताया कि जिले में संथाल आदिवासियों के लगभग 125 गांव हैं, जिनमें संथाल जनजाति के लोग निवास करते हैं। यद्यपि ये गांव पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत आते हैं और प्रत्येक पंचायत में एक मुखिया होता है, संथाल पारंपरिक गांव में एक मांझी बाबा भी होते हैं। मांझी बाबा गांव के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यों का निष्पादन करते हैं और सामुदायिक अनुशासन को बढ़ावा देते हैं तथा उसका संरक्षण करते हैं। मांझी बाबा के नेतृत्व में, प्रत्येक गांव में एक 'जोग मांझी' भी होते हैं, जो घर-घर जाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कृत्यों से जुड़ी सूचनाएं देते हैं। इसके अतिरिक्त, गांव में एक नायके होते हैं, जो पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों का निष्पादन करते हैं, जबकि भगलोन प्रवक्ता के रूप में सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन तथा सामुदायिक अनुशासन से संबंधित निर्णयों से सभी को अवगत कराते हैं। उपायुक्त ने ललपनिया के विभिन्न संथाल गांवों का उदाहरण भी दिया, जहां फेनीराम सोरेन, मंझला मुर्मू, सुंदर लाल मरांडी, मटुक कुमार हांसदा, बाबूचंद मांझी आदि लोग मांझी बाबा के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

बैठक में उपायुक्त ने कल्याण विभाग के वरीय प्रभारी पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आदि को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प के आलोक में मानकी, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा आदि को सम्मान राशि दिए जाने के विषय में पूर्व में भेजा गया शून्य प्रतिवेदन गलत है।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी संथाल गांवों का तत्काल सर्वे कराकर, संबंधित गांव के मांझी बाबा, जोग मांझी, भगलोन, गुड़ैत आदि को चिन्हित किया जाए और यह समेकित प्रतिवेदन जिला को समर्पित किया जाए। अपर समाहर्ता को यह भी निर्देश दिया गया कि सर्वे प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद पूर्व में भेजे गए शून्य प्रतिवेदन को संशोधित कर यथाशीघ्र राज्य सरकार को भेजना सुनिश्चित करें, ताकि पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से जुड़े इन प्रमुख व्यक्तियों को सम्मान राशि संबंधी लाभ मिल सके।

बोकारो : सोलागिडीह के आमिर फिरदौस को सीजीएल परीक्षा में मिली सफलता

सहायक प्रशाखा पदाधिकारी में चयन से गांव में खुशी की लहर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल- 2023 परीक्षा में चास प्रखंड के सोलागिडीह निवासी आमिर फिरदौस ने सफलता हासिल की है। आमिर के पिता रमजान अंसारी बीसीसीएल में कार्यरत हैं एवं माता जमीला बीबी गृहिणी हैं। आमिर फिरदौस का चयन सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर हुआ है। इससे पूरे चास प्रखंड समेत बोकारो में खुशी की लहर है। रिजल्ट जारी होने के बाद से आमिर के घर पर बधाइयां देने लोग पहुंच रहे हैं। वहीं इस खुशी में मिठाईयां भी बांटी जा रही है। आमिर बचपन से ही शिक्षा और अनुशासन के प्रति काफी गंभीर रहे हैं।

अपनी अटूट मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा के सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि बोकारो से मैट्रिक की परीक्षा पास करने के बाद इंटर से लेकर स्नातक व एमए तक की पढ़ाई रांची में की। अपनी सफलता पर आमिर फिरदौस ने कहा कि यह उपलब्धि मेरी कड़ी मेहनत के साथ-साथ माता-पिता, गुरुजनों और शुभचिंतकों के आशीर्वाद व सहयोग की देन है। आगे जनता की ईमानदारीपूर्वक सेवा करने का संकल्प है। उनकी सफलता पर सामाजिक कार्यकर्ता ऐनुल अंसारी, दीपक कुमार समेत अन्य लोगों ने बधाई दी है।

भाकपा नेता की मौत के मामले में पत्नी के आवेदन पर हत्या का मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के नूरी नगर निवासी भाकपा नेता और स्थानीय मस्जिद कमिटी के सदर मो. मनीरुद्दीन की कथित दुर्घटना में हुई मौत ने एक गंभीर मोड़ ले लिया है। इस मामले में मृतक की पत्नी जमीला खातून के लिखित आवेदन पर स्थानीय थाने में हत्या का मामला (कांड संख्या 96/2025) दर्ज किया गया है। यह घटना डीवीसी के ऐश पौंड में हुई थी, जहां मो. मनीरुद्दीन की मौत एक हाईवा की टक्कर से हुई बताई गई थी। हत्या के इस मामले में तीन लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है, जिसमें छाई ढुलाई के कार्य में लगी कंपनी के साइट इंचार्ज बेरमो निवासी मुकेश पांडेय, धक्का मारने वाले हाईवा (नंबर-जेएच 02 बीपी-4606) के मालिक बरवाबेड़ा निवासी मो. तौफिक और हाईवा चालक के नाम शामिल हैं।

साजिश के तहत घटना को अंजाम देने का आरोप–मृतक की पत्नी जमीला खातून ने अपने आवेदन में स्पष्ट रूप से लिखा है कि इन सभी अभियुक्तों ने सोची समझी साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके पति लगातार ऐश पौंड में कार्यरत 54 मजदूरों की मांगों को लेकर किये गये कार्य बंद को फिर से शुरू करवाने के लिए कंपनी पर दबाव बना रहे थे। यह दबाव साइट इंचार्ज और कंपनी के अन्य लोगों को नागवार गुजरा था, जिसके परिणामस्वरूप मंगलवार को उन्हें अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी। आवेदन में चुरामन यादव, साकिर हुसैन, मुमताज अंसारी समेत कुछ अन्य मजदूरों को घटना के वक्त ऐश पौंड में मौजूद गवाहों के रूप में भी नामजद किया गया है।

पार्टी ने लाल झंडा ओढ़ाकर दी श्रद्धांजलि–बुधवार की शाम को दिवंगत भाकपा नेता मो. मनीरुद्दीन का मिट्टी मंजिल (अंतिम संस्कार से संबंधित कार्यक्रम) स्थानीय लाल चौक के समीप कब्रिस्तान में किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग उमड़े। इसमें सभी समुदायों के लोगों की भारी जुटान हुई, जो उनकी लोकप्रियता और जन-सरोकार को दर्शाता है। इस अवसर पर भाकपा नेता सुजीत घोष, इफतेखार महमूद, रामेश्वर साव, ब्रज किशोर सिंह, मो. शाहजहां, बाबूलाल गिरी, खिरोधर महतो, नवीन पाठक, जानकी महतो, अशोक सिंह, मो. सुजायत, मंजूर आलम, रिजवान अहमद, अलीमुद्दीन, कलीमुद्दीन, मो. रशीद आदि मौजूद रहे और सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए मिट्टी दी। मिट्टी मंजिल के पूर्व बुधवार को नूरी नगर स्थित उनके आवास पर भाकपा बेरमो अंचल ने उन्हें पार्टी का लाल झंडा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कई पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय के छत से प्लास्टर गिरने से छात्र जख्मी

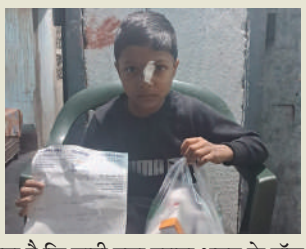

गोविंदपुर (धनबाद): आदर्श मध्य विद्यालय गोविंदपुर के छत के प्लास्टर का टुकड़ा बुधवार को तीसरी कक्षा के छात्र बापी दत्ता के नाक पर गिरा। घटना में बापी जख्मी हो गया। उसका इलाज स्थानीय नर्सिंग होम में कराया गया, जहां उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया । बताया जाता है कि बापी दत्ता पुराना भवन के हॉल में गया था। हॉल का सीलिंग काफी जर्जर स्थिति में आ गया है। वेंटिलेटर में घोंसला में बैठे एक कबूतर के उड़ने से प्लास्टर का एक छोटा टुकड़ा उसके नाक पर आ गिरा। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुस्तकीम अंसारी ने बताया कि विद्यालय का पुराना भवन काफी जर्जर हो गया है। उन्होंने मरम्मत के लिए विभाग को कई बार पत्राचार किया, परंतु आज तक इसकी मरम्मत नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में पुराने भवन में बच्चों को नहीं पढ़ाया जाता है । नया भवन में बने क्लास रूम में उनकी पढ़ाई कराई जाती है।

प्रेस लिखे वाहन से मवेशी तस्करी का पुलिस ने किया भंडाफोड़, एक गाय और दो बछड़ा बरामद, वाहन छोड़ भागे तीनों तस्कर

धनबादः स्वीफ्ट डिजायर वाहन से मवेशी तस्करी का भंडाफोड़ पुलिस ने किया है। मौके से वाहन छोड़कर तीनों मवेशी तस्कर भागने में सफल हो गए। स्विफ्ट डिजायर कार पर प्रेस का बोर्ड लगा हुआ था। घटना बुधवार सुबह की है। चालक वाहन को धनसार की ओर से झरिया रोड में काफी तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चला रहा था। गाड़ी की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए बैंक मोड़ पुलिस ने जब इसे रुकने का इशारा किया तब चालक द्वारा पुलिस को चकमा देकर और तेजी से गाड़ी को भगाया जाने लगा । भागने के क्रम में उक्त कार श्रीराम प्लाजा के पास डिवाईडर से टकरा गया और उसमें सवार तीन व्यक्ति गाड़ी छोड़कर भाग गए। पुलिस द्वारा गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें एक गाय और दो बछड़ा लोड पाया गया । उक्त गाड़ी एवं पशु को बैंकमोड थाना लाया गया है। इस संबंध में सुसंगत धाराओ के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्यवाई की जा रही है।

पत्रकारों ने स्व. रीना पांडेय को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बोकारोः बोकारो परिसदन में बुधवार को स्थानीय पत्रकारों ने एक शोकसभा आयोजित कर पत्रकार दिनेश पांडेय की दिवंगत पत्नी स्व. रीना पांडे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिले के सभी कोनों से जुटे पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में उपस्थित पत्रकारों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे सभी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह दिनेश पांडेय और उनके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। गौरतलब है कि रीना पांडेय का निधन तीन दिन पहले ब्रेन हेमरेज से हो गया था।

पुलिस केंद्र में आधुनिक परिवहन शेड का उपायुक्त व एसएसपी ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बुधवार को पुलिस केंद्र धनबाद में नव निर्मित परिवहन शेड का उद्घाटन किया। इस मौके पर कई पुलिस पदाधिकारी, जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नए परिवहन शेड के निर्माण के बाद पुलिस केंद्र में मौजूद लगभग 50 से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियों को अब सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। शेड के नीचे पुलिस लाइन की बस, वाटर केनन, बज्र वाहन, रक्षक वाहन, जीप और अन्य छोटे वाहनों का सुरक्षित पड़ाव बनेगा, जिससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में वाहनों का त्वरित उपयोग संभव होगा।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पुलिस बल दिन-रात कड़ी परिस्थितियों में काम करता है। ऐसे में उनकी बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं को पूरा करना जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हर आवश्यक संसाधन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले के पुराने और जर्जर थाना व ओपी भवनों का सर्वे कर लिया गया है। उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य सीएसआर फंड से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। बरवाअड्डा थाना को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण को भी मंजूरी मिल चुकी है, और जल्द ही इस सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय नागरिकों एवं पुलिस बल का आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी थाना और ओपी को अतिरिक्त कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, पुलिस कर्मियों को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने के लिए आईआईटी (आईएसएम) के सहयोग से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पुलिस बल को आधुनिक तकनीकों और नई विधियों से लैस करेगा।

वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परिवहन शेड केवल वाहन पार्किंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अत्यंत उपयोगी साबित होगा। चुनावों के दौरान सुरक्षा बलों के अस्थायी आवासन, विधि-व्यवस्था नियंत्रण के लिए विशेष तैनाती, बल संचयन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यक्रमों में भी इस शेड का उपयोग किया जा सकेगा।

एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि शेड के पीछे आधुनिक शौचालय और स्नानघर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे पुलिस बल को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। पुलिस केंद्र में 225 बेड क्षमता वाले बड़े बैरक का निर्माण कार्य भी जारी है, जिसमें जवानों के आराम और रहने की बेहतरीन व्यवस्था होगी। इसके अलावा परिसर में बहुउद्देश्य हॉल, नाला निर्माण, जल निकासी व्यवस्था और अन्य सिविल कार्य भी तीव्र गति से किए जा रहे हैं।

एसएसपी ने बताया कि हाल ही में धनबाद पुलिस को 150 नई पेट्रोलिंग बाइक उपलब्ध कराई गई हैं। ये बाइक थाना क्षेत्रों में गश्ती को गति देने और अपराध नियंत्रण में सहायक साबित हो रही है। आने वाले समय में कुछ और आधुनिक वाहन धनबाद को मिलने वाले हैं, जिनका वितरण विभिन्न थाना, ओपी और पुलिस कार्यालयों में किया जाएगा।

एसएसपी ने कहा कि पुलिस बल की आवश्यकताओं और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जवान पुलिस विभाग की रीढ़ हैं और उनके कल्याण को सर्वोपरि रखा जा रहा है। उन्होंने जवानों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारीपूर्वक कानून-व्यवस्था के संधारण, अपराध नियंत्रण और जनसेवा से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, सुमित कुमार, नैशाद आलम, शंकर कामती, अरविन्द सिंह, संजीव कुमार, परिचारी प्रवर अवधेश कुमार, विनोद कुजूर समेत पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी, जवान व पुलिस मेन्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

मंडल कारा धनबाद में मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बुधवार को मंडल कारा धनबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के निर्देश पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेन्दु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कन्हैयालाल ठाकुर, डालसा सहायक सौरभ सरकार, जेलर दिनेश वर्मा, आधिकार मित्र राजेश सिंह उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य बंदियों को उनके मौलिक अधिकारों, विधिक सहायता, निःशुल्क कानूनी सेवाओं तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों की जानकारी देना था।

न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को, चाहे वह कारा में ही क्यों न हो, संविधान द्वारा प्रदत्त मानवाधिकार और सम्मान का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने बंदियों को संविधान के अनुच्छेद 21, त्वरित न्याय, निःशुल्क विधिक सहायता तथा हिरासत में गरिमापूर्ण व्यवहार से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही जेल में चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे कानूनी सहायता क्लिनिक, लोक अदालत, पैरवी सहायता एवं परामर्श सेवाओं की उपयोगिता समझाई।

एलएडीसीएस धनबाद की टीम ने बंदियों की समस्याएँ सुनीं और समाधान हेतु आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी बंदियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और विधिक सहायता सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पीएम आवास योजनाः लाभुकों के खाते से राशि की हो गई निकासी, आवास अधूरे

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): बाघमारा प्रखंड के सिनीडीह पंचायत अंतर्गत हनुमाननगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भूमिहीनों के लिए बनाए गए आवासों का बुधवार को पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान योजनाओं में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए।

जनप्रतिनिधियों ने बताया कि अधिकांश आवास अधूरे हैं, फिर भी कई लाभुकों के खातों से पूरी राशि 1 लाख 20 हजार रुपये की निकासी हो चुकी है। दस्तावेजों में उन आवासों को पूर्ण निर्माण दिखाया गया है, जबकि हकीकत यह है कि कई मकानों में केवल दीवारें खड़ी हैं, छत नहीं बनी है और दरवाजे-खिड़कियां तक नहीं लगाए गए हैं। कुछ मकानों में ढलाई छत के बजाय एडबेस्टर का प्रयोग किया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी राशि का बंदरबांट किया गया। वर्ष 2019-20 में शुरू हुई योजना को 2021 में पूर्ण दिखा दिया गया, लेकिन आज तक अधिकांश लाभुकों को आवास नहीं मिला। कुल 72 आवासों का आवंटन हुआ था, जिनमें से तीन-चार को छोड़कर कोई भी लाभुक घर में नहीं रह रहा है। लाभुकों ने आरोप लगाया कि मुखिया प्रतिनिधि बिट्टू चौहान ने उनके पासबुक लेकर घर बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक आवास नहीं मिला। वहीं बिट्टू चौहान ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति का पास बुक नहीं रखा हूं। ये आवास कुछ साल पहले बना है। विरोधी गुट उन्हें बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। लाभुकों से गलत बयान दिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी। निरीक्षण के दौरान गौरचंद बाउरी, लाल बहादुर यादव, लाला बाउरी, पूर्व मुखिया विनोद सिंह, पंचायत समिति सदस्य पिंटू वर्णवाल, भगवान दास, उपमुखिया सुधीर वर्णवाल, तारकेश्वर यादव, सुनील सिंह, सुजीत ग्याली, कृष्णा चौहान, गोपाल बाउरी, जगरनाथ ग्याली, पप्पू कुमार, डब्लू कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

जागरूकता से ही डिजिटल एवं जेंडर हिंसा से बचाव संभवः प्रखंड प्रमुख

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

महुदा (धनबाद): इब्तिदा एवं झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की और से डिजिटल हिंसा, महिला हिंसा एवं बाल विवाह विषय पर 16 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। शुभारंभ बाघमारा प्रखण्ड प्रमुख गीता देवी, महुदा थाना प्रभारी ललित रंजन भगत, मुखिया संगीता घोषाल, मुखिया नंदनी कुमारी, पंसस रूपदेव रवानी एवं संस्था प्रमुख शंकर रवानी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान संस्था की ओर से आगंतुक अतिथियों को अंगवस्त्र व पौधा देकर सम्मानित किया गया।

थाना प्रभारी ललित ने कहा कि डिजिटल हिंसा के प्रति हम जितना जागरूक रहेंगे, उतना ही हम सब सुरक्षित रहेंगे। मोबाइल के इस्तेमाल में सतर्कता बरतें। डिजिटल हिंसा के शिकार ज्यादातर महिलाएं होती हैं। संस्था द्वारा डिजिटल हिंसा के खिलाफ लोगों को जागरूक करना सराहनीय कदम है।

प्रखण्ड प्रमुख गीता देवी ने कहा कि डिजिटल हिंसा एवं जेंडर हिंसा कानूनन अपराध है। जागरूकता लाकर ही इससे बचा जा सकता है। ट्रस्ट के संस्थापक शंकर रवानी ने कहा कि आज के समाज डिजिटल हिंसा का शिकार हो रहा है। नई नस्ल इसकी चपेट में आ रहे हैं। इससे बचने की एकमात्र उपाय जागरूकता है। सावधानी और जगरूकता से ही डिजिटल हिंसा एवं जेंडर पर रोक लगाया जा सकता है।

कार्यशाला के दौरान मशहूर गायक शंकर नापित, तरूण कुमार महतो एवं उनके सहयोगी द्वारा देशभक्ति एवं खोरठा गीत गाकर सभी का मन मोह लिया।

संचालन फील्ड कोर्डिनेटर पूजा कुमारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में कब्बड्डी, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सफल बनाने में अध्यक्ष पूनम वर्मा, सचिव हलिमा एजाज, कोषाध्यक्ष बिनोद महतो, ममता रवानी, मुमताज अंसारी, नईमुद्दीन अंसारी, सीता कुमारी, नितेश कुमार वर्मा, अधिवक्ता तरूण कुमार, दीपा कुमारी, पूजा कुमारी, माला देवी, गुलनाज बानो, चंदा कुमारी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

तिब्बती समुदाय ने मनाया 'विश्व शांति दिवस', दलाई लामा की दीर्घायु के लिए विशेष प्रार्थना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः चिल्ड्रन पार्क न्यू स्टेशन कॉलोनी पुराना बाजार स्थित तिब्बती रिफ्यूजी वूलन मार्केट में बुधवार को तिब्बती समुदाय द्वारा विशेष रूप से 14वें दलाई लामा के नोबेल पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया।

मार्केट के प्रधान ओलो ने बताया कि यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी तारीख को परमपावन दलाई लामा को विश्व शांति के लिए प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तिब्बती महिला करुणा ने बताया कि इस वर्ष तिब्बती समुदाय ने इस दिवस को करुणा वर्ष (Compassion Year) के रूप में मनाते हुए शांतिपूर्ण सहअस्तित्व और मानवता के भाव को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान तिब्बती समुदाय ने परमपावन दलाई लामा की दीर्घायु, विश्व में शांति और सद्भाव कायम रहने की कामना के साथ विशेष पूजा-अर्चना की।

विश्व मानव अधिकार दिवस पर करुणा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ज़रूरतमंदों के बीच कंबल, उपहार एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी किया गया। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि यह दिन न केवल सम्मान का प्रतीक है बल्कि वैश्विक शांति और भाईचारे का संदेश भी देता है।

धनबाद के तिब्बतन रिफ्यूजी वुलेन मार्केट में आयोजित यह कार्यक्रम स्थानीय लोगों ने भी देखा और समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से समझा।पूरे विश्व में तिब्बती समुदाय हर वर्ष इस दिन को मानवता, करुणा और शांति के संदेश के साथ मनाता है।

तिब्बती समुदाय ने सफाई कर्मियों के बीच बांटे 800 कंबल

» मुख्य अतिथि के रूप में नगर आयुक्त रविराज शर्मा रहे उपस्थित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद में बुधवार को तिब्बती समुदाय ने पार्क मार्केट हीरापुर स्थित तिब्बती वूलन मार्केट में विश्व शांति दिवस और विश्व मानवाधिकार दिवस का संयुक्त आयोजन किया। यह कार्यक्रम 14वें दलाई लामा को 36 वर्ष पूर्व मिले नोबेल शांति पुरस्कार की तिथि को स्मरण करते हुए आयोजित किया गया। इस दौरान दलाई लामा के 90 वर्ष पूरे होने पर उनकी दीर्घायु, विश्व शांति और वैश्विक सद्भाव के लिए विशेष प्रार्थना की गई।

मार्केट के सदस्य शेवांग ने बताया कि यह दिन तिब्बती समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष को करुणा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य मानवता, भाईचारे और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के दौरान धनबाद नगर निगम के सफाई कर्मियों के बीच 800 कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त रविराज शर्मा समेत नगर निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि जरूरतमंदों की सहायता करना इस दिवस का मूल संदेश है, जो करुणा और मानवाधिकारों की रक्षा की भावना को मजबूत करता है।

विधानसभा में राज सिन्हा ने भटिंडा फॉल के सौंदर्यीकरण व स्थानीय गोताखोरों के सशक्तिकरण का उठाया मुद्दा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः झारखंड विधानसभा के सत्र में बुधवार को धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जोरदार ढंग से अपनी बात रखते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया।

विधायक श्री सिन्हा ने सभी महत्वपूर्ण संशोधनों में स्थानीय विधायकों को शामिल किए जाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और आवश्यकताओं की जानकारी स्थानीय विधायक को सबसे अधिक होती है, इसलिए विकास संबंधित संशोधनों में विधायकों की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सदन में अपनी बात रखते हुए श्री सिन्हा ने धनबाद के प्रख्यात प्राकृतिक पर्यटन स्थल भटिंडा फॉल के अविलंब सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके व्यवस्थित विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा राज्य सरकार को भी राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने विशेष रूप से भटिंडा फॉल एवं आस-पास के गांवों के पारंपरिक गोताखोरों के लिए विशेष प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधनों की आपूर्ति, और सुरक्षा उपकरणों से लैस किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधायक ने सदन को बताया कि धनबाद जिले में कहीं भी—चाहे मैथन डैम में डूबने की घटनाएं हों या अन्य स्थल—हर जगह भटिंडा क्षेत्र के गोताखोरों की ही सेवा ली जाती है, इससे उनकी दक्षता और महत्त्व स्वयं स्पष्ट होता है।

श्री सिन्हा ने यह भी कहा कि धनबाद जिला प्राकृतिक सौंदर्य एवं ओपन माइंस जैसे दुर्लभ संसाधनों से भरपूर है। यदि यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाए और इन पारंपरिक गोताखोरों की सेवाओं का उपयोग किया जाए, तो यह क्षेत्र पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है और राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भटिंडा फॉल के विकास और गोताखोरों के सशक्तिकरण का मुद्दा वह पहले भी सदन में उठा चुके हैं और सरकार से जोरदार मांग किया कि इस दिशा में त्वरित एवं ठोस कदम उठाए जाएं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

मिलावटी शराब बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र में चाईबासा पुलिस ने मिलावटी अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में मिलावटी शराब और बीयर जब्त की है। सदर चाईबासा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सदर एएसपी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया था। टीम ने 9 दिसंबर को कुन्दरुगुटु गांव में छापेमारी कर एक किराना दुकान से बड़ी मात्रा में मिलावटी अंग्रेजी शराब बरामद की। मौके से दुकान संचालक कुन्दरा तांती को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान कुन्दरा तांती की निशानदेही पर पुलिस ने हाटगम्हरिया और टोंटो थाना क्षेत्रों में दो अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की, जहां से यदुनाथ लागुरी और हरिश चंद्र लागुरी नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 111 बोतल 180 एमएल, 19 बोतल 375 एमएल, 14 बोतल 750 एमएल अंग्रेजी शराब के अलावा 27 बोतल बीयर और चार मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस ने कहा कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चोरी के पैसों को महिलाओं को छिपाने के लिए देता था आरोपित

रामगढ़। बोकारो और रामगढ़ जिले में चोरी कर पैसा खर्च करने वाले सनी करमाली के कई रंग हैं। वह आदतन चोरी करता रहा है। उसकी एक खासियत यह भी है कि वह सिर्फ दिन में ही चोरी करता है। हर बार चोरी में मिले रुपये वह गलत आदतों पर खर्च करता था। आरोपित जो जेवर चुराता था उसे वह महिलाओं और लड़कियों को दे देता था। इस बात का खुलासा सनी करमाली ने खुद पूछताछ के दौरान पुलिस के समक्ष की है। उसने पुलिस को बताया कि वह झुग्गी झोपड़ी में छुप कर रहता था। लेकिन उसका सपना अपना घर बनाने का था। लाखों रुपये चोरी करने के बावजूद वह अपना घर बना नहीं पाया था।

24 वर्ष का बेहद शातिर चोर सनी करमाली का आपराधिक इतिहास है। बोकारो जिले में उसके खिलाफ दो मामले पहले से दर्ज हैं। रामगढ़ में भी अप्रैल महीने में उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। हर बार की तरह इस बार भी उसने चोरी की रकम महिलाओं को रखने के लिए दी थी। पुलिस ने जब सनी को गिरफ्तार किया तो उसने छुपाई गई रकम और जेवर का जो ठिकाना बताया, वह जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। कई महिलाओं के पास रुपये और जेवर मिले। सनी जिस घर में चोरी की थी वहां उसे लगभग 12 लाख रुपये नगद मिले थे। लेकिन पुलिस सिर्फ 4.12 लाख ही बरामद कर पाई।

रामगढ़ उपायुक्त ने की आधारभूत संरचनाओं, एफआरए और परियोजनाओं की समीक्षा

रामगढ़। रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने बुधवार को जिला समाहरणालय सभागार में जिले की आधारभूत संरचनाओं, एफआरए और विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में डीसी ने सीसीएल, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल सहित अन्य परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली।

उन्होंने एफआरए, एनओसी और भूमि अधिग्रहण से जुड़े लंबित मामलों की जानकारी लेने के बाद शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करें।

डीसी ने यह भी कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में यदि कोई समस्या आती है, तो संबंधित विभाग जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराएं, ताकि समय पर समाधान किया जा सके।

बैठक में अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर तथा विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रोटरी रामगढ़ सिटी ने किया निःशुल्क ई- रिक्शा का वितरण

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सिटी ने बुधवार को जरूरतमंदों के सशक्तिकरण के लिए रामगढ़ कुंदन को निःशुल्क ई-रिक्शा प्रदान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी मुकेश तनेजा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट समाज में वास्तविक बदलाव लाने वाला है। यह पहल लोगों के जीवन में सकारात्मक असर डालती है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में रीजनल डायरेक्टर विवेक अग्रवाल और पूर्व असिस्टेंट विवेक अजमेरा उपस्थित थे।

क्लब के अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा लाते हैं।

वहीं प्रोजेक्ट चेयरमैन निधि चौधरी और स्वाति पंसारी ने कहा कि ई-रिक्शा वितरण का उद्देश्य रोजगार बढ़ाना और जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी इसी तरह के सार्थक सेवा प्रोजेक्ट लाएगा।

उपायुक्त ने की 10 गांवों में चल रही सौर ऊर्जा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। जिले में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पूर्व में हुई जिला स्तर की समिति की बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों के पालन और प्रगति की चर्चा की गई और सभी संबंधित बीडीओ से क्षेत्र की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक में 10 चयनित गांवों में चल रही सौर ऊर्जा संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई और इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि किन योजनाओं का संचालन कर बड़े जनसमूह को लाभान्वित किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि मॉडल सोलर विलेज के लिए जिले के सात प्रखंडों के 10 गांव चुने गए हैं। इसमें मुसाबनी प्रखंड के पारूलिया और धोबनी, धालभूमगढ़ के कोकपाड़ा–नरसिंहगढ़, घाटशिला का बड़ाजुड़ी, पोटका के हाड़तोपा, कालिकापुर, बहरागोड़ा के मानुषमुड़िया, पटमदा के बड़ा बांगुड़दा, बिडरा एवं बोड़ाम प्रखंड का बोड़ाम गांव शामिल हैं। इन गांवों का चयन 5000 से अधिक जनसंख्या वाले या जिले में ऐसी संख्या में गांव न होने पर अधिकतम आबादी वाले गांव के रूप में किया गया है। दिसंबर 2025 से मई 2026 तक छह महीने का चैलेंज पीरियड निर्धारित किया गया है। इस दौरान पीएम–कुसुम सहित अन्य सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की स्थापना और वितरण के साथ-साथ गांवों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जाएगा। छह महीने के अंत में जिस गांव में अधिकतम नवीकरणीय ऊर्जा अधिष्ठापन क्षमता होगी, उसे मॉडल सोलर विलेज घोषित कर एक करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

सुदेश 14 को जाएंगे हजारीबाग, पार्टी के मिलन समारोह में होंगे शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो 14 दिसंबर को हजारीबाग जाएंगे। सुदेश हजारीबाग के नगर भवन में पार्टी के मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अन्य दलों के नेता, कार्यकर्ता और युवा पार्टी से जुड़ेंगे। मिलन समारोह में पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, मांडू के विधायक निर्मल महतो, प्रमंडल प्रभारी और पूर्व विधायक लंबोदर महतो, प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता सहित कई नेता उपस्थित रहेंगे।

वहीं कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बुधवार को हज़ारीबाग परिसदन भवन में आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष परमेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिला समिति की बैठक हुई।

बैठक में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी संजय मेहता उपस्थित थे।

बैठक में केंद्रीय सदस्य विजय वर्मा, सुहानी एक्का,संगीता बारला, संदीप कुशवाहा, प्रदीप मेहता, सिदार्थ शंकर राय सहित अन्य मौजूद थे।

तरसही के प्रमुख बने सिरिस्ता, प्रिया को दो मत से हराया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। लंबे समय से खाली चल रहे पलामू के तरहसी प्रमुख पद पर बुधवार को चुनाव कराया गया। चुनाव मैदान में दो उम्मीदवार थे। निवर्तमान प्रमुख प्रिया कुमारी और मंझौली टू के पंचायत समिति सदस्य सिरिस्ता भुइयां ने दावेदारी प्रस्तुत की। निर्वाचन के लिए मेदिनीनगर सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा और तरहसी की प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी कुसूम केरकेटटा मौजूद थीं।

वोटिंग में सभी 16 पंचायत समिति सदस्यों ने भाग लिया। निवर्तमान प्रमुख के पक्ष में 7, जबकि सिरिस्ता भुइयां के पक्ष में 9 मत पड़े। इस प्रकार सिरिस्ता भुइयां दो मतों से विजयी घोषित किए गए।

मौके पर निर्वाचन पदाधिकारी सदर एसडीओ ने कहा कि तरहसी में पंचायत समिति सदस्य का प्रमुख पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करा ली गई है। उन्होंने बताया कि सभी 16 पंसस ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया और कई मुद्दे उठाए। चुनाव में दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। सिरिस्ता भुइयां के पक्ष में 9, जबकि प्रिया कुमारी के पक्ष में 7 वोट पड़े।

निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि वोटिंग में हिस्से लेने वाले पंचायत समिति सदस्यों में शकुंतला देवी, नमिता देवी, मैना देवी, रचिबा बीवी, अजय कुमार सिंह (उपप्रमुख), शिवशंकर मेहता, नन्दू भुइयां सहित अन्य शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि तरहसी प्रमुख प्रिया कुमारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने और मामला न्यायालय में चले जाने के कारण यह पद लंबे समय से रिक्त चल रहा था। इस बीच उपप्रमुख अजय कुमार सिंह को प्रमुख की जिम्मेवारी दी गयी थी, लेकिन न्यायालय के निर्देश ने उनकी वित्तीय शक्ति जब्त कर ली थी। वहीं क्षेत्र में प्रमुख के नहीं रहने से विकास योजनाओं पर विपरीत असर पड़ा था।

पश्चिमी सिंहभूम में आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास को लेकर बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम।पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास और

विभिन्न देय लाभ एवं सुविधाओं के विषय पर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 50 आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्राप्त प्रस्तावों को गृह विभाग को अनुशंसा सहित भेजने का निर्णय लिया गया।

इसके साथ ही विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सूची में शामिल व्यक्तियों से समन्वय स्थापित कर उनके बच्चों की शिक्षा, आजीविका सहायता और कौशल प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इसका उद्देश्य नक्सलियों को कानून के दायरे में वापस लाकर समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है।

सभी विभागों को अपनी कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में अपर उपायुक्त प्रवीण केरकट्टा, जिला सामान्य शाखा प्रभारी देवेंद्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक शिवेंद्र, समादेष्टा-गृहरक्षा वाहिनी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी और महाप्रबंधक-जिला उद्योग केंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया, अधिकारों और जागरूकता पर दिया गया जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जिले में शिक्षा संस्थानों और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें मानवाधिकार, मौलिक अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और न्याय तक उनकी पहुंच को सशक्त बनाना रहा।

महिला कॉलेज में एनएसएस बीएड यूनिट और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), पश्चिमी सिंहभूम के संयुक्त तत्वावधान में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य प्रो. रूपकला माधुरी खालको के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने मानवाधिकार दिवस के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

डालसा सचिव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि मानवाधिकार दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि न्याय, समानता और जागरूकता के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति जन्म से ही कुछ मूलभूत अधिकारों का अधिकारी होता है। इस अवसर पर विकास दोदराजका ने संयुक्त राष्ट्र की ओर से 10 दिसंबर 1948 को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाए जाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि साझा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्पित सुमन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजीव लोचन नमता ने किया। कार्यक्रम में फादर यूजिन एक्का, फादर बलदेव, संजीव प्रधान, डॉ. ओनिमा मानकी, डॉ. पुष्पा कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, प्रीति देवगम, सितेंद्र रंजन सिंह, डॉ. सुचिता बाड़ा सहित बीएड सेमेस्टर एक और दो की छात्राएं एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स उपस्थित थे।

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर वन स्टॉप सेंटर में डालसा की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर और सचिव रवि चौधरी के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें महिला थाना प्रभारी, वन स्टॉप सेंटर की कर्मी नलिनी, हिमांशु जेना, अधिकार मित्र सूरज कुमार ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को मानवाधिकार, शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी दी। इसके अलावा महिला कॉलेज में आईक्यूएसी के तत्वावधान में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से भी विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. रूबी कुमारी, आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. अमृता जायसवाल, डॉ. अंजु, मनीषा, नम्रता, डॉ. अंजना सिंह और मीरा कुमारी ने अपने विचार रखे।

अवैध ईंट भट्टे के संचालन पर डीसी ने लगाई रोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने जिले के सभी अवैध ईंट भट्ठे के संचालन पर रोक लगा दी है। जिले में ईंट भट्ठों का अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। हर बार पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन की मिलीभगत की बात उठती रही है। लेकिन इस बार डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने बकायदा चिट्ठी जारी कर अवैध कारोबार पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

डीसी ने जिले के एसपी, डीएफओ, डीएमओ, रामगढ़ एसडीपीओ, पतरातु एसडीपीओ, डीएसपी हेडक्वार्टर, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी और सभी ओपी प्रभारी को निर्देश जारी किया है।

डीसी ने कहा कि अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों पर रोक लगाना जरूरी है। जिले में अवैध रूप से संचालित सभी ईंट भट्ठों पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना वैध अनुमति, लाईसेंस और कागजात के क्षेत्र में कोई भी ईंट भट्ठा का संचालन नहीं जाएगा।

क्रशर में फायरिंग मामले की एसपी ने की जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो ने बुधवार को डोडमा जाकर बाबा आमरेश्वर माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड में हुई फायरिंग के मामले की जांच की। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मंगलवार की रात लगभग होने 10.45 बजे एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधकर्मियों ने क्रशर के पास दो गोलियां चलाई थी। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक लेवी को लेकर किसी तरह का पर्चा नहीं मिला है। इसलिए स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि फायरिंग के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौके पर तोरपा के पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम सहित अन्य मौजूद थे।

रामगढ़ में राजस्थान निवासी युवक का शव मिला, शादी से एक दिन पहले सल्फास खाकर की आत्महत्या

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। सदर थाना क्षेत्र के चुट्टूपालू घाटी के काजू बागान में जिस युवक का शव मिला है वह राजस्थान का रहने वाला था। उसकी पहचान राजस्थान राज्य के राजसमंद जिले के टणका गांव निवासी केसर सिंह के महावीर सिंह चुंडावत (27) के रूप में हुई है।

महावीर सिंह चुंडावत की शादी 11 दिसंबर को होनेवाली थी। जिस दिन वह दूल्हा बनने वाला था, उससे पहले ही उसकी मौत की खबर ने घरवालों पर बिजली गिरा दी। अपने घर से लगभग 1500 किलोमीटर दूर आकर उस युवक ने रामगढ़ शहर के जंगल में घुसकर आत्महत्या कर ली। उसने सल्फास खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त की। मृतक के घर वाले बुधवार को रामगढ़ पहुंचे। वहीं गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

काजू बगान के जंगल में जिस जगह पर महावीर का शव मिला वहां ऐसा कोई भी सामान या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। वहां से पुलिस को एक टूटा हुआ मोबाइल फोन मिला, जिसके क्यूआर कोड से आईएमईआई नंबर प्राप्त हुआ। इसके आधार पर सिम नंबर निकाला गया और परिवार से संपर्क स्थापित किया गया।

मृतक के परिजनों ने बताया कि बी-टेक की पढ़ाई करने के साथ महावीर सिंह चुंडावत ने इंदौर में काम करना शुरू किया था। 30 नवंबर को वह इंदौर से राजस्थान जाने के लिए निकला था। घर परिवार में बात करने के बाद उसका मोबाइल ऑफ हो गया। इसके बाद उसका मोबाइल कभी भी ऑन नहीं हुआ।

परिवार वालों ने इंदौर में गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई। वहां भी पुलिस ने खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। आठ दिन बाद उसका शव रामगढ़ में मिला। लगभग 1500 किलोमीटर की दूरी महावीर ने कैसे तय की और वह रामगढ़ ही क्यों पहुंचा, यह एक बड़ा रहस्य बन गया है। रामगढ़ पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इन सबके बीच पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजय कुमार ने अज्ञात शव के पहचान में सहयोग करने के लिए रियलमी सर्विस सेंटर बिजुलिया के संचालक पीयुष खंडेलवाल को प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित किया है।

राष्ट्रचिंतन से राष्ट्रनिर्माण तक +91 9288 319 159

मुखर राष्ट्रवाद

स्पष्ट, सजग और समर्पित

Mukhar Raashtrawaad : Think Bold. Speak Bold. Rise and Save the Nation

लोकतंत्र की रक्षा का समय -देश पहले, राजनीति बाद में

आज देश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां नागरिक सिर्फ विकास नहीं, बल्कि व्यवस्था की ईमानदारी भी चाहते हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण इसी ईमानदारी की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन जैसे ही चुनाव आयोग ने ये प्रक्रिया शुरू की, विपक्ष ऐसे उछल पड़ा मानो उनसे कोई अमूल्य अधिकार छीन लिया गया हो। सवाल यह नहीं कि सूची का पुनरीक्षण क्यों हो रहा है, असली सवाल यह है कि इसे लेकर बौखलाहट क्यों हो रही है?

मतदाता सूची की सफाई कोई पार्टी विशेष का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र के हित का विषय है। जब नामों की दोहराव हटेगा, फर्जी वोट बंद होंगे, मृतकों के नामों पर होने वाली वोटिंग रुकेगी, और जिनका घर बदल गया है उनकी अपडेटेड एंट्री होगी, तो इससे नुकसान किसे है? उस नागरिक को जो देश के लिए वोट डालने आता है? या उस राजनीतिक दल को जो फर्जी वोटिंग पर टिके सत्ता के सपने पालता है?

असल दर्द वहीं है। इसलिए विरोध की आवाज वहीं से उठ रही है।

जो नेता अपनी राजनीति फर्जी पहचान पर जमाए बैठे हैं, उनको डर लगना स्वाभाविक है। जो घुसपैठियों को सुरक्षित पनाह देते हुए उन्हें वोट बैंक में बदलते आए हैं, उन्हें साफ-सुथरी मतदाता सूची खतरा लगेगी ही। जो वर्षों से मृत आत्माओं की वोटिंग के सहारे विधानसभा और संसद में पहुंचे हैं, उनका गुस्सा भी समझा जा सकता है। पर देश कब तक ऐसी विकृत राजनीति का बोझ उठाता रहेगा?

वोटों का हिसाब-किताब सिर्फ एक चुनाव का नहीं, यह राष्ट्र की सुरक्षा, राष्ट्र की एकता, और राष्ट्र की अस्मिता से जुड़ा मामला है। अगर घुसपैठिए खुलेआम नागरिक अधिकारों में सेंध मारेंगे, अगर नकली वोटों से सरकारें बनेंगी, अगर लोकतंत्र के मंदिर में प्रवेश का रास्ता धांधली से तय होगा, तो फिर विकास की बात करना महज ढोंग रह जाएगा।

आज पुनरीक्षण का विरोध करने वाले दल अपने आपको लोकतंत्र का रक्षक बताने में लगे हैं, लेकिन असलियत यह है कि मतदाता सूची साफ होने से सबसे ज्यादा घबराहट उन्हीं को है। और यह घबराहट साफ बताती है कि असली चोट उनकी राजनीति पर लग रही है, राष्ट्र पर नहीं।

लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब मतदाता असली हों, वोट असली हों और नतीजे ईमानदार हों। यह सुधार किसी सत्ता पक्ष का अहंकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र को स्वच्छ बनाने का प्रयास है। और इस स्वच्छता से केवल वही डरते हैं, जिनकी राजनीति गंदगी पर आधारित रही है।

देश की जनता बहुत कुछ देख चुकी है, और अब समझ भी चुकी है। उन्हें पता है कि पारदर्शिता आने पर नुकसान किसे, और फायदा किसे होगा। यही कारण है कि आज भारत का आम नागरिक मतदाता सूची के पुनरीक्षण को सुधार के रूप में देख रहा है, जबकि कुछ राजनीतिक दल इसे अपने अस्तित्व का संकट मान रहे हैं।

ये वही समय है जब देश के नागरिक लोकतंत्र की ढाल बनकर खड़े हों। अगर राजनीति शोर मचाए, तो जनता अपनी आवाज और बुलंद करे। क्योंकि सच दबाने से नहीं, बोलने से बचता है। विपक्ष चाहे जितना चिल्लाए, राष्ट्र की सुरक्षा और लोकतंत्र की शुचिता सर्वोपरि है।

फर्जी वोटरों से बनी सरकारें देश को गड्ढे में डालती हैं, लेकिन साफ-सुथरी मतदाता सूची देश को भविष्य देती है। इसलिए बहस इस बात पर नहीं होनी चाहिए कि पुनरीक्षण क्यों हो रहा है, बल्कि इस बात पर होनी चाहिए कि इसे और मजबूती से कैसे लागू किया जाए।

ये राष्ट्र का सवाल है, राजनीति का नहीं। और राष्ट्र सबसे पहले है....हर बार, हर परिस्थिति में।

इसी अभियान के निहितार्थ, राष्ट्रीय मुख्यधारा दैनिक 'मुखर राष्ट्रवाद' एक स्थाई स्तम्भ आरम्भ कर रहा है। प्रबुद्ध राष्ट्रवादियों से अनुरोध है कि आपके सम्बंधित आलेख, विचार और टिप्पणियां 'मुखर राष्ट्रवाद' में प्रकाशनार्थ भेजें।

वंदे मातरम्: अतीत की शक्ति, वर्तमान का आधार, भविष्य की प्रेरणा

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारत के इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना में यदि किसी एक उद्घोष ने सर्वाधिक ऊर्जा, एकता और आत्मगौरव का संचार किया है, तो वह है "वंदे मातरम्"। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की वह धड़कन है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के कठिनतम क्षणों में लाखों देशभक्तों को शक्ति, साहस और नैतिक दृढ़ता प्रदान की। फांसी के तख़्ते पर चढ़ते हुए वीरों के होंठों पर यही मंत्र था, जेल की यातनाओं को सहते स्वतंत्रता सेनानियों का संबल भी यही रहा। आज यह राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का अमर प्रतीक है- ऐसा प्रतीक जिस पर न विवाद होना चाहिए, न विभाजन, बल्कि केवल आदर और समर्पण।

वंदे मातरम् का इतिहास केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि क्रांतिकारी है। उन्नीसवीं शताब्दी में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत 1905 के बंग-भंग आंदोलन के समय जन-क्रांति की धमनी बन गया। इसने बिखरी हुई राष्ट्रीय चेतना को एक सूत्र में बांधा और भारतीयों में स्वाधीनता का विश्वास जगाया।1905 से 1947 तक का पूरा स्वाधीनता संघर्ष इस उद्घोष से ऊर्जा पाता रहा।सत्याग्रहियों के लिए यह सत्य और निर्भीकता का प्रतीक बना;युवाओं के लिए यह समर्पण और नेतृत्व का मार्गदर्शक;और आम भारतीयों के लिए यह देशभक्ति का भावनात्मक स्त्रोत।कई सेनानी जेल जाते समय, लाठियां खाते समय और फांसी चढ़ते समय भी यही उद्घोष बोलते रहे-"वंदे मातरम्।" यह अतीत की वह शक्ति थी, जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का संकल्प जन-जन में जगाया।

आज का भारत तकनीक, रक्षा, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और कूटनीति आदि विविध क्षेत्रों में विश्व पटल पर तेजी से उभर रहा है। लेकिन आधुनिक विकास के इस दौर में सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।यह विभिन्न भाषाओं, धर्मों और परम्पराओं को एक साझा भारतीय पहचान में पिरोता है।यह भारत की प्रकृति— नदियों, वनों, खेतों, धरती और मातृभूमि के सौंदर्य का काव्यमय उत्सव है, जो भौतिकतावादी युग में भी संवेदनाओं को जीवित रखता है।

भ्रष्टाचार, पर्यावरण संकट, सामाजिक असमानता और नैतिक विचलन के दौर में यह उद्घोष नागरिक कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की याद दिलाता है।विशेषतः युवाओं के लिए वंदे मातरम् जड़ों से जुड़ने का मार्ग है। यह बताता है कि आधुनिकता का अर्थ अपनी पहचान खो देना नहीं, बल्कि उसे और मजबूत बनाना है।

भविष्य का भारत तकनीकी रूप से अत्याधुनिक होगा, लेकिन उसकी आत्मा भारतीयता में ही रची-बसी रहेगी। वंदे मातरम् उसी भारतीयता का शाश्वत प्रतीक है। एक ऐसी प्रेरणादायक ध्वनि, जो समय, परिस्थितियों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे है।आने वाले समय में जब भारत वैश्विक मंच पर संस्कृति, ज्ञान, शांति और मानवता के आधार पर नेतृत्व करेगा, तब यह उद्घोष और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा क्योंकि इस समय यह याद दिलाएगा कि राष्ट्रभक्ति किसी धर्म या जाति की नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत है।यह संकेत देगा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वैज्ञानिक आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक दायित्व है।और यह भाव जगाएगा कि देशभक्ति केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक आदर्श है।इस प्रकार वंदे मातरम् भविष्य का वह प्रेरणास्रोत बनेगा, जो प्रगति और परंपरा को संतुलन में रखते हुए भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में मार्गदर्शन देगा।

अतः यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि –वंदे मातरम् केवल स्वतंत्रता आंदोलन का गीत नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रीय चरित्र, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक गौरव का शाश्वत घोष है।अतीत में इसने शक्ति और त्याग का संचार किया,वर्तमान में यह एकता और आत्मविश्वास का आधार है,और भविष्य में यह राष्ट्र की प्रेरणा और चेतना की अमर ध्वनि बना रहेगा।

हिंदू विकास दर: भारत के साथ अमेरिका और यूरोप के आर्थिक विकास में भी अहम योगदान

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आज़ादी के बाद से नेहरूवादी नीति ने भारत को आर्थिक विकास के लिए हिंदू दृष्टिकोण के बजाय समाजवादी विकास मॉडल अपनाने पर मजबूर किया था। इस रणनीति के अनुसार, निजी उद्यमशीलता कठोर लाइसेंस राज के अधीन थी, जिसने केवल लालफीताशाही और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र को अर्थव्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभानी थी। इस कम्युनिस्ट, केंद्रीय रूप से नियोजित आर्थिक मॉडल द्वारा निजी निवेश की भूमिका सीमित कर दी गई। अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में इस प्रतिमान ने वर्षों तक सपाट या खराब जीडीपी विकास दरें पैदा कीं और भारत को गरीबी से बाहर निकालने में विफल रहा। दशकों की कम विकास दरों की भारी विफलता के बारे में पूछे जाने पर कहानी- या बल्कि स्पष्टीकरण- देश के हिंदुओं को बदनाम करने और दोष देने का था। "हिंदू विकास दर" शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले साल 1978 में दिवंगत अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने भारत की धीमी आर्थिक वृद्धि को दर्शाने के लिए किया था, जो साल 1960 और 1980 के दशक के दौरान औसतन लगभग 4% थी। इसका मतलब यह दिखाना था कि आज़ाद भारत की समाजवादी नीतियों के शुरुआती दशकों के दौरान देश की हिंदू आबादी धीमी प्रगति से कैसे जूझ रही थी। आज के समय में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है और अपनी पुरानी शान हासिल करने के लिए तैयार है। अर्थशास्त्री इस कुख्यात और भ्रामक कहावत का इस्तेमाल करना जारी रखे हुए हैं और अर्थशास्त्र के छात्रों को इसे पूरे देश में सीखना पड़ता है। यह चतुर शब्द एक मार्क्सवादी अर्थशास्त्री द्वारा जानबूझकर हिंदू समाज को आर्थिक गतिविधि के मामले में ऐतिहासिक रूप से अविकसित के रूप में वर्गीकृत करने के प्रयास में गढ़ा गया था। चूंकि नरेन्द्र मोदी प्रशासन के तहत भारत उपनिवेशवाद से मुक्ति की ओर बढ़ रहा है इसलिए इस कलंकित करने वाले शब्द को खत्म करने की ज़रूरत है। नेहरूवादी आर्थिक नीति के परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से बढ़ी। अक्सर जनसंख्या वृद्धि दर से कम। नतीजतन, पश्चिमी देशों ने हमारी विकास गति का मज़ाक उड़ाया, जो हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर से तेज़ नहीं थी। "हिंदू" विशेषण हमारे हिंदू समुदाय को पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित मुक्त बाज़ार के बजाय समाजवादी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए बदनाम करने के लिए जोड़ा गया था। भारत का आकर्षक आर्थिक इतिहास पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व के अंत से लेकर भारत में ब्रिटिश शासन की शुरुआत तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। 300 ईसा पूर्व तक भारतीय उपमहाद्वीप का अधिकांश भाग मौर्य साम्राज्य द्वारा एकजुट हो गया था, जिससे व्यापार और वाणिज्य में सुधार हुआ, कृषि उत्पादन बेहतर हुआ और सुरक्षा बढ़ी। 1 से 1000 ईस्वी के बीच भारत का वैश्विक जीडीपी में 30% हिस्सा था। अंग्रेजों के आने के बाद भारत में औद्योगीकरण में गिरावट आई और कई शिल्प और अन्य उद्योग खत्म हो गए। वैश्विक औद्योगिक उत्पादन 1750 में 25% से गिरकर 1900 में 2% हो गया और विश्व अर्थव्यवस्था में इसका अनुपात 1700 में 24.4% से गिरकर 1947 में 3% हो गया। ब्रिटेन द्वारा भारत के शोषण से ही उसके 200 साल के विकास के लिए धन मिला। इसे समझने के लिए मात्रात्मक मैक्रोइकोनॉमिक इतिहास में विशेषज्ञता वाले एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री "एंगस मैडिसन" के काम का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है। उनका सबसे प्रसिद्ध अध्ययन, "द वर्ल्ड इकोनॉमी-ए मिलेनियल पर्सपेक्टिव," जिसे OECD संगठन द्वारा जारी किया गया था, उसने पश्चिम को तब चौंका दिया जब इसमें प्राचीन और आधुनिक वैश्विक इतिहास दोनों में भारत के आर्थिक प्रभुत्व का पता चला। एंगस मैडिसन के शोध के अनुसार, भारत का जीडीपी दुनिया के कुल जीडीपी का लगभग 30% था। तुलनात्मक कीमतों और विनिमय दरों में संभावित बदलावों को ध्यान में रखने के लिए अनुमानों में क्रय शक्ति समता दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था। पश्चिमी यूरोप, जिसमें पूर्व रोमन क्षेत्र का अधिकांश भाग शामिल है, उसका बाजार में लगभग 11% हिस्सा था। यह अविश्वसनीय लगता है, खासकर यह देखते हुए कि सदियों के आक्रमणों और विदेशी कब्ज़े को रोकने के लिए भारतीय पीढ़ियों द्वारा किए गए संघर्षों के कारण हम अपने देश की अर्थव्यवस्था के बारे में कितना कम जानते हैं।

बच्चों के भविष्य की रोशनी जगाता यूनिसेफ

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतरराष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ के गठन में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है। अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है।

मेष राशि : आज विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरूर मिलेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। कारोबार में बढ़ोतरी होगी, साथ ही ख़र्च में वृद्धि की संभावना है, छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव आएंगे। कार्यस्थल में उच्च अधिकारियों व सहयोगियों का पूरा साथ आपको मिलता रहेगा।

वृष राशि : आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए समय अनुकूल है। आप कार्यक्षेत्र में भी बेहतर कार्य करेंगे। कई दिनों से चली आ रही परेशानी हल मिल सकता है।

मिथुन राशि: आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बांधे रखना आपके लिए थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाएंगे। किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

सिंह राशि:आज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जॉब चेंज करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानांतरण की सूचना मिल सकती है। निवेश करने के लिए अच्छा नहीं है, धनागमन होगा परन्तु खर्च में बढ़ोतरी भी होगी।

कन्या राशि: आज अच्छी खबर चित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनंद की प्राप्ति होगी। आपका वक्तृत्व कौशल कई सफलता का सूत्रपात करेगा। चिरप्रतिक्षित काम आगे बढ़ेगा।

तुला राशि: आज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से संपर्क लाभ प्रदान करेगा। स्वभाव का रूखापन आपके विरोधियों की संख्या में इजाफा करेगा। पारिवारिक प्रेम और आनन्द में वृद्धि के योग है।

वृश्चिक राशि: आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लायेगा। आज आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। हौसले को उड़ान मिलेगी। किसी की सहायता से क़र्ज़ से मुक्ति की राह निकलेगी। पराक्रम और मौलिक विचार आर्थिक समृद्धि प्रदान करेंगे। सरकार से लाभ और मान सम्भव है।

धनु राशि: आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुराने निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से संपर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें। आज आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा, आज अपने संभावित समाधान करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं होगी।

मकर राशि: आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कुंभ राशि: आज आप काफी ऊर्जावान और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय खोज में महसूस होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

वोट चोरी-एसआईआर के सहारे मोदी सरकार की छवि धूमिल करने की साजिश

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

संसद के दोनों सदनों में चुनाव प्रक्रिया में सुधार, एसआईआर और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर चर्चा चल रही है। सभी दलों के नेता पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रख रहे हैं। इसी के साथ चुनावों के दौरान मतदान प्रणाली को लेकर लगातार उठ रहे विवादों में पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग भी विपक्षी दलों के निशाने पर है। विपक्ष की पार्टियां बार-बार यह सवाल कर रही हैं कि आखिर क्यों जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है, जबकि कांग्रेस और महागठबंधन जैसी पार्टियां हर बार चुनाव में हार रही हैं। इन दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता नहीं बरत रहा और ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है। राहुल गांधी इस मामले में सबसे मुखर आवाज बने हुए हैं, जो ईवीएम के खिलाफ कई बार अपनी आपत्ति जता चुके हैं। विपक्ष का मानना है कि सभी चुनावों में वोटिंग मशीन के जरिए वोटिंग की बजाय फिर से बैलेट पेपर से चुनाव करवाए जाएं। उनका तर्क है कि ईवीएम में विश्वास नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे गड़बड़ी संभव है। इसके साथ ही वे बताते हैं कि ईवीएम के विवादों को लेकर चुनाव आयोग और सरकार पर सवाल उठाना उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। विपक्ष की ओर से यह भी आवाज उठ रही है कि चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि हर वोट की गिनती सटीक और निष्पक्ष रूप से हो।

दूसरी ओर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग का इस मामले पर मजबूत रुख है। उनका कहना है कि बैलेट पेपर के जमाने में चुनावों में बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और हिंसा होती थी। उस वक्त दबंग अपने इलाकों में जबरन बैलेट पेपर डालकर चुनाव परिणामों को प्रभावित करते थे। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने से रोका जाता था, धमकियां दी जाती थीं और कई बार मारपीट भी होती थी। बैलेट पेपर के डिब्बों में स्याही या पानी डालकर मतदाता का अधिकार छीना जाता था। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की पराकाष्ठा को खतरा था और जनता की मंशा का सही प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता था।

इन्हीं कारणों से चुनाव आयोग ने बहुत सोच-विचार के बाद ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को अपनाया। इसके आने के बाद चुनाव प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी हुई है। चुनाव आयोग बार-बार यह स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। संवैधानिक दिशा-निर्देशों के तहत ईवीएम की जांच, परीक्षण और रख-रखाव नियमित रूप से किया जाता है और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से होती है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए यदि कोई पार्टियां भी चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करातीं, तो उसे गंभीरता से लिया जाता और जांच का प्रावधान है।सुप्रीम कोर्ट ने भी अनेक मामलों में ईवीएम की वैधता और सुरक्षित होने की पुष्टि की है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी को ईवीएम से संबंधित कोई शिकायत हो, तो उसका समाधान ईवीएम वीवीपैट (वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के जरिए जांचा जा सकता है। वीवीपैट सिस्टम मतदाता को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि उनका वोट मशीन में सही तरीके से दर्ज हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

हालांकि, विपक्ष के नेताओं ने इस मुद्दे को चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बजाय प्रचार-प्रसार और सार्वजनिक मंचों पर ही वोट चोरी का आरोप लगाना जारी रखा है। राहुल गांधी के अलावा कई अन्य विपक्षी दलों के नेता भी ईवीएम की आलोचना करते हुए कहते हैं कि यह तकनीक शक्तिशाली दलों का पक्ष लेती है। वे दावा करते हैं कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर ईवीएम के माध्यम से सत्तासीन पार्टी का समर्थन बढ़ा रही है। हालांकि, इस मामले में ठोस सबूत या अदालत में जांच के लिए कोई ठोस कदम विपक्षी दलों ने नहीं उठाए हैं। चुनाव आयोग ने इस दौरान अपने बयान में स्पष्ट किया है कि वे पूरी निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ चुनाव प्रक्रिया का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईवीएम और वीवीपैट प्रणाली पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है। आयोग ने विपक्ष को भी कई मौके दिए हैं कि वे ईवीएम की जांच करे और यदि कोई त्रुटि मिले तो उसका निवारण किया जाए। आयोग ने बार-बार कहा है कि भारत में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना उनकी प्राथमिकता है।

इस पूरे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि वोटिंग सिस्टम की समीक्षा और सुधार आवश्यक है, मगर इसे वैज्ञानिक आधार और तथ्यात्मक प्रमाणों के आधार पर करना चाहिए। वे कहते हैं कि बिना किसी ठोस सबूत के, वोटिंग मशीन पर आरोप लगाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। इसके बजाय सभी राजनीतिक दलों को साथ मिलकर चुनाव सुधारों पर विचार करना चाहिए और मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखना चाहिए। चुनाव आयोग ने पुनर्निर्धारित मतदाता पहचान प्रक्रिया, ईवीएम के सुरक्षा तंत्रों में नवीनतम तकनीक, वीवीपैट की संपूर्ण जांच और चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण में सुधार जैसे कई कदम उठाए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया पर कोई संदेह न रहे। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अन्य आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर भी विचार किया है जो लोकतंत्र की मजबूती में सहायक हों।

राजनीतिक दलों की बात करें तो कांग्रेस और महागठबंधन इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर उठाकर जनता का ध्यान चुनाव प्रणाली की खामियों की ओर ले जाना चाहते हैं। वे दावा करते हैं कि जनता को सचेत किया जाए ताकि उनका वोट सुरक्षित रहे। दूसरी ओर भाजपा और अन्य सत्ता पक्ष इस बात पर जोर देते हैं कि पुरानी गलतियों को दोबारा न आएं और लोकतंत्र के मजबूत स्तंभों को मजबूत किया जाए। उनका तर्क है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष है और विरोधी दल केवल अपनी चुनावी असफलताओं को छुपाने के लिए आरोप लगा रहे हैं। यह विवाद लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा भी है। लोकतंत्र तभी मजबूत हो सकता है जब जनता चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा करे और मतदाता अपने अधिकारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से प्रयोग कर सके। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका इसमें निर्णायक होती है क्योंकि वे चुनाव के नियम-संहिता के संरक्षक हैं। इसीलिए, वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता को लेकर चल रहे सवालों के बीच तथ्य-आधारित बहस जरूरी है ताकि लोकतंत्र की नींव मजबूत हो।

इस पूरे तर्क-वितर्क के बीच आम मतदाता की छवि भी ध्यान देने योग्य है। वह अपने क्षेत्र में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण मतदान चाहता है, जिसमें किसी प्रकार की बाधा, धमकी या गड़बड़ी न हो। सामान्य मतदाता चाहता है कि उसका वोट सही प्रकार से गिना जाए और चुनाव परिणामों में उसके फैसले की वास्तविक छवि दिखे। यही लोकतंत्र की मूल भावना है और इसके संरक्षण के लिए सभी पक्षों का सहयोग आवश्यक है। इसलिए चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे वोटिंग सिस्टम पर राजनीतिक लड़ाई लड़ने के बजाय वास्तविक सुधार के लिए मिलकर काम करें। चुनाव की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी सुरक्षा के उपायों को और बेहतर बनाया जाए। साथ ही मतदाताओं को जागरूक कर उनका विश्वास हासिल किया जाए ताकि हर नागरिक मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेकर देश के भविष्य को आकार दे सके। इस तरह की गंभीर स्थिति में, जो लोकतंत्र की मजबूती के सवाल को छूती है, केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि समाधान पर ध्यान देना आवश्यक है। राजनीतिक दलों का फर्ज बनता है कि वे अपने मतदाताओं को यह विश्वास दिलाएं कि उनका वोट सुरक्षित है और चुनाव निष्पक्ष तरीके से होता है। वहीं चुनाव आयोग को भी लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी प्रक्रिया को हर तरह से पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत करना होगा, ताकि देश का लोकतंत्र उत्सव की तरह हर चुनाव में फल-फूल सके।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013, झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusspesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त मत, तथ्य और विचार लेखकों के स्वयं निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025

नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास

बक्सर कोर्ट का बड़ा फैसला

बक्सर, एजेंसी। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने मंगलवार को नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ल की अदालत ने सुनाया। मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदू सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9:30 बजे पोखरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया। अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। मामले के दो आरोपी विकास वर्मा और संतोष पासवान अब भी फरार हैं, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी तक अदालत में उपस्थित नहीं हुए हैं।

चारा घोटाला के एक केस की सुनवाई अब रोजाना होगी, इसमें लालू समेत कई आरोपी है

पटना, एजेंसी। चारा घोटाले के एक मामले की सुनवाई अब रोज होगी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की विशेष अदालत में चारा घोटाले की आज से रोजाना सुनवाई होगी। यह निर्णय तब लिया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने पुराने मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया है। इसी को देखते हुए सीबीआई की विशेष अदालत के न्यायाधीश राकेश कुमार ने यह आदेश दिया। अब इस मामले के सभी आरोपियों को तय की गई तारीखों पर शरीर कोर्ट में पेशी के आना पड़ेगी। इसमें राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, कई तत्कालीन मंत्री, विधायक और आईएएस अधिकारी आरोपी हैं। बताया जा रहा है कि 1996 में भागलपुर के बांका उप जिला कोषागार से पशुपालन विभाग में जाली बिल के आधार पर करीब 45 लाख की अवैध निकासी की बात सामने आई थी। मामला इतना तूल पकड़ा कि सीबीआई को इस केस को सौंप दिया गया। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद समेत 44 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। **क्या था बिहार का चारा घोटाला?** चारा घोटाला से जुड़ा अधिकतर फर्जीवाड़ा आज के समय में अलग राज्य बन चुके 'झारखंड' का है। यह पूरा घोटाला बिहार सरकार के पशुपालन विभाग के जरिए हुआ था। जिस चारा घोटाले का आरोप लालू प्रसाद यादव पर लगता है, वह उनके ही समय से शुरू नहीं हुआ था, बल्कि इसकी शुरुआत 1980 के दशक में ही हो चुकी थी। तब बिहार में कांग्रेस के मुख्यमंत्री थे। भारत के तत्कालीन नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) टीएन चतुर्वेदी ने उस दौरान बिहार के खजाने से रकम निकासी और इसके लिए हर महीने लगाई जा रही रसीदों को दायर करने में देरी का मुद्दा उठाया था। सीएजी ने उस दौरान ही खजाने से गड़बड़ लेनदेन और धनशोधन की आशंका जताई थी। हालांकि, तत्कालीन सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया और घोटाला जारी रहा। लालू के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने तक बिहार का यह घोटाला 950 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका था।

आरपीएफ जवान ने बचाई महिला की जान, ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर एएसआई ने दौड़ कर खींचा

पति के साथ जा रही थी घर

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में ट्रेन पर चढ़ते समय एक महिला फिसल गई। समय रहते RPF जवान से उसे पकड़कर प्लेटफॉर्म की तरफ खींच लिया और उसकी जान बचा ली। जिसका लाइव वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरपीएफ पोस्ट भागलपुर के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) संजीव कुमार झा की सतर्कता और तत्परता के कारण एक महिला यात्री की जान बच गई। घटना मंगलवार की है, जब एएसआई झा ट्रेन संख्या 13410 डाउन में किउल-मालदा इंटरसिटी एक्सप्रेस को सुरक्षित रूप से पास कराने के लिए मुख्य द्वार स्थित पोस्ट ऑफिस संख्या 1 के पास राउंड कर रहे थे। राउंड के दौरान एएसआई झा की नजर एक महिला पर पड़ी, जो धीरे-धीरे गति पकड़ रही ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही थी। महिला का पैर फिसला और वह नीचे गिरने लगी। जैसे ही एएसआई झा ने स्थिति देखी, उन्होंने बिना समय गंवाए दौड़कर महिला को पीछे की ओर जोर से खींच लिया। जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ने की कोशिश- घटना स्थल पर मौजूद लोग कुछ क्षण के लिए दहशत में आ गए, लेकिन एएसआई की सूझबूझ ने हादसे को टाल दिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम सोनी देवी बताया। ये कहलगांव के कालीगंज की रहने वाली है। उन्होंने कहा कि वह जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रही थीं। सोनी देवी ने कहा कि उनकी जान बचना एएसआई झा की वजह से ही संभव हो पाया। उन्होंने और उनके पति मनीष कुमार साह ने आरपीएफ विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जवानों की मुस्तैदी के कारण ही उनकी जान बची। आरपीएफ आरपीएफ एके गिरी ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी स्थिति में चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास नहीं करें, क्योंकि एक गलती बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है।

पटना जू में हाथी की सरसों तेल से मालिश:भालू खा रहा गुड़ की खीर

जानवरों को ठंड से बचाने के लिए किए गए खास इंतजाम

पटना, एजेंसी। ठंड के मौसम में वन्य जीवों के बचाव के लिए पटना जू में विशेष इंतजाम किए गए हैं। शीतलहर के दौरान हाथी के पूरे शरीर को नियमित अंतराल पर सरसों तेल की मालिश की जा रही है और आहार में गन्ना, सोयाबीन, मौसमी फल और धान उबाल कर दिया जा रहा है। वहीं, मांसाहारी वन्यजीवों के आहार में बढ़ोतरी की गयी है। सभी वन्यजीवों को कैल्शियम और मल्टीविटामिन की दवाइयां दी जा रही है। पक्षियों के इंक्लोजर में शीतलहर से बचने के लिए प्लास्टिक शीट्स और एग्रोनेट से घेराव किए गए है ताकि आवश्यक लाइट और वेंटिलेशन बना रहे। **भालू खा रहा है शहद, अंडा, गुड़ की खीर–** बंदर, लंगूर, चिपांजी, हूलॉक गिब्बन, लॉयन टेल मकाक इत्यादि वन्यजीवों को कंबल दिए गए है। इसके साथ ही अजगर, कोबरा, वाइपर, धामीन आदि वन्यजीवों के सेल में फर्श पर कंबल बिछाए गए है और सामान्य तापमान बनाए रखने के लिए बल्ब लगाए गए है।

पछुआ हवा ने बढ़ाई पूरे बिहार में ठंड कोहरे के कारण ट्रेनें लेट, यात्री परेशान

पटना, एजेंसी। बिहार में पछुआ हवा के कारण ठंड और बढ़ गई है। 20-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे प्रदेश में कनकनी महसूस की जा रही है। भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, गोपालगंज समेत कई जिलों में घने कोहरे की वजह से लोगों को सुबह-सुबह भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सावधानी के साथ चलना पड़ रहा है, वहीं कोहरे का असर ट्रेनों के परिचालन पर भी साफ दिखा।मंगलवार को श्रमजीवी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनें पटना लेट पहुंचीं। आज भी राजधानी आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। **आने वाले दिनों में और घना होगा कोहरा, ठंड और बढ़ेगी–** मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह की ठंडी पछुआ हवा चल रही है, उससे आने वाले दिनों में कोहरा और घना होने की संभावना है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के आसार हैं। पूर्वी बिहार में कुहासा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह-शाम निकलते समय सावधानी बरतें।

अगले सात दिन भी शुष्क रहेगा मौसम, सुबह बढ़ेगा कोहरा– मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहने वाला है। सुबह के समय राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। तापमान के रुझान की बात करें तो अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक और न्यूनतम तापमान में अगले तीन से चार दिनों तक किसी विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। चढ़ने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है।

न्यूनतम पारा गिरकर 8.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा– पिछले 24 घंटों में बिहार का मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। अररिया में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई हिस्सों में दिन के तापमान में किसी तरह का विशेष बदलाव नहीं देखा गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबौर (भागलपुर) सबसे ठंडा रहा, जहां 08.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 08.4 डिग्री सेल्सियस से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और पिछले 24 घंटों में रात के तापमान में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। पटना और पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता केवल 400 मीटर रही, जबकि पूरे प्रदेश में वर्षा का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

पटना के बैंक कॉलोनी में रेड, 4 तस्कर अरेस्ट

पत्रकार के घर से 5 लाख की विदेशी शराब बरामद, 17 लाख कैश जब्त

पटना, एजेंसी। पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र बैंक कॉलोनी में बुधवार सुबह पटना पुलिस ने एक मकान में छापेमारी की है। जहां से तलाशी के दौरान 5 लाख रुपए की विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई है। मौके से पुलिस ने 4 तस्करों को भी धर दबोचा है। आरोपियों के पास से 17.61 लाख रुपए कैश भी मिले हैं। जिस मकान में पुलिस ने छापेमारी की है, वह एक पत्रकार का बताया जा रहा है। इसी मकान को किराया पर लेकर तस्कर रहते थे। फिलहाल, पुलिस की ओर से तस्करों से पूछताछ की जा रही है। इनकी निशानदेही पर अन्य दूसरे तस्करों और नए ठिकाने के बारे में पुलिस पता लगा रही है। **नए साल में जश्न की थी तैयारी,डिलीवरी से पहले भंडाफोड़–** तस्कर रिहायशी इलाके में रेंट पर रूम लेकर तस्करी कर रहे थे, ताकि किसी को इस बात की भनक नहीं लगे। पिछले 6 महीने से यह कारोबार चल रहा था। तस्करों ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि मध्यप्रदेश से ट्रेन के जरिए शराब पटना लाते थे। दानापुर में शराब उतारी जाती थी। फिर वहां से ऑटो, ई-रिक्शा के जरिए बैंक कॉलोनी और विग्रहपुर के एक और मकान में स्टॉक करते थे। छठ और दीपावली में भी सप्लाई की थी। अब नए साल में जश्न की तैयारी थी। **पटना से बाहर भी करते थे डिलीवरी–** पुलिस की पूछताछ में यह भी बात सामने आई है कि तस्करों का एक बड़ा नेटवर्क फैला है। इनके अलावा भी तस्करी में अन्य लोग शामिल हैं। खासकर यह लोग पटना से बाहर बिहार के दूसरे जिलों में भी शराब की डिलीवरी करते थे और मोटी रकम कमाते थे।

नालंदा विश्वविद्यालय-दत्तोपंत ठेंगड़ी फाउंडेशन के बीच समझौता

भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शोध से जोड़ने की पहल, शिक्षा को समृद्ध बनाने की योजना

नालंदा, एजेंसी। देश की पुरानी शिक्षा परंपरा को पुनर्जीवित करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने नई दिल्ली स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर गहन रिसर्च करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी और फाउंडेशन के महानिदेशक विरजेश उपाध्याय की उपस्थिति में यह समझौता संपन्न हुआ है। इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थान भारत की प्राचीन सभ्यता गत ज्ञान-परंपराओं के सामाजिक, कानूनी और आर्थिक पहलुओं पर संयुक्त रूप से रिसर्च करेंगे।

पुराना और आधुनिक का संगम– इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पुराना ज्ञान को केवल ग्रंथों और पुस्तकालयों तक सीमित रखने के बजाय उसे समकालीन शैक्षिक व्यवस्था और नीति-निर्माण में उपयोगी बनाने का प्रयास करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह पहल भारत की बौद्धिक धरोहर को न केवल संरक्षित करेगी, बल्कि उसे नई पीढ़ी के लिए प्रासंगिक और उपयोगी भी बनाएगी।

इस सहयोग का उद्देश्य सिर्फ अकादमिक रिसर्च तक सीमित नहीं है। दोनों संस्थान मिलकर ऐसे कार्यक्रम विकसित करेंगे, जो नवीन सोच को प्रोत्साहित करें और भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्यापक बौद्धिक विमर्श को बढ़ावा दें। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक परिवेश को और समृद्ध बनाने की योजना बना रहा है।

नालंदा की परंपरा को आगे बढ़ाना– नालंदा विश्वविद्यालय, जो पुराना नालंदा महाविहार की गौरवशाली विरासत को पुर्नस्थापित करने के लिए स्थापित किया गया था, लगातार भारतीय ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के प्रयास में जुटा है। यह नया समझौता उस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह साझेदारी भारत की ज्ञान-विरासत को संरक्षित करने, उसका प्रसार करने और उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

समस्तीपुर डबल मर्डर का खुलासा, पिता-पुत्र व शूटर समेत चार गिरफ्तार

पिस्टल और बाइकें भी बरामद

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के मुक्तापुर में पिछले वर्ष हुए प्रॉपर्टी डीलर और टोटो चालक के चर्चित दोहरे हत्याकांड का समस्तीपुर पुलिस ने एसटीएफ की मदद से खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता व उसके सहयोगियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के सुधीर मधान, उसके पुत्र अमन मधान, तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले शूटर आशुतोष कुमार और बाइक चलाने वाले अपराधी फूलबाबू राम के रूप में हुई हैं। पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, 9 जिंदा कारतूस और दो पल्सर बाइक भी बरामद किए हैं।

एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 दिसंबर 2023 को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर गांव के पास दिनदहाड़े जमीन कारोबारी विजय गुप्ता और दिव्यांग टोटो चालक गणेश सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह मामला अत्यंत संवेदनशील होने के कारण पुलिस के लिए चुनौती बना रहा।

घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद सुधीर मधान को मार्च में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन साक्ष्य के अभाव में उसे जमानत मिल गई थी। इसके बाद मामला एसटीएफ के सहयोग से तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर तेजी से आगे बढ़ा। सबसे पहले पुलिस ने घटना में इस्तेमाल पल्सर बाइक व उसे चलाने वाले फूलबाबू राम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि सुधीर मधान ने विजय गुप्ता की हत्या के लिए 5 लाख रुपये, हथियार और गोली देने का सौदा किया था। मृतक की फोटो दिखाकर पहचान भी कराई गई थी।

घटना वाले दिन सुधीर मधान ने जमीन दिखाने के बहाने दोनों को टोटो में बैठाकर मुक्तापुर चिमनी के पास बुलाया, जहां बाइक पर सवार तीन शूटरों ने उन्हें गोली मार दी। वारदात के बाद हथियार सुधीर के पास वापस जमा करा दिए गए। अमन मधान ने अपराधियों को किस्तों में पैसे दिए और एक लाख रुपये मोबाइल भुगतान से भेजे थे। फूलबाबू की निशानदेही पर मुख्य शूटर आशुतोष को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुए। आशुतोष का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

एसपी ने बताया कि सुधीर मधान के विरुद्ध वैशाली और समस्तीपुर के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसकी जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट से अनुरोध करेगी। जांच में सामने आया है कि हत्याकांड के पीछे कई जमीन विवाद जुड़े हुए थे। पुलिस अन्य जमीन कारोबारियों की भूमिका की जांच कर रही है। एक और शूटर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

भोजपुर में साथी के साथ काम करने दानापुर जा रहा था, गेट से अनबैलेंस होकर गिरा

ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी युवक की मौत

आरा, भोजपुर, एजेंसी। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर बक्सर के रघुनाथपुर स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी युवक की मौत हो गई। इलाज के समय आरा सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। मृतक बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार मल्होत्रा का 18 साल का बेटा धनराज कुमार है। वह मजदूर था। मृतक के परिजन बताया कि वह अपने गांव के ही आठ अन्य लोगों के साथ हर रोज की तरह रघुनाथपुर स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन की ओर से दानापुर मजदूरी करने जा रहा था। उसी दौरान रघुनाथपुर स्टेशन के पास ही वह चलती ट्रेन से असंतुलित होकर गिर पड़ा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ रहे साथियों की ओर से उसे इलाज के लिए रघुनाथपुर पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया।

परिजनों ने नहीं कराया पोस्टमार्टम– इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिजन अपनी स्वेच्छा से उसके शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। मृतक अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां कुसुम देवी व एक भाई किशन कुमार और एक बहन शीतल कुमारी है।

5 -3 साल के बच्चों की हैंडपंप से कूचकर हत्या

पूर्णिया में मर्डर के बाद आरोपी भाई ने जीभ काटी; चाचा बोले- सिर फूटते ही खून का फव्वारा निकला

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में चचेरे भाई ने अपने 2 भाई की हैंडपंप से हमला कर हत्या कर दी। हमले के बाद दोनों बच्चों को सिर फट गया और दीवार पर खून के छींटे पसर गए। चचेरा भाई यहीं नहीं रुका उसने बच्चों के मरने के बाद चाकू से उनकी जीभ भी काट डाली। तीसरे बच्चे का गला घोंट रहा था, तभी घर वाले आ गए जिसके बाद वो वहां से भाग निकला। मृतकों की पहचान मो. माजूब के बेटे मो. इनायत (5) और गुलनाज (3) के रूप में हुई है, जबकि डेढ़ साल की बच्ची का नाम कुलसुम की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला रौटा थाना क्षेत्र के डिंगोज गांव का है। आरोपी मो. अरबाज (22) मृतक का चचेरा भाई है। इसने अपने दोस्त मो. हसनैन के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है।

बदला लेने के लिए बच्चों को मार डाला– मृत बच्चों के चाचा ने कहा है कि, 6 साल पहले बच्चे के मामा उसकी फुआ को लेकर भाग गया था। घर में विरोध हुआ फिर सब मान गए। लेकिन आरोपी को इस बात की नाराजगी थी। घर वाले बताते हैं कि एक साल पहले आरोपी नशे के लिए अपने पिता से पैसे मांग रहा था। पैसे नहीं देने पर वो अपने पिता को पिटने लगा। लड़ाई देखकर मृत बच्चों के पिता बीच बचाव में आए। आरोपी को ये बात भी बुरी लगी। बताया जाता है कि, मंगलवार की रात आरोपी गांव में किसी से लड़ाई कर था। मृत बच्चों के पिता ने कहा कि, लड़ाई झगड़ा करके पूरे घर का नाम तुमने खराब कर दिया है। आरोपी इससे आग बबूला हो गया और सीधे वो अपने चाचा के घर पहुंचे। देखा कि एक कमरे में तीन बच्चे सो रहे हैं। उसने हैंडपंप से दो बच्चों पर वार कर दिया और उनकी जीभ काट ली। तीसरे मासूम की गला दबाकर हत्या कर ही रहा था कि घर वाले आ गए और वो भाग गया।

ऐसे लोगों को फांसी होनी चाहिए– बच्चों की निर्मम हत्या के बाद गांव के लोग गुस्से में हैं। गांव के लोगों का कहना है कि, बच्चों की हत्या से पूरा गांव सन्न रह गया है। आरोपी ने ऐसी घटना को क्यों अंजाम दिया वो तो घर के लोग जाने, लेकिन ऐसे कातिल को फांसी की सजा होनी चाहिए।

पुलिस ने आरोपी को किया अरेस्ट– घटना की सूचना मिलते ही रौटा थाना की पुलिस भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी मो. अरबाज और उसके दोस्त मो. हसनैन को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से थाने में पूछताछ चल रही है।

खगड़िया में यातायात सुधार के लिए अतिक्रमण हटाए गए

पिक-एंड-ड्रॉप जोन निर्धारित, सड़क पर पीली पट्टी लगाकर किया सीमांकन

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया शहर में बढ़ती जाम की समस्या और नागरिकों की शिकायतों के बाद जिला पदाधिकारी नवीन कुमार और पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अनुमंडल पदाधिकारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में नगर परिषद की एक संयुक्त टीम शहर में सुधारात्मक कदम उठा रही है। प्रशासन ने राजेंद्र चौक से बखरी बस स्टैंड तक सड़क के दोनों ओर से अवैध अतिक्रमण हटा दिया है। सड़क पर पीली पट्टी लगाकर सीमांकन किया गया है। अब सभी व्यवसायियों को अपनी दुकानें और व्यवसायिक गतिविधियां निर्धारित सीमा के भीतर ही संचालित करनी होंगी। यह कदम सड़क पर अतिक्रमण रोकने और यातायात को सुचारु बनाने के लिए उठाया गया है। **यात्री पिक-एंड-ड्रॉप की नई व्यवस्था लागू–** ई-रिक्शा और ऑटो चालकों के लिए शहर में व्यवस्थित यात्री पिक-एंड-ड्रॉप की नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके लिए पूर्वी केबिन ढाला स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे एक स्थान निर्धारित किया गया है, जहां से चालक यात्रियों को चढ़ा और उतार सकेंगे। फुटकर विक्रेताओं के लिए बाजार समिति परिसर में दो मंच और आसपास के निर्धारित स्थानों को अधिकृत क्षेत्र घोषित किया गया है। इन जगहों पर रेहड़ी-पटरी और ठेले लगाए जा सकेंगे।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने का दिया निर्देश– प्रशासन ने बताया कि सभी स्थानों का विधिवत निर्धारण कर दिया गया है और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य जनसुविधा, सार्वजनिक हित और शहर में निर्बाध यातायात सुनिश्चित करना है। प्रशासन ने सभी संबंधित लोगों से नियमों का पालन करने और किसी भी उल्लंघन से बचने की अपील की है, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर और सुरक्षित बनी रहे।

महिला की मौत, ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप

नालंदा में पिता बोले- दहेज की मांग हो रही थी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में ससुराल वालों के प्रताड़ना से बीमार होकर एक महिला की मंगलवार की शाम पटना के पीएमसीएच में मौत हो गई है। मामला छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव का है। मृतका सुजीत साहू की पत्नी (28) खुशी देवी है। मायके वालों का आरोप है कि दहेज की खातिर ससुराल वाले प्रताड़ित किया करते थे। बुधवार को परिजन शव के पोस्टमार्टम को लेकर मॉडल अस्पताल पहुंचे। खुशी देवी के पिता सुजीत साहू ने बताया कि उनकी बेटी पिछले 2 साल से मायके नहीं आई थी। घरवालों से बेटी के ससुराल वाले बात भी करने नहीं देते थे। मंगलवार की शाम दामाद ने फोन कर बताया कि खुशी देवी की पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई है।

2 साल पहले भी खुशी देवी की तबीयत खराब– मायके वालों का आरोप है कि दहेज की खातिर ससुराल के लोग प्रताड़ित किया करते थे। 2 साल पहले भी खुशी देवी की तबीयत खराब हुई थी। उसका इलाज निजी क्लीनिक में कराया गया था। तब भी इलाज के लिए ससुराल वाले पैसे मांग रहे थे। बेहतर ढंग से इलाज नहीं होने के कारण खुशी की मौत हो गई। साल 2020 के जून महीने में छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव की रहने वाले सुजीत साहू की शादी दीपनगर थाना क्षेत्र के सिपाह गांव के रहने वाली खुशी देवी के साथ हुई थी। इस बीच एक बच्ची ने भी जन्म लिया, जो अब 3 साल की है। इस मामलें में छबीलापुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि मृतका के पिता के प्रताड़ना और मारपीट का आरोप लगाते हुए पति समेत कुल चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का आरोपी मुठभेड़ में घायल, पैर में लगी गोली- तीन साथी फरार, तलाश जारी

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में पिछले दिनों मोहम्मदाबाद व नवाबगंज क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से तेल चोरी की घटनाएं हुई थीं। मंगलवार देर रात मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने नहरैया गांव के पास मुठभेड़ में नवाबगंज के गांव बांसमई निवासी सनी को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से वह घायल हुआ है। उसे सीएचसी से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है। उसके तीन साथी फरार हो गए हैं। मौके से एक ईको कार, तेल व अन्य सामान बरामद हुआ हैं। आरोपी पर छह मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

11 को आएंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

करंजाकला, एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के पिता सवधू यादव (92) के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। इस बीच शोक जताने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी आने की सूचना है। मुख्यमंत्री कार्यालय से राज्यमंत्री की इस संबंध में बात भी हुई है। मुख्यमंत्री 11 दिसंबर को जौनपुर दौरे पर आएंगे। वे राज्यमंत्री के घर शोक जताने समसपुर पानीयारियां जाएंगे। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के पिता का निधन 2 दिसंबर की देर शाम हुआ था। उनके निधन के बाद प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, कई राज्यमंत्री व जनप्रतिनिधि पहुंचकर शोक संवेदना जता चुके हैं। उधर, सीएम के कार्यक्रम की सूचना मिलते ही मंगलवार से ही गांव में सफाई और अन्य तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला प्रशासन की तरफ से हेलिपैड बनाने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की भी तैयारियों में जुट गए हैं। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के 11 दिसंबर के आने की सूचना है। हालांकि अभी आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

सिंचाई करते समय नदी में गिरने से युवती की मौत

औरैया, एजेंसी। नदी किनारे पंपसेट से फसल की सिंचाई कर रही युवती का अचानक पैर फिसल गया। इससे वह नदी में गिर गई। मां ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह गहराई में जा चुकी थी। ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। थाना क्षेत्र के गांव पुरवा भवानी निवासी किसान वीरेंद्र सिंह की बेटी फूलमती (18) मंगलवार दोपहर मां रमा देवी व छोटी बहन हिमांशी के साथ गांव के बाहर खेत पर गई थी। वह खेत के पास से निकली पांडु नदी पर पंपसेट लगाकर खेत में फसल की सिंचाई कर रही थी। इसी दौरान फूलमती का अचानक पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गई। मां व उसकी बहन ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी गहरी होने के कारण युवती डूब गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची थाना पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। मां से हादसे के बारे में पूछताछ की। बाद में शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया है कि प्राथमिक जांच में युवती के डूबने से मौत की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण साफ होगा।

सफारी वाहनों से बाघ को घेरने के मामले में कमिश्नर सख्त

पीलीभीत, एजेंसी। पर्यटन के नाम पर वन्यजीवों की सुरक्षा से खिलवाड़ अब अधिकारियों के गले की हड्डी बन गया है। बराही रेंज में सायफन पुल पर बाघ का रास्ता रोककर सफारी वाहन खड़े करने की लापरवाही का वीडियो वायरल होने के बाद उच्च स्तर तक हलचल मच गई है। बरेली मंडल के कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने घटना को गंभीर मानते हुए डीएम को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पूरे वन विभाग और पर्यटन स्टाफ में खलबली मची है। डीएम के निर्देश पर एआरटीओ ने जांच शुरू कर दी है। पीटीआर के पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की सुविधा के साथ नियमों का पालन कराने के निर्देश जारी किए जाते हैं। खासकर सफारी के दौरान बाघ दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी और रास्ता को न रोकने पर विशेष जोर दिया जाता है लेकिन रविवार को सफारी के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया था। जबकि सफारी के दौरान कुछ जिप्सी वाहनों को सायफन पुल की ओर ले जाया गया और पुल पर विचरण कर रहे बाघ के रास्ते को दोनों ओर वाहन लगाकर रोका गया था। सोमवार को वीडियो वायरल होने के बाद अफसर गंभीर हुए थे। मामले में चार वाहनों के चालक, गाइड के अलावा रेंजर, बीट प्रभारी, वाचर को नोटिस जारी किया था। इधर मामले का कमिश्नर एस चौधरी ने संज्ञान लिया।

यूपी में कटेंगे तीन करोड़ मतदाताओं के नाम

चुनाव आयोग का निर्देश, सूची से हटाए गए नामों की दोबारा जांच करें

लखनऊ , एजेंसी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से काटने के लिए चिह्नित मतदाताओं के मामले में दोबारा जांच करने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए हैं। अभी तक इस श्रेणी में 18.48 प्रतिशत मतदाता चिह्नित किए गए हैं। आयोग ने समीक्षा बैठक में इस संख्या को काफी ज्यादा माना है। स्थिति यह है कि अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब तीन करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे, जोकि केरल के मतदाताओं की कुल संख्या से भी ज्यादा है।

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग की अध्यक्षता में प्रदेश के सभी मंडलायुक्त, रोल प्रेक्षक, विशेष रोल प्रेक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारियों और अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र के सापेक्ष 98.14 प्रतिशत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। इन डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 79.95 प्रतिशत गणना प्रपत्र मतदाता या उसके परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर के बाद प्राप्त हुए हैं। डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 18.48 प्रतिशत गणना प्रपत्रों को असंग्रहीत यानी मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दो जगह वोट वाले मतदाताओं आदि की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के पुनः सत्यापन के निर्देश दिए गए। जिन मतदेय स्थलों पर शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है, वहां पर बीएलओ द्वारा अपने बूथ के असंग्रहीत मतदाताओं की सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान 12 दिसंबर तक सभी बीएलओ के साथ बीएलए की बैठक कराए जाने के निर्देश दिए गए।

73 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग : मतदाताओं या उसके परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर से प्राप्त गणना प्रपत्रों में से वर्ष-2003 की मतदाता सूची से मैप किए गए मतदाताओं का प्रतिशत 72.90 प्रतिशत है और 27.10 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग अभी शेष है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि है वे मैपिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लें, ताकि कम से कम संख्या में नोटिस जारी हो।

नए मतदाता बनाने के लिए फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश : गणना अवधि में फार्म-6 कम संख्या में प्राप्त हो रहे हैं, इसलिए यह निर्देशित किया गया कि जिला निर्वाचन अधिकारी अपने जिले के विधानसभा क्षेत्रों में फार्म-6 प्राप्त होने की समीक्षा कर लें। यदि किसी मतदाता का नाम 2025 की सूची में न होने के कारण गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं तो ऐसे मतदाताओं से फार्म-6 भरवा लिए जाएं। जो युवा 1 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष के हो रहे हैं, उनको मतदाता बनाने के लिए फार्म-6 भरवाए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 9 जिलों और 88 विधानसभा क्षेत्रों व 131308 बूथों में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है

लखनऊ की मतदाता सूची में शामिल थे 1.26 लाख मृतकों के नाम, 45 हजार के दो जगह थे नाम

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ की मतदाता सूची में 1.26 लाख नाम उन लोगों के शामिल थे जिनकी मृत्यु हो चुकी है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में इसका खुलासा हुआ है। अब इन मृत मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। ये आंकड़ा कुल मतदाताओं का 3.1 फीसदी है।

वर्तमान में एसआईआर का कार्य अंतिम चरण में है। दावा है कि तय समय में कार्य पूरा हो जाएगा। लखनऊ की वर्तमान मतदाता सूची में 39 लाख 94 हजार 535 मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर के दौरान पता चला कि एक लाख 26 हजार ऐसे मतदाताओं के नाम हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। नियमानुसार इनके नाम सूची से हटाए जाने थे, लेकिन अब तक ये नाम जुड़े हुए थे। अब इन नामों को हटाया गया है। नई सूची में मृतकों के नाम हट चुके होंगे।

एसआईआर के दौरान अब तक 45 हजार ऐसे मतदाता सामने आए हैं जिनका नाम दो जगह की मतदाता सूची में है। ये सभी लखनऊ के ही रहने वाले हैं। ये पहले एक जगह वोटर थे। दूसरे स्थान गए तो वहां की सूची में भी नाम जुड़वा लिया, लेकिन

पहली सूची से अपना नाम नहीं हटवाया। अब इनका नाम सिर्फ एक जगह की सूची में रहेगा। दूसरी जगह से नाम हटाया जा रहा है।

5.12 लाख मतदाता हो चुके हैं विस्थापित : मौजूदा मतदाता सूची में शामिल 5.12 लाख मतदाता ऐसे हैं जो शहर से विस्थापित हो चुके हैं। एसआईआर के बाद जो मतदाता सूची जारी होगी उसमें इनके नाम नहीं शामिल किए जाएंगे। ऐसे लोग वर्तमान में जिस जगह रह रहे हैं, वहीं की मतदाता सूची में नाम जोड़ा जाएगा।

आज व कल ही मौकाः एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर है। अब भी जिन लोगों ने फॉर्म नहीं भरा है तो उनके पास सिर्फ दो दिन यानी बुधवार और बृहस्पतिवार का ही समय है। ऐसे लोग अपने इलाके के बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल मतलब ऑल इज वेल कानपुर : जारी पीड़ितों की सहायता और अपराधियों पर कार्रवाई

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां अपनी परिश्रम पूर्ण कर्मठता के फल स्वरुप कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में पीड़ितों की हर संभव सहायता तथा घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ कमिश्नरेट पुलिस का हर तरह के अराजक तत्वों तथा सफेदपोश माफिया अपराधियों पर प्रहार लगातार जारी है।

माना जा रहा है कि अपराधियों और प्रभावशाली सफेदपोश माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के मामले में ऐतिहासिक साबित हो चुके अखिल कुमार के बाद भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयनित 1997 बैच यूपी कैडर के मूल रूप से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के निवासी, अपने करियर के दौरान लोकसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव (सुरक्षा) का पद भी संभालने वाले, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कमिश्नरी प्रणाली शुरू होने से पहले, शहर के पहले और आखिरी एसपी (कानून और व्यवस्था) भी रहे, दिल्ली में नए संसद भवन के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके, सीआईएसएफ के साथ भी

काम कर चुके, सुरक्षा प्रबंधन में व्यापक अनुभव वाले और दो बार राष्ट्रपति वीरता पदक भी प्राप्त कर चुके जुझारू वरिष्ठ आईपीएस एडीजी रघुबीर लाल की कानपुर पुलिस कमिश्नर के रूप में चल रही उनकी चुनौती पूर्ण नियुक्ति का सीधा मतलब यह भी है कि अपराधियों ,माफियाओं और भ्रष्ट पुलिस वालों को भी किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

कानपुर के छठवें पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के बारे में विभागीय सूत्रों का दावा यह भी है कि किसी भी तरह के अन्याय, अपराध और अपराधियों के खिलाफ शुरू से ही सफल जुझारू तेवरों वाले, लोकहित में निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी विचारधारा के अनुरूप शांति और कानून व्यवस्था के खिलाफ हर स्तर की अनुचित सिफारिशों को जूते की नोक पर मारने के लिए भी चर्चित, कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा के चलते मंशा पर खरे उतरने के रूप में योगी सरकार का इकबाल भी बुलंद करने वाले देश प्रदेश के कर्तव्य निष्ठ और बेहद ईमानदार आईपी एस अधिकारियों में से एक भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले, जुझारू वरिष्ठ आईपीएस रघुबीर लाल की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा, उनकी इमानदारी, उनकी निष्पक्षता, उनकी पारदर्शिता, उनकी अभूतपूर्व नेतृत्व क्षमता, उनकी अदम्य साहस वाली कर्मठता, उनकी निडरता और उनकी कठोर परिश्रम शीलता ने अपने कर्तव्य का पालन करने में कभी भी कोई कसर नहीं रखी।

पीड़ितों की सहायता करते हुए कानून व्यवस्था के पक्ष में माफियाओं और हर तरह के अपराधियों के खिलाफ अपनी जुझारू नौकरी के अबतक के कार्य काल में रिकॉर्ड तोड़ संख्या में कार्रवाई में मिली सफलता भी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के जुझारू पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अदम्य साहस, शौर्य ,वीरता और दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

यही नहीं पुलिस भारतीय पुलिस सेवा में आने के बाद लोकहित में अपनी धुन के पक्के ,अपने कर्तव्य के प्रतिपूर्ण रूप से निष्ठावान और बेहद ईमानदार वरिष्ठ आई पी एस रघुबीर लाल के अबतक के जुझारू कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन आई पी एस अधिकारी के रुप में मानवीय दृष्टिकोण के भी प्रबल पक्षधर कानपुर के पुलिस कमिश्नर एडीजी रघुबीर लाल ने अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

कुल मिलाकर कठोर परिश्रमी पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल की शठे शाठ्यम समाचरेत वाली परिश्रम पूर्ण निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के फलस्वरूप हर तरह के अपराध और अपराधियों पर अंकुश से कानपुर की जनता राहत के मार्ग पर लगातार अग्रसर होती भी नजर आ रही है।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र निर्धारण में आईं 96 आपत्तियां

औरैया , एजेंसी। औरैया। यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर 96 आपत्तियां आई हैं। सबसे ज्यादा आपत्तियां परीक्षा केंद्र दूर होने को लेकर हैं। ऐसा स्कूलों की गलती के कारण ही हुआ है।

जियो टैगिंग के कारण गूगल मैप ने उसी दूरी को आधार बनाकर परीक्षा केंद्र फाइनल कर दिया। अब जिला स्तरीय टीम आपत्तियों के सत्यापन में जुट गई है।

यूपी बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होनी है। इसके परीक्षा केंद्र बनाने को लेकर जिले के 68 स्कूलों ने आवेदन किया था। बोर्ड से जारी सूची में चार केंद्र कम कर दिए गए और 64 केंद्रों पर परीक्षा कराने के लिए केंद्रों की प्रारंभिक सूची जारी कर दी गई।इसके बाद केंद्रों को लेकर आपत्ति मांगी गई थीं। जिले से 96 आपत्तियां आई हैं। इनमें सबसे अधिक परीक्षा केंद्र दूर होने की हैं। दरअसल, परीक्षा केंद्र के लिए केंद्र की जियो टैगिंग करनी होती है। कुछ स्कूलों ने इसमें गलती कर दी, ऐसे में लोकेशन कहीं और दिखने से सॉफ्टवेयर ने गूगल मैप की मदद से उसी दूरी को आधार बना लिया और नजदीकी परीक्षा केंद्र निर्धारित कर दिया। इसका असर यह हुआ कि परीक्षा केंद्र दूर हो गया।

इसके अलावा प्रारंभिक सूची में आठ कॉलेज ऐसे भी शामिल हैं, जिनमें परीक्षा कराने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे आठ कॉलेजों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए केंद्र न बनाए जाने की मांग कर दी है। इनमें तीन राजकीय विद्यालय शामिल हैं। वहीं, कम क्षमता वाले लगभग 10 कॉलेज भी परीक्षा केंद्र बना दिए गए हैं।

नानपारा-लखीमपुर हाईवे का 38 किमी हिस्सा बना मौत का कॉरिडोर

मिहींपुरवा, एजेंसी। तराई और पूर्वांचल को दिल्ली से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-730 का नानपारा से जालिमनगर पुल तक का करीब 38 किमी हिस्सा बढ़ते हादसों के कारण मौत का कॉरिडोर बन गया है। सफर के दौरान हर दिन किसी न किसी घर में मौत दस्तक दे रही है। छह ब्लैक स्पॉट चिह्नित होने के बावजूद सड़क चौड़ी न होने, चेतावनी संकेतक न रहने और रफ्तार पर नियंत्रण न होने से हादसों का सिलसिला लगातार जारी है।

सोमवार देर रात गूढ़ चौराहे के पास ड्यूटी पर जा रहे मोतीपुर थाने के दारोगा राहुल गुप्ता अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

हादसे का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले छह महीनों में इस 38 किमी खंड में आठ लोगों की मौत और 24 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने छह स्थानों को ब्लैक स्पॉट घोषित किया, लेकिन ब्लैक स्पॉट पर न तो संकेतक लगे हैं न ही सड़क को चौड़ा करने के लिए कोई कदम उठाया गया है।

कतर्नियाघाट वन क्षेत्र के भीतर नैनिहा, सेमरहना और गिरगिट्टी के पास सड़क बेहद संकरी है। दोनों ओर घना जंगल और बीच में पतली सड़क रोज हादसे को न्योता दे रही है। जालिमनगर पुल से रायबोझा तक यह क्षेत्र हादसों का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बनकर उभरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द सड़क चौड़ीकरण, गति नियंत्रण, साइनेज और पेट्रोलिंग नहीं बढ़ाई गई तो हालात और भयावह हो जाएंगे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल तैयार, तीन विभूतियों की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं हैं बड़ा आकर्षण

लखनऊ , एजेंसी। पुराने शहर में पड़ने वाली एलडीए की बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ में फैला राष्ट्र प्रेरणा स्थल बनकर तैयार हो गया है। इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। यह स्थल ऊपर से देखने पर कमल की आकृति में नजर आता है। यहां पर भारत माता की सुदर्शन चक्र लिए हुए प्रतिमा, कमल के फूल और दीये की आकृति के बड़े मॉडल भी स्थापित किए जाएंगे।

इसका लोकार्पण 25 दिसंबर को भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराने की तैयारी। इसके बाद पुराने शहर को एक बड़ा आयोजन स्थल और मनोरंजन के लिए नया पार्क मिल जाएगा। प्रेरणा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। तीनों

प्रतिमाएं कांस्य की हैं जो 65 फीट ऊंची हैं। इनके निर्माण पर 21 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यह प्रतिमाएं स्टेच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले प्रमुख मूर्तिकार रामसुतार और माटूराम ने बनाई हैं। तीनों विभूतियों से जुड़ी यादों को संजोने के लिए एक म्यूजियम भी बनाया गया है। इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रेरणा स्थल पर म्यूजियम ब्लॉक, मेडिटेशन सेंटर, तीन हैलीपैड, रैली आदि के लिए काफी बड़ा मंच विकसित किया गया है। म्यूजियम ब्लॉक में दीये की आकृति वाला मॉडल लगाए जाने के बारे में जानकारों का कहना है कि पहले यही आकृति जनसंघ की पहचान थी। प्रेरणा स्थल में सिविल से जुड़े सभी कार्य पूरे हो गए हैं। म्यूजियम ब्लॉक को सजाने का काम चल रहा है। यहीं तीनों महान विभूतियों के जीवन से जुड़ी सभी चीजों को प्रदर्शित किया जा रहा है। उनके जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को दर्शाया जा रहा है। म्यूजियम ब्लॉक लगभग 6300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बना है। इसमें वीवीआईपी व जन सामान्य के लिए दो अलग गेट हैं। पांच गैलरी हैं, जिनमें तीनों विभूतियों की तस्वीरें, स्टोन म्यूरल्स के साथ ही डिजिटल पैनल पर लाइव ऑडियो-वीडियो विजुअल्स प्रदर्शित किए जाएंगे।

महराजगंज के चर्चित रामगोपाल हत्याकांड में 10 अभियुक्त दोषी करार, तीन दोषमुक्त

बहराइच , एजेंसी। तहसील महसी के महराजगंज में पिछले वर्ष हुए बहुचर्चित रामगोपाल हत्याकांड में मंगलवार को प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश के कोर्ट ने दस अभियुक्तों के दोषी करार दिया है। वहीं, तीन को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया है। कोर्ट अब सजा के बिंदु पर अपना फैसला 11 दिसंबर को सुना सकता है। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान कचहरी परिसर का बाहरी इलाका पुलिस छावनी में तब्दील रहा।

तहसील महसी थाना हरदी क्षेत्र के महाराजगंज गांव में 13 अक्तूबर 2024 को माता दुर्गा जी की मूर्ति विसर्जन के दौरान रेहुवा मंसूर गांव निवासी रामगोपाल मिश्रा की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में सांप्रदायिक दंगा फैल गया था। दंगे में आगजनी के दौरान उपद्रवियों ने कई घरों व प्रतिष्ठानों को आग के हवाले कर दिया था। कई दिनों तक महाराजगंज गांव हिंसा की चपेट में रहा। हिंसा की आग जिला मुख्यालय तक फैल गई थी। जिला मुख्यालय पर कुछ उपद्रवियों ने आधा दर्जन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया था।

दंगाइयों पर नियंत्रण के लिए बहुचर्चित आईपीएस अधिकारी अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था अमिताभ यश को पिस्तौल लेकर दौड़ना पड़ा था। काफी मशक्कत के बाद आगजनी व हिंसा पर काबू पाया गया था। घटना के बाद पीड़ित परिजनों की तहरीर पर हरदी थाने पर 13 अक्तूबर को ही अब्दुल हमीद, फहीम, सरफराज उर्फ रिंकू, मोहम्मद तालिब उर्फ सबलू, सैफ अली, जावेद खान, खुर्शीद, मोहम्मद जिशान उर्फ राजा उर्फ साहिल, शोएब खान, मोहम्मद अफजल उर्फ कल्लू, ननकऊ, मारुफ अली, शकील अहमद उर्फ बबलू को नामजद कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मामले में थाने की पुलिस ने साक्ष्यों व गवाहों आदि को एकत्रित कर 11 जनवरी 2025 को आरोप पत्र कोर्ट में सौंपा था। मंगलवार को प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा द्वितीय के कोर्ट ने सुनवाई पूरी करते हुए अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलील सुनने के बाद घटना में नामजद दस अभियुक्तों पर दोषसिद्ध कर दिया। वहीं तीन अभियुक्तों खुर्शीद, शकील उर्फ बबलू और मोहम्मद अफजाल उर्फ कल्लू को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। दोषियों के खिलाफ कोर्ट सजा के बिंदु पर 11 दिसंबर को फैसला सुना सकता है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर दौड़ती कार के ऊपर प्लेन गिरा

फ्लोरिडा, अमेरिका। अमेरिका के फ्लोरिडा में सोमवार को क्रैश लैंडिंग के दौरान एक प्लेन कार से टकरा गया। यह हादसा मेरिट आइलैंड के पास हुआ, जहां हाईवे पर एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग करते हुए सीधा एक कार से टकरा गया। इस हादसे का वीडियो वायरल है। बीचक्राफ्ट 55 मॉडल के इस छोटे प्लेन में उड़ान के दौरान अचानक खराबी आ गई। दोनों इंजनों में पावर खत्म होने लगी, तो 27 साल के पायलट ने प्लेन को मजबूरन हाईवे पर ही उतारने का फैसला किया। हाईवे पर ट्रैफिक था, इसलिए उतरते समय प्लेन एक टोयोटा कैमरी कार से टकरा गया। कार को एक बुजुर्ग महिला चला रही थीं, जोकि इस घटना में घायल हो गई हैं। कार चला रही महिला को हादसे के बाद स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। इस पूरी घटना का वीडियो पीछे चल रही एक दूसरी कार के डैशकैम में कैद हो गया। इसमें दिखता है कि सड़क पर गोता लगाते हुए प्लेन इमरजेंसी लैंडिंग के प्रयास में सीधे कार से टकरा जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्लेन में 2 लोग सवार थे। इनमें एक पायलट और एक यात्री शामिल है। फ्लोरिडा पेट्रोलिंग टीम ने बताया कि प्लेन उड़ा रहे पायलट और उसमें बैठे यात्री दोनों को कोई चोट नहीं आई है। ब्रेवार्ड काउंटी फायर रेस्क्यू के मुताबिक, विमान कथित तौर पर 201 मील मार्कर के पास i-95 हाइवे पर इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान संतुलन खोने के चलते वह कार से टकरा कर क्रैश हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका में सबसे ज्यादा शराबियों का वीजा कैंसल, इस साल अब तक 85000 वीजा रद्द

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने इमिग्रेशन नियम कड़े करने के बाद जनवरी से अब तक 85 हजार वीजा रद्द किए हैं। US स्टेट डिपार्टमेंट ने X पर बताया कि यह कार्रवाई इमिग्रेशन और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ट्रम्प प्रशासन के बढ़ते फोकस का हिस्सा है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि रद्द किए गए वीजा में से 8 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स के थे। इसकी प्रमुख वजह नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और हमला जैसे अपराध थे, जो पिछले साल के लगभग आधे कैंसिलेशन का हिस्सा थे। कुछ वीजा वीजा-एक्सपायरी, आतंकवाद के समर्थन से जुड़ी जांच और अन्य गंभीर कारणों से भी रद्द किए गए। अक्टूबर में प्रशासन ने उन लोगों के वीजा भी रद्द कर दिए थे जिन पर कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की हत्या का जश्न मनाने का आरोप था। गाजा संघर्ष से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में शामिल इंटरनेशनल स्टूडेंट्स भी कड़ी जांच की जा रही है। अगस्त में डिपार्टमेंट ने घोषित किया था कि वह वैध US वीजा रखने वाले 5.5 करोड़ से ज्यादा विदेशियों पर लगातार जांच प्रणाली लागू करेगा ताकि उनके देश में रहने के दौरान निगरानी बढ़ाई जा सके। इसके अलावा H-1B एप्लिकेंट्स की स्क्रीनिंग भी ज्यादा सख्त कर दी गई है। कुल मिलाकर यह सभी कदम वीजा उल्लंघनों पर कठोर कार्रवाई और इमिग्रेशन कंट्रोल को मजबूत करने की दिशा में प्रशासन की आक्रामक नीति को दिखाते हैं।

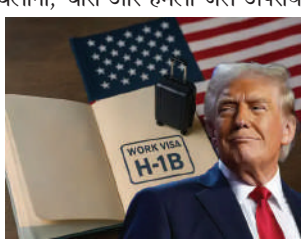

दिवाली को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया

नई दिल्ली। यूनेस्को ने दिवाली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा, 'दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा है।' भारत की 15 अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में शामिल हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छाऊ नृत्य भी शामिल हैं। ये फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में UNESCO की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने X पर बधाई देते हुए लिखा, 'भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दिवाली, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने से इस त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और भी वृद्धि होगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें शाश्वत रूप से मार्गदर्शन करते रहें। यूनेस्को की यह लिस्ट दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इसे अमूर्त विश्व धरोहर भी कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें। फिलहाल, भारत की 15 धरोहरें पहले से अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में जगह बना चुकी हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छऊ नृत्य भी शामिल हैं।

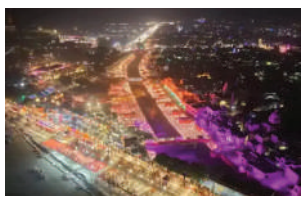

राहुल संसद सत्र के बीच जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (IOC) के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आगामी जर्मनी यात्रा को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ने बुधवार को संसद के शीतकालीन सत्र के बीच राहुल की विदेश यात्रा को लेकर उनकी आलोचना की है। कंगना रनोट, संजय जायसवाल समेत कई भाजपा सांसदों ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा- राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 'LoP' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' होता है। वे लीडर ऑफ पार्टीइंग (पार्टी करने वाले नेता हैं)। संसद सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा, फिर भी राहुल 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी में रहेंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काम का आधा समय विदेश में बिताते हैं। फिर भाजपा की ओर से विपक्ष के नेता की विदेश यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने X पोस्ट किया है। इसमें पीएम मोदी की विदेश यात्राओं की जानकारी दी है। दावा किया है कि पीएम मोदी की लगभग 85% विदेश यात्राएं संसद सत्र के दौरान ही होती हैं।

एमपी-राजस्थान में शीतलहर, 43 शहरों में पारा 10° से कम

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बीच मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ने लगी है। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन शीतलहर का अलर्ट है। बीती रात प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल के कल्याणपुर में 4.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, इंदौर समेत 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। वहीं, राजस्थान में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। प्रदेश में 10 दिसंबर तक कोल्ड वेव का असर रहेगा। मंगलवार को राज्य के 18 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में रहा। सबसे कम तापमान फतेहपुर में 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर उत्तर प्रदेश में बाराबंकी, गोंडा समेत 20 जिलों में बुधवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर विजिबिलिटी शून्य रही। वहीं, बिहार के 10 जिलों में भी कोहरे से विजिबिलिटी जीरो रही। हिमाचल के लाहौल स्पीति जिला के शिंकुला दर्रा में बर्फबारी हुई। शिंकुला टॉप पर 6 इंच तक बर्फ पड़ी। तापमान में 3-4 डिग्री तक की गिरावट आई है।

स्लीपर बस के परखच्चे उड़े जोरदार धमाका, 4 की मौत

तेज रफ्तार ट्रक से भिड़ंत, घायलों में घुसे कांच-मेटल के टुकड़े, 6 की हालत गंभीर

एजेंसी, फतेहपुर (सीकर)

सीकर में स्लीपर बस और ट्रक की भीषण भिड़ंत में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायल बस कंडक्टर ने बुधवार सुबह जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कुल 28 लोग घायल हुए थे। इनमें 6 की हालत अब भी गंभीर है। हादसा जयपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात 10:40 बजे फतेहपुर के पास हुआ। बस में सवार सभी यात्री वलसाड (गुजरात) के रहने वाले हैं। ये सभी वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे थे और खाटूश्यामजी जा रहे थे। बस में करीब 50 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार स्लीपर बस बीकानेर की ओर से जयपुर जा रही थी। वहीं, ट्रक झुंझुनूं से बीकानेर की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रक आगे से बस में घुस गया। इससे जोरदार धमाका हुआ। बस के केबिन और उसके पीछे बैठे पैसेंजर्स सबसे ज्यादा घायल हुए हैं। घायलों की शरीर में कांच-मेटल के टुकड़े घुस गए।

बस ड्राइवर समेत 4 की मौत: हादसे में बस यात्री मयंक और ड्राइवर कमलेश की मौत हो गई। एक मृतक की पहचान नहीं हुई है। वहीं, कंडक्टर मितेश को सीकर के एसके हॉस्पिटल से गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था। जिसकी बुधवार सुबह मौत हो गई। 15 घायल सीकर रेफर हुए थे: हादसे में ज्यादा घायल अनंत, तुषार पुत्र अर्जुन, राजेश पुत्र ओमप्रकाश, प्रवीण पुत्र बाबू भाई, रंजना पत्नी सुरेश भाई, मुक्ता बेन पुत्री शैतान सिंह, आशीष पुत्र रामलाल हैं। साथ ही निलेश पुत्र अमित, सुहानी पुत्री अमित, कर्मल बेन, जमवंत पुत्र उदाराम, सुदा बेन पुत्री उत्तम, अर्जुन पुत्र उकल भाई, अमित पुत्र रमन लाल, शीला बेन पत्नी महेश भाई को भी सीकर रेफर किया गया था। 13 घायल फतेहपुर में एडमिट: एक्सीडेंट में 13 लोगों को हल्की चोट आई है। इनमें महेश भाई, गंगा बेन पत्नी गोविंद भाई, कंचन, साकेत पाल, लादू पुत्र विष्णु, रमीला, रंजीत, अर्जुन, संगीता, परितेश, अतुल, इंदू बेन पत्नी जीवन भाई और एक अन्य हैं।

मौके पर मची थी चीख-पुकार-एंबुलेंस ड्राइवर: एंबुलेंस ड्राइवर भीम सिंह ने बताया- रात करीब 10.30 बजे एक्सीडेंट की जानकारी मिली थी। मौके पर लोग चिल्ला रहे थे। मैंने तुरंत अपने आसपास के क्षेत्र में 108 एंबुलेंस सेवा को मदद के लिए कॉल की। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे लोगों को निकालकर फतेहपुर सरकारी हॉस्पिटल लेकर आए।

भारत में अमेरिकी सोयाबीन बेचने की इजाजत मिल सकती है

एजेंसी, नई दिल्ली

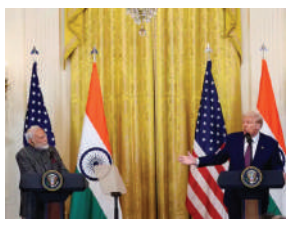

❐ यूएस अफसर बोले- पहली बार इतना अच्छा ऑफर मिला, 1 साल बाद हो सकती है ट्रेड डील

भारत और अमेरिका डील पर चल रही बातचीत के दौरान ही एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अमेरिकी ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर का कहना है कि भारत ने एग्रीकल्चर सेक्टर को लेकर अब तक का 'सबसे अच्छा ऑफर' दिया है। IANS की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी किसानों को भारत के बाजारों तक ज्यादा पहुंच मिले, इसके लिए बातचीत की जा रही है। खासकर ज्वार और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए घरेलू मार्केट खोलने पर चर्चा हो रही है। ग्रीयर ने बताया कि अमेरिकी बातचीत टीम इस समय नई दिल्ली में है और कृषि से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर रही है। भारत कुछ फसलों के मामले में सावधानी बरत रहा है, लेकिन इस बार भारत ने अपनी ओर से बाजार खोलने में दिलचस्पी दिखाई है। ग्रीयर के मुताबिक भारत, अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए एक बड़ा और नया बाजार बन सकता है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी किसानों पर चीन की मांग घटने का असर पड़ रहा है और बड़ी मात्रा में अनाज स्टॉक में पड़ा है। ग्रीयर ने यह भी कहा कि ये बातचीत उस बदलाव का हिस्सा है जिसमें अमेरिका दुनियाभर में नए बाजारों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि दुनिया में मिल रहे ये नए बाजार भारत जैसे बड़े देशों से होने वाली बातचीत को मजबूत बनाते हैं। ग्रीयर ने कहा कि कृषि के अलावा दोनों देशों के बीच कुछ और मुद्दों पर भी बातचीत चल रही है। 1979 एयरक्राफ्ट एग्रीमेंट के तहत विमान के पुर्जों पर जीरो टैरिफ लगाने की बात काफी आगे बढ़ चुकी है। यानी कि अगर भारत अपने बाजार में अमेरिकी सामान को कम टैक्स के आने देगा, तो अमेरिका भी बदले में भारत के लिए वही छूट देगा।

तिरुपति मंदिर में लड्डू के बाद दुपट्टा में घोटाला

सिल्क बताकर 350 के पॉलिएस्टर दुपट्टे 1300 में बेचे

एजेंसी, तिरुपति

आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित तिरुमला के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में लड्डू के बाद प्रसाद के तौर पर दिए जाने वाले दुपट्टे (अंगवस्त्रम) की बिक्री में घोटाला सामने आया है। NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, एक कॉन्ट्रैक्टर ने शुद्ध मुलबेरी सिल्क दुपट्टों की जगह लगातार 100% पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए। बिलिंग सिल्क दुपट्टों के नाम पर ही की गई। एक पॉलिएस्टर दुपट्टे की वास्तविक कीमत लगभग 350 थी। लेकिन, तिरुमला मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (TTD) को वही 350 का दुपट्टा 1,300 में बेचा गया। ये घोटाला साल 2015 से 2025, यानी पिछले 10 साल से चल रहा था। इस दौरान TTD ने कॉन्ट्रैक्टर को लगभग 54 करोड़ भुगतान किए। TTD बोर्ड ने चेयरमैन बी.आर. नायडू के निर्देश पर एक इंटरनल जांच शुरू की गई थी, जिसके बाद पूरा मामला सामने आया। नायडू के अनुसार, मंदिर में दान देने वाले बड़े दानकर्ता को प्रसाद के तौर पर सिल्क दुपट्टा ओढ़ाया जाता है। इसके अलावा वेदाशीर्वचनम् जैसे पूजा-अनुष्ठानों में सिल्क दुपट्टे इस्तेमाल होते हैं। उनमें भी सस्ता पॉलिएस्टर इस्तेमाल किया गया।

नायडू ने कहा कि दुपट्टों के सैंपल साइंटिफिक टेस्ट के लिए दो लैब्स में भेजे गए थे, जिनमें से एक लैब केंद्रीय रेशम बोर्ड (CSB) के तहत है। दोनों रिपोर्टों में दुपट्टे का कपड़ा पॉलिएस्टर निकला।

पाकिस्तान को 12 राज्यों में बांटने की तैयारी

एजेंसी, इस्लामाबाद

❐ भुट्टो की पार्टी विरोध में, कहा- अल्लाह के अलावा कोई सिंध को बांट नहीं सकता

पाकिस्तान के चारों प्रांतों को 12 हिस्सों में बांटने की तैयारी चल रही है। देश के संचार मंत्री अब्दुल अलीम खान ने कहा है कि देश में छोटे-छोटे प्रांत बनना अब तय है। उनका कहना है कि इससे शासन बेहतर होगा। अब्दुल अलीम खान रविवार को शेखूपुरा में इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (IPP) के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिंध और पंजाब में तीन-तीन नए प्रांत बनाए जा सकते हैं। ऐसा ही विभाजन बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में भी हो सकता है। अलीम खान ने कहा कि हमारे आसपास के देशों में कई छोटे प्रांत हैं। इसलिए पाकिस्तान में भी ऐसा होना चाहिए। अलीम खान की पार्टी IPP पीएम शहबाज शरीफ की गठबंधन सरकार का हिस्सा है। हालांकि बिलावल भुट्टो की पार्टी PPP ने इसका विरोध किया है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने धमकी देते हुए कहा कि अल्लाह के सिवा कोई भी सिंध को बांटने की ताकत नहीं रखता।

बिलावल की पार्टी बंटवारे के खिलाफ: शहबाज सरकार में शामिल बिलावल भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) ने साफ कहा है कि सिंध को बांटने का किसी भी कीमत पर विरोध किया जाएगा। PPP लंबे समय से खासकर सिंध के बंटवारे का विरोध करती रही है। पिछले महीने सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने साफ चेतावनी दी थी कि सिंध के हितों के खिलाफ कोई कदम स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि PPP अपने प्रांत या देश के हितों के खिलाफ किसी भी कदम को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि नए राज्य बनने की अफवाहें चल रही हैं। लेकिन इसे एक कान से सुनें और दूसरे से निकाल दें। अल्लाह के सिवा कोई भी सिंध को बांटने की ताकत नहीं रखता। नए प्रांतों की मांग पहले भी उठती रही है, लेकिन कभी मुकाम तक नहीं पहुंची। पाकिस्तान में 1947 के वक्त पांच प्रांत थे। इनमें पूर्वी बंगाल, पश्चिमी पंजाब, सिंध, नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रॉविंस (NWFP) और बलूचिस्तान शामिल थे। 1971 में पूर्वी बंगाल अलग होकर आज का बांग्लादेश गया। बाद में NWFP का नाम बदलकर खैबर पख्तूनख्वा रखा गया। इस बार प्रस्ताव को कुछ थिंक-टैंक और मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (MQM-P) जैसी पार्टियों ने भी समर्थन दिया है।

कई छोटी पार्टियां भी विरोध में: PPP के अलावा कई छोटे दल भी इस बंटवारे के विरोध में हैं। अवामी नेशनल पार्टी (ANP) और बलूच राष्ट्रवादी दलों ने इसे बांटो और राज करो की नीति बताया है। इन लोगों का कहना है कि छोटे प्रांत बनाने से स्थानीय पहचान और संस्कृति कमजोर हो सकती है। बड़े प्रांतों की राजनीतिक ताकत टूट जाएगी। सेना और केंद्र सरकार की पकड़ और मजबूत हो जाएगी। इसके अलावा बलूचिस्तान जैसे इलाकों में तनाव और भड़क सकता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह कदम देश की पहले से अस्थिर राजनीति को और उलझा सकता है। कई पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि पाकिस्तान के सत्ता ढांचे में पिछले कुछ सालों में सेना का प्रभाव बढ़ा है। ऐसे में प्रांतों को बांटने का फैसला प्रशासनिक सुधार से ज्यादा राजनीतिक कंट्रोल बढ़ाने की रणनीति भी हो सकती है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड, 4 मालिकों में से एक पकड़ाया

एजेंसी, पणजी/नई दिल्ली

बोला- मैं सिर्फ बिजनेस पार्टनर, थाइलैंड भागे लूथरा ब्रदर्स को जमानत नहीं मिली

गोवा के बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत मामले में क्लब के 4 मालिकों में से एक को हिरासत में लिया गया है। आरोपी का नाम अजय गुप्ता है। वह दिल्ली का रहने वाला है। गोवा पुलिस ने बुधवार को उसे दिल्ली से ही हिरासत में लिया। गोवा पुलिस दिल्ली क्राइम ब्रांच ऑफिस में आरोपी से पूछताछ कर रही है। उसे आज साकेत कोर्ट में पेश किया गया। उसे गोवा पुलिस की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा गया है। इस दौरान उसे उसे दवाएं लेने की अनुमति दी गई है। क्राइम ब्रांच ऑफिस में जाने के दौरान, आरोपी ने मास्क, टोपी और हुडी जैकेट से अपना चेहरा छिपा रखा था। उसने मीडिया के सवालों पर कहा- मैं सिर्फ एक बिजनेस पार्टनर हूं। मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं पता। इधर, क्लब के दो अन्य मालिक और सगे भाई, सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ने दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। कोर्ट ने जमानत नहीं दी और पुलिस से जमानत पर जवाब मांगा है। मामले पर गुरुवार को फिर सुनवाई होगी।

दोनों भाई आग लगने के कुछ घंटों बाद, 7 दिसंबर को दिल्ली से थाईलैंड भाग गए थे। इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन (INTERPOL) ने दोनों भाइयों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। नाइट क्लब के एक अन्य मालिक सुरिंदर कुमार खोसला के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी किया गया है। वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं।

गोवा पुलिस के मुताबिक, अजय गुप्ता की बिर्च बाय क्लब में बड़ी फाइनेंशियल साझेदारी है। उसने लूथरा ब्रदर्स के क्लब में काफी पैसा निवेश किया था। पुलिस ने गुप्ता के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। पुलिस टीम जब गुप्ता के दिल्ली स्थित घर पर पहुंची तो वह घर पर नहीं मिला। इसके बाद उसके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। बाद में उसकी लोकेशन दिल्ली के लाजपत नगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेन एंड स्पाइन अस्पताल में मिली। सूत्रों के अनुसार, गुप्ता हरियाणा नंबर प्लेट वाली इनोवा कार में ड्राइवर के साथ अस्पताल गया था। उसने रीढ़ की हड्डी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए खुद को अस्पताल में भर्ती कराया था। मेडिकल जांच के बाद, उसे हिरासत में लिया गया। गुप्ता से गोवा में क्लब के मैनेजमेंट, ऑपरेशन संबंधी जिम्मेदारियों और फायर सेफ्टी नियमों के अनुपालन के बारे में पूछताछ होगी। पुलिस ने अबतक 5 लोगों को नाइट क्लब अग्निकांड मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में नाइट क्लब के चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोदक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजीव सिंघानिया, गेट मैनेजर रियांशु ठाकुर और कर्मचारी भरत कोहली शामिल हैं।

एमपी में पुलिस वैन-कंटेनर की भिड़ंत, 4 जवानों की मौत

एजेंसी, सागर

❐ गाड़ी काटकर शव निकाले, नक्सल ऑपरेशन के लिए गए थे, पुलिस का डॉग सुरक्षित

सागर के नेशनल हाईवे-44 पर बांदरी के पास बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे एयरलिफ्ट कर दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल ले जाया गया। वहीं, टीम में शामिल डॉग सुरक्षित है।

जानकारी के अनुसार मुरैना जिले का बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बालाघाट में ड्यूटी पर तैनात था। पुलिसकर्मी नक्सल विरोधी अभियान में शामिल हुए थे। वहां से वे बीडी-डीएस वाहन (क्रमांक MP 03 A 4883) में सवार होकर वापस मुरैना लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर बांदरी के पास झिंझनी घाटी पर सामने से आ रहे कंटेनर से पुलिस वाहन की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डॉग मास्टर समेत चार जवानों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, NH- 44 पर अंडरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कारण से बांदरी के पास हाईवे का ट्रैफिक वन वे हो गया है। इसी के चलते आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। अंतिम संस्कार भिंड में ही होगा। शवों को रात तक सागर से पहले मुरैना लाया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए तैनात होगा स्वदेशी डिफेंस सिस्टम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत अब राजधानी दिल्ली-NCR को मिसाइलों, ड्रोन और फाइटर जेट हमले जैसे खतरों से बचाने के लिए अपना खुद का मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम लगाने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय इस प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के अनुसार नया इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (IADWS) पूरी तरह देश में बने हथियारों से तैयार होगा। इस सिस्टम का सबसे बड़ा हिस्सा DRDO की बनाई QRSAM मिसाइल और VSHORADS होगा। इनके साथ कई तरह के सेंसर, रडार और एक आधुनिक कंट्रोल सिस्टम जोड़ा जाएगा, जिससे हर खतरे पर तुरंत नजर रखी जा सके। ये पूरा सिस्टम भारतीय वायुसेना ऑपरेट करेगी। IADWS का 23 अगस्त को सफल परीक्षण भी हो चुका है।

सुदर्शन चक्र मिशन का हिस्सा: IADWS एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, ये दुश्मन के हवाई हमले नाकाम करेगा। इसे सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एक साथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। इसके बाद 23 अगस्त को ओडिशा के तट पर IADWS का सफल परीक्षण किया गया था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए X पोस्ट में लिखा था- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा।

एक साथ 3 टारगेट मार गिराए: परीक्षण के दौरान इस सिस्टम ने 2 हाई स्पीड फिक्स विंग अनमैन्ड ड्रोन, मल्टी कॉप्टर ड्रोन समेत तीन अलग-अलग टारगेट पर अटैक किया। ये तीनों टारगेट अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर थे। IADWS ने इन तीनों को एक साथ निशाना बनाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। सिस्टम का कॉन्सेप्ट इस तरह से तैयार किया गया है कि पहले रडार यूनिट आने वाले खतरों पर नजर रखती है और उन्हें क्लासिफाई करती है। इसके बाद कमांड सेंटर ज्यादा ऊंचाई से आने वाले तेज खतरों के लिए क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (QRSAM) को निर्देश देता है। कम रेंज वाले और धीमी गति से होने वाले हमले के लिए एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें (VSHORADS) एक्टिवेट होती हैं। इसके साथ ही साथ ड्रोन और चीप सैचुरेटेड अटैक के लिए लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) हमला करते हैं। अमेरिका के महंगे NASAMS-II की जगह स्वदेशी सिस्टम

◆ ड्रोन-फाइटर जेट के हमलों को नाकाम करेगा, अगस्त में सफल परीक्षण किया जा चुका

भारत पहले अमेरिका का NASAMS-II सिस्टम खरीदना चाहता था, जो वॉशिंगटन DC और व्हाइट हाउस की सुरक्षा करता है। इसके लिए बातचीत भी चली, लेकिन उसका खर्च बहुत ज्यादा था। इसके बाद सरकार ने पूरी तरह स्वदेशी विकल्प अपनाने का फैसला किया। यह कदम 'मेक इन इंडिया' रक्षा सेक्टर के लिए बड़ी बढ़त माना जा रहा है।

DRDO की बड़ी भूमिका: DRDO मिसाइल सिस्टम को रडार, डेटा लिंक और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम से जोड़ने की जिम्मेदारी संभालेगा। अधिकारियों के मुताबिक, इतनी जटिल एयर डिफेंस व्यवस्था के लिए कई सिस्टमों को एक साथ जोड़ना जरूरी है।

भारत के पास है आकाशतीर डिफेंस सिस्टम: पंजाब के आदमपुर एयरबेस से 13 मई को पीएम मोदी ने जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ की थी, वह भारत का आकाशतीर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसकी मदद से ही पाकिस्तान की ओर से आ रहे सैकड़ों ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट को हवा में ही मार गिराया गया था। इसे भारत का आयरन डोम कहा गया है। आकाशतीर एक स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-पावर्ड एयर डिफेंस सिस्टम है जिसे भारतीय सेना के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO), इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) ने संयुक्त रूप से डिजाइन और डेवलप किया है। इसका काम लो-लेवल एयरस्पेस की निगरानी करना और ग्राउंड पर तैनात एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को कंट्रोल करना है। आकाशतीर रडार, सेंसर और कम्युनिकेशन सिस्टम को इंटिग्रेट करके सिंगल नेटवर्क बनाता है, जो रियल टाइम में हवाई खतरों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें न्यूट्रिलाइज करने में सक्षम है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे, रोहित शर्मा शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाज बनने की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी ताजा मेंस वनडे प्लेयर रैंकिंग में कोहली ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जबकि रोहित शर्मा नंबर-1 की कुर्सी पर बने हुए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के बाबर आजम के हाथों अप्रैल 2021 में वनडे बल्लेबाजों की नंबर-1 रैंकिंग गंवाई थी, लेकिन अब वह एक बार फिर शीर्ष स्थान के बेहद करीब पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद कोहली को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला। 37 वर्षीय कोहली ने सीरीज में कुल 302 रन बनाए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। सीरीज के आखिरी मुकाबले में विशाखापत्तनम में खेली गई नाबाद 65 रन की पारी के दम पर कोहली अब रोहित शर्मा से सिर्फ आठ रेटिंग अंकों पीछे हैं। वहीं रोहित शर्मा ने सीरीज में 146 रन बनाकर अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। रोहित

के 781 रेटिंग अंक हैं, जबकि कोहली के 773 रेटिंग अंक हैं। भारतीय टीम अब 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी, जहां कोहली और रोहित के बीच नंबर-1 स्थान की रेस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल दो स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए, जो इस सूची में सबसे बड़ा फायदा है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। क्विंटन डी कॉक 13वें, एडेन मार्कराम 25वें और टेम्बा बावुमा 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज के पहले मैच के बाद प्रोटियाज के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस तीन स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के गेंदबाजों में अक्षर पटेल 13वें, अर्शदीप सिंह 20वें और जसप्रीत बुमराह 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त छलांग लगाई है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो एशेज टेस्ट में लगातार 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन के दम पर स्टार्क तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इन दो मैचों में कुल 18 विकेट झटके हैं और करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि केन विलियमसन दूसरे और स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जो रूट अब भी टेस्ट बल्लेबाजों में नंबर-1 बने हुए हैं। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच क्राइस्टचर्च में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा, लेकिन दोनों टीमों के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र ने नौ स्थान की छलांग लगाकर 15वां स्थान हासिल किया, जबकि टॉम लैथम छह स्थान ऊपर चढ़कर 34वें नंबर पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त बनाई, वहीं तेज गेंदबाज केमार रोच ने टेस्ट गेंदबाजों की सूची में पांच स्थान का फायदा उठाया।

दिनेश कार्तिक बने लंदन स्पिरिट के मेंटर और बल्लेबाजी कोच

एजेंसी, लंदन

भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड लीग की फ्रेंचाइज़ी लंदन स्पिरिट (मेंस टीम) का मेंटर और बल्लेबाज़ी कोच नियुक्त किया गया है। कार्तिक वर्तमान में आईपीएल की मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भी मेंटर हैं। द हंड्रेड में यह किसी फ्रेंचाइज़ी के साथ उनकी पहली भूमिका होगी। दिनेश कार्तिक का अनुभव बेहद समृद्ध रहा है। उन्होंने खिलाड़ी और कोच के रूप में आईपीएल में 250 से अधिक मैचों में हिस्सा लिया है, जबकि भारत की ओर से उन्होंने 180 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उनका यह व्यापक अनुभव लंदन स्पिरिट के लिए काफी अहम माना जा रहा है। लंदन स्पिरिट के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मो बॉबट ने फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान में कहा,"डीके का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। वह क्रिकेट के एक बेहद मौलिक सोच वाले खिलाड़ी रहे हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट व फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में उनका विशाल अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा। उनके साथ काम करना मज़ेदार है और वह हर काम में ऊर्जा और उत्साह भर देते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "खेल में इतनी ऊंची पहचान रखने वाले एक और उत्कृष्ट व्यक्ति को टीम से जोड़ना हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ संभव सहयोग मिले।" नई भूमिका को लेकर दिनेश कार्तिक ने कहा, "लंदन स्पिरिट से जुड़ना मेरे लिए बेहद रोमांचक है। जब मैंने मो, एमसीसी और टेक टाइटन्स की योजनाओं और महत्वाकांक्षाओं के बारे में सुना, तो मैं तुरंत इससे जुड़ने को उत्साहित हो गया। इंग्लिश समर में लॉर्ड्स में काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यही वह मैदान है जहां मैंने भारत के लिए डेब्यू किया था और अपना आखिरी टेस्ट मैच भी खेला था। लॉर्ड्स मेरे दिल के बहुत करीब है। अगले साल टीम को एकजुट होते देखने और शानदार खिलाड़ियों के साथ काम करने का मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।" उल्लेखनीय है कि कार्तिक पहले भी मो बॉबट और लंदन स्पिरिट के हेड कोच एंडी फ्लावर के साथ आईपीएल में आरसीबी के लिए काम कर चुके हैं, जिससे यह नई जिम्मेदारी उनके लिए अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

मेजर लीग सॉकर : लगातार दूसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने लियोनेल मेसी

एजेंसी, मियामी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरी बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) अवॉर्ड जीत लिया है। इंटर मियामी को एमएलएस खिताब दिलाने और लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के शानदार प्रदर्शन के चलते मेसी को मंगलवार को यह सम्मान दिया गया। 38 वर्षीय मेसी लगातार दो बार एमएलएस एमवीपी बनने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह एमएलएस इतिहास में दो बार एमवीपी जीतने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल प्रेकी ने हासिल की थी, जिन्होंने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था। मेसी ने इस सीज़न के नियमित मुकाबलों में 29 गोल दागे और 19 गोल असिस्ट कर एमएलएस गोल्डन बूट अपने नाम किया। वह नियमित सत्र में गोल और असिस्ट दोनों में लीग का नेतृत्व करने वाले भी केवल दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले यह कारनामा 2015 में टोरंटो एफसी के सेबास्टियन जियोविन्को ने किया था। अक्टूबर में इंटर मियामी के साथ तीन साल का अनुबंध विस्तार करने वाले मेसी ने एमएलएस प्लेऑफ में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्लेऑफ में 6 गोल किए और

9 असिस्ट दिए। पिछले सप्ताहांत खेले गए फाइनल में इंटर मियामी ने वैंकूवर को 3-1 से हराकर अपना पहला एमएलएस कप खिताब जीता। इस मुकाबले में मेसी ने दो महत्वपूर्ण असिस्ट किए और उन्हें एमएलएस कप एमवीपी भी चुना गया। यह पुरस्कार मेसी के पहले से भरे-पूरे ट्रॉफी कैबिनेट में एक और उपलब्धि जोड़ता है। उनके नाम रिकॉर्ड आठ बैलन डी'ऑर, तीन फीफा मेन्स बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड, दो फीफा वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल, तीन यूएफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर, छह यूरोपियन गोल्डन शू, छह ला लीगा बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड और 15 बार अर्जेंटीना फुटबॉलर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान दर्ज हैं।

एडिलेड टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस की वापसी

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हो गई है। यह टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें कमिंस की वापसी ही एकमात्र नया बदलाव है। पैट कमिंस ने पीठ के निचले हिस्से (लंबर बैक स्ट्रेस) में चोट के कारण एशेज सीरीज़ के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में खेले गए तीसरे टेस्ट में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। कमिंस पिछले हफ्ते गाबा टेस्ट के लिए चयन के काफी करीब थे, क्योंकि उनकी रिकवरी उम्मीद से तेज़ रही थी। हालांकि, टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह तैयार करने के लिए मैच सिमुलेशन के तहत कई स्पेल्स गेंदबाज़ी करवाने का निर्णय लिया। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने

कहा,"वह हमारी उम्मीद से काफी आगे थे और ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए उनके चयन पर गंभीर चर्चा हुई थी। अब हम मानते हैं कि एडिलेड की चुनौती के लिए वह पूरी तरह तैयार होंगे। नेट्स में किए गए सिमुलेशन से उनकी स्किल्स भी तैयार हैं और उनका शरीर खेलने के लिए फिट है। अगर अगले एक हफ्ते में कुछ अप्रत्याशित नहीं होता, तो मुझे उम्मीद है कि पैट कप्तान के तौर पर टॉस करते और ब्लेज़र पहनते दिखेंगे।" इस बीच, बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वह पर्थ टेस्ट में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे थे और पीठ में चोट के कारण गाबा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। मैकडॉनल्ड ने बताया कि ख्वाजा ने ब्रिस्बेन में नेट्स में अच्छी बल्लेबाज़ी की और उनके अगले हफ्ते तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "उज़ी (ख्वाजा) फिट और उपलब्ध होने चाहिए। सामान्य तौर पर वह सलामी बल्लेबाज़ के रूप में ही खेलते हैं, लेकिन उनमें क्रम में बदलाव की क्षमता भी है। हम मानते हैं कि हमारे सभी बल्लेबाज़ किसी भी स्थान पर खेलने की काबिलियत रखते हैं।" नाथन लियोन की भी एडिलेड टेस्ट में वापसी की संभावना है, जिससे चयन को लेकर टीम मैनेजमेंट के सामने मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ऐसे में स्कॉट बोलैंड, माइकल नेसर और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ियों को अंतिम एकादश से बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं ख्वाजा की उपलब्धता से बल्लेबाज़ी क्रम को लेकर भी कुछ फैसले लेने होंगे। मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, "पर्थ और ब्रिस्बेन टेस्ट के बीच और फिर ब्रिस्बेन से एडिलेड के बीच का अंतराल ऐसा था जिसे हम संभाल सकते थे। इसलिए एडिलेड के लिए सबसे संतुलित और उपलब्ध गेंदबाज़ी आक्रमण के साथ उतरने की योजना है। किसी खिलाड़ी को आराम देने का विचार फिलहाल नहीं है, यह फैसला शायद चौथे और पांचवें टेस्ट (मेलबर्न और सिडनी) के लिए लिया जा सकता है।" दो टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज़ में 2-0 से आगे है। तीन टेस्ट अभी बाकी हैं और टीम अगले हफ्ते एडिलेड ओवल में एशेज बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डोगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेब्स्टर।

संक्षिप्त

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का आगाज अगले साल 16 फरवरी से

नई दिल्लीः बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का आयोजन 16 से 26 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। यह घोषणा पहले किए गए उस ऐलान के बाद हुई है, जिसमें लीग के उद्घाटन सत्र को वर्ष 2026 की शुरुआत में कराने की जानकारी दी गई थी। अब अंतिम तारीखें इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के अनुरूप तय की गई हैं, ताकि किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से टकराव न हो। इस लीग में देश और विदेश के कई शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबले देखने को मिलेंगे। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का उद्देश्य लीग-फॉर्मेट में विश्वस्तरीय शूटिंग को प्रस्तुत करना और खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाना है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "शूटिंग लीग ऑफ इंडिया हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ी-केंद्रित और वैश्विक कैलेंडर के अनुरूप है, जिससे अधिकतम अंतरराष्ट्रीय भागीदारी संभव होगी। मिश्रित टीम मुकाबलों और प्रीमियम प्रसारण के साथ हम विश्वस्तरीय उद्घाटन सत्र प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।" एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा, "हमें खुशी है कि शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का पहला संस्करण अगले साल की शुरुआत में होगा।

वेलिंगटन टेस्टः वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर सिमटी, टिकनर ने झटके चार विकेट

एजेंसी, वेलिंगटन

वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर और डेब्यू कर रहे माइकल रे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज की पहली पारी को 75 ओवर में 205 रन पर समेट दिया। टिकनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 32 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि रे ने अपने डेब्यू मैच में 3 विकेट हासिल किए। हालांकि दिन के खेल के दौरान न्यूजीलैंड को झटका भी लगा, जब टिकनर 67वें ओवर में फील्डिंग के दौरान कंधे में चोट लगने के कारण स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाए गए। उनके कंधे के डिसलोकेट होने की आशंका जताई जा रही है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर ब्रैंडन किंग (33) और जॉन

कैंपबेल (44) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। टिकनर ने किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर साझेदारी तोड़ी और इसके बाद कावेम होज को शून्य पर पवेलियन भेजा। इसके बाद कैंपबेल ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन लंच तक वेस्टइंडीज का स्कोर 92/2 रहा। लंच के बाद डेब्यू कर रहे माइकल रे ने वापसी करते हुए कैंपबेल को स्लिप में कैच कराया। शाई होप (48) और रोस्टन चेज (29) ने चौथे विकेट के लिए 60 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की। टी के समय स्कोर 175/4 था और वेस्टइंडीज अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन अंतिम सत्र में न्यूज़ीलैंड के गेंदबाजों ने मैच का रुख पलट दिया। टिकनर ने होप और चेज के विकेट लेकर दबाव बनाया, जबकि माइकल रे ने जस्टिन ग्रेव्स (13) और केमार रोच (0) को आउट कर वेस्टइंडीज की कमर तोड़ दी। अंत में ग्लेन फिलिप्स और जैकब डफी ने शेष विकेट लेकर वेस्टइंडीज को 205 रन पर समेट दिया। जवाब में न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 9 ओवर में 24 रन बना लिए हैं। टॉम लैथम 7 रन और डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज पहली पारी-205/10 (75 ओवर): शाई होप 48, जॉन कैंपबेल 44, ब्लेयर टिकनर 4/32, माइकल रे 3/67

न्यूजीलैंड 24/0 (9 ओवर): डेवोन कॉनवे नाबाद 16 रन, टॉम लैथम नाबाद 7 रन

न्यूजीलैंड पहली पारी में अभी 181 रन पीछे है।

आकाश चोपड़ा ने दी गंभीर को सलाह, सबसे लड़ाई न करें

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूरे जुनुन से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, इसलिए कुछ मैचों में टीम की असफलता के कारण उनपर सवाल उठाने ठीक नहीं हैं। वहीं चोपड़ा ने गंभीर से भी कहा कि वह आलोचआओं को सकारात्मक लें और उनपर कठोर प्रतिक्रिया न दे। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि कोच के तौर पर उनके अब तक के कार्यकाल में जरुरत से ज्यादा विवाद पैदा हुए हैं। ऐसे में मेरी सलाह है कि वह इतनी ज्यादा लड़ाइयां न मौल लें। हाल ही में गंभीर ने अगल-अलग कप्तान बनाने की सलाह देने वाले आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पर नाम लिए बिना ही निशाना साधा था और कहा था कि उन्हें अपनी सीमा में ही रहना चाहिये। चोपड़ा ने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी कर गंभीर अपनी परेशानियां ही बढ़ा रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम पहले न्यूजीलैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के सभी मैच हारी थी जिसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर लोगों ने सवाल उठाने शुरु कर दिये थे। चोपड़ा ने इसी को लेकर एक वीडियो में कहा , "जब वह मीडिया के सामने आते है तो कुछ भी छुपाते नहीं हैं। दिल खोलकर बोलते हैं पर मेरी एक सलाह उन्हें है कि वह आलोचना पर भड़के नहीं और न किसी से लड़ाई मौल लें। साथ ही कहा कि जब आप अपने काम को लेकर इतने जोशीले होते हैं और किसी व्यक्ति या चीज के पीछे पड़ जाते हैं, तो कई लोग आपके असफल होने का इंतजार करने लगते हैं। कई बार लगता है कि आप अपने कामकाज के तरीके से इस तरह की आलोचना के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं।"उन्होंने कहा, "गंभीर बेहद उत्साही व्यक्ति हैं। वह हमेशा देश और टीम के लिए पूरी ताकत झौंकने के लिए तैयार रहते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें किसी को खुश नहीं करना है। इसलिए वह लड़ाई न करते हुए अपना काम करते रहें। "

पुरुष और महिला बॉक्सिंग नेशनल्स 31 दिसंबर से, ग्रेटर नोएडा करेगा मेजबानी

एजेंसी, वेलिंगटन

नई दिल्लीः भारतीय बॉक्सिंग के इतिहास में पहली बार सीनियर एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 31 दिसंबर से 6 जनवरी 2026 तक गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में होगी। इस आयोजन में देशभर के शीर्ष पुरुष और महिला बॉक्सर एक ही मंच पर प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। पुरुष वर्ग में सर्विसेज की टीम डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी, जबकि महिला वर्ग में रेलवे की टीम अपने खिताब की रक्षा करने की कोशिश करेगी। प्रतियोगिता का आधिकारिक ड्रॉ 30 दिसंबर को निकाला जाएगा, जिसके साथ ही भारत के अगले हाई-परफॉर्मेंस साइकिल की शुरुआत होगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देशभर की यूनिट्स पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 वज़न श्रेणियों में भाग लेंगी। प्रत्येक यूनिट को हर वज़न वर्ग में केवल एक बॉक्सर उतारने की अनुमति होगी और किसी भी श्रेणी में रिज़र्व खिलाड़ी नहीं रखे जा सकेंगे। प्रतियोगिता में वही बॉक्सर भाग ले सकेंगे जिनका जन्म 1 जनवरी 1985 से 31 दिसंबर 2006 के बीच हुआ हो। सभी मुकाबले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता प्रारूप के तहत खेले जाएंगे, जिसमें तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे। राउंड्स के बीच एक मिनट का विश्राम रहेगा और मुकाबलों का फैसला 10-प्वाइंट मस्ट स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, "मजबूत सिस्टम ही लंबे समय तक सफलता की नींव होता है और राष्ट्रीय चैंपियनशिप उसी सिस्टम की वास्तविक शुरुआत है। यही मंच खिलाड़ियों को अवसर देता है, प्रतिभा को सामने लाता है और राष्ट्रीय शिविर तक पहुंचने का निष्पक्ष रास्ता प्रदान करता है।" उन्होंने आगे कहा, "वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में हमारी हालिया सफलता इस व्यवस्था की ताकत को दर्शाती है। आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ये चैंपियनशिप उन खिलाड़ियों की पहचान और तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी, जो भविष्य में देश की उम्मीदों को आगे ले जाएंगे।" गौरतलब है कि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में चमकने वाले भारत के कई स्टार मुक्केबाजों ने अपना सफर राष्ट्रीय चैंपियनशिप से ही शुरू किया था। सचिन सिवाच और हितेश गुलिया, जिन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीता, पहले राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी और जैस्मिन ने भी इन्हीं प्रतियोगिताओं के ज़रिए अपनी पहचान बनाई थी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक चक्र की ओर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बीच, यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप एक बार फिर भारत के एलीट बॉक्सिंग कार्यक्रम के लिए प्रवेश द्वार साबित होगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की नई संभावनाएं

रोडीज और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज ने युवाओं को रोमांच के प्रति आकर्षित किया है। युवा इनमें अपना भविष्य देख रहे हैं। भारत में जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की कई नई संभावनाओं के द्वार खुलने लगे हैं।

वे दिन चले गए, जब पहाड़ों पर घूमने-फिरने के लिए गर्मी का इंतजार किया जाता था। अब तो पूरे साल पहाड़ों और दुर्गम जगहों पर जाया जा सकता है। इन्हीं पहाड़ों पर कभी बर्फ से भरे रास्तों पर ट्रेकिंग होती है, तो कभी उफनती नदी में राफ्टिंग या फिर साफ मौसम में पैराग्लाइडिंग। रोमांच और जुनून से भरे इन कारनामों को करने के लिए जितनी हिम्मत की जरूरत होती है, उससे कहीं ज्यादा लगन और मेहनत इन्हें सीखने में लगती है।

विदेशों में तो काफी युवा इस क्षेत्र में उतरते हैं, पर भारत में अभी इसे हॉट करियर ऑप्शन के तौर पर नहीं लिया जाता है। इस क्षेत्र में आने पर न केवल आपका घूमनेफिरने का शौक पूरा होगा, बल्कि बढ़िया सैलरी पैकेज भी मिलेगा। भारत में भी जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। अब केवल अपर क्लास ही नहीं, मिडिल क्लास की बड़ी आबादी भी साल में एक-दो बार रमणीय स्थानों पर घूमने निकल ही जाती है। इन टूरिस्ट स्पॉट्स पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का काम भी काफी फल-फूल रहा है। इसी वजह से भारत में पिछले कुछ वर्षों से एडवेंचर स्पोर्ट्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसके साथ-साथ युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति रुझान भी उसी अनुपात में बढ़ा है।

क्या हैं संभावनाएं?

इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्सपर्ट या एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर के तौर पर काफी संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में टूरिस्ट हब के तौर पर उभरा है। इसकी वजह है भारत का विकसित देशों के मुकाबले सस्ता होना और यहां मौजूद प्राकृतिक विविधता। इसके अलावा भारत धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिए भी पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। स्वास्थ्य लाभ के साथ लोग मानसिक शांति तलाशने के लिए भी भारत का रुख करते हैं। यहां के छोटे शहरों में खुलते मॉल, आसानी से उपलब्ध चीजें, शांतिप्रिय वातावरण और पश्चिम से अलग संस्कृति व जीवनशैली भी विदेशियों को आकर्षित करती है। हर साल भारत में 50 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारें भी इस ओर खासा ध्यान दे रही हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा बन गए हैं।

एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए कई क्षेत्रों में जाने के तमाम मौके होते हैं। इनके अलावा केंद्र और विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों में भी काम करने के अवसर मिलते हैं। ये संस्थान समय-समय पर अभियान आयोजित करते हैं। इनमें भी भाग लिया जा सकता है। भारत में कई निजी छोटी-बड़ी कंपनियां भी ऐसी हैं, जो एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये ट्रेकिंग अभियानों, जंगल सफारी, पर्वतारोहण अभियानों आदि के लिए साल भर प्रोग्राम आयोजित करती रहती हैं। अलग-अलग राज्यों में पर्यटन के लिए अलग-अलग समय मुफीद रहता है। इस वजह से साल भर काम मिलता रहता है। इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग किसी हॉलीडे रिसोर्ट, कैंप, कमर्शियल रिक्रिएशन सेंटर, एथलेटिक क्लब आदि आदि से जुड़कर न सिर्फ इन स्पोर्ट्स का प्रचार कर सकते हैं, बल्कि लोगों को प्रशिक्षण देकर भी पैसे कमा सकते हैं।

प्रोफेशनल लाइफ में बनना है कॉन्फिडेंट तो अपनाएं ये टिप्स

हमारा आत्मविश्वास जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है, फिर चाहे हमारा कार्यक्षेत्र कोई भी हो। जिन लोगों में आत्मविश्वास की कमी होती है, उन्हें अक्सर असफलता का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत आत्मविश्वास से भरे लोग जीवन के हर मोड़ पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त करते हैं। प्रोफेशनल लाइफ में भी आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है तो आइए जानते हैं कि कैसे आत्मविश्वास को विकसित किया जाए।

- सबसे पहले तो आप अपना टारगेट बनाएं कि आपको क्या करना है। फिर उस टारगेट की ओर बढ़ना शुरू कर दें।
- आप देखें कि अभी तक आपने अपने जीवन में क्या पाया है और जो पाया है, उसे पाने के लिए आपने क्या प्रयास किए थे। एक डायरी में अपने अचीवमेंट लिख लीजिए।
- अपनी क्षमता का पता लगाइए। यह देखें कि आपके मित्र आपकी किस बात की तारीफ करते हैं। याद रखें, आपकी तारीफ जिस चीज को लेकर होती हो, वही आपकी ताकत हो सकती है।
- क्षमता पता चलने पर अपना टारगेट उसके अनुसार बनाएं। अपने दिमाग को सिर्फ अपने टारगेट पर फोकस करें। बार-बार उसी के बारे में सोचें।
- खुद से वादा करें कि आपने जो टारगेट बनाया है, आप उसमें सफल होकर रहेंगे।
- आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। जब तक आपके पास ज्ञान नहीं है, आपका आत्मविश्वास बस एक दिखावा ही साबित होगा।
- अपने नकारात्मक पहलुओं को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आपके मन में बस एक ही बात होनी चाहिए कि आप यह काम कर सकते हैं।
- अपने अंदर धैर्य विकसित करें। धैर्य न सिर्फ आपको तनाव से बचाता है, बल्कि यह आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।
- खुद की तुलना दूसरों से कभी न करें। आप जो भी हैं, जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं। बस, खुद को आगे बढ़ाने वाले प्रयास में कभी ढील न दें।
- गलतियां इंसान से ही होती हैं, पर वे गलतियां बार-बार न हों, इसका खास खयाल रखें। गलतियां सुधारने से आपके व्यक्तित्व में कुछ जुड़ता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

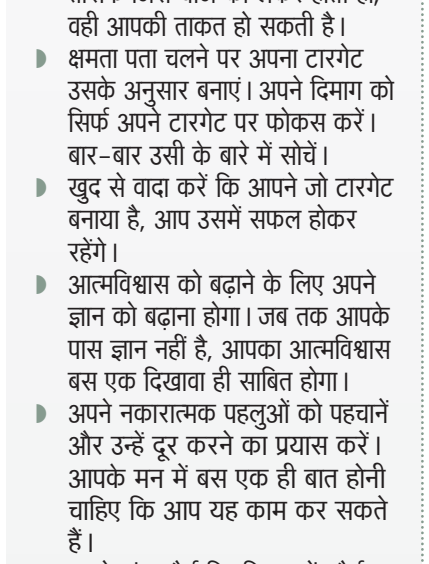

फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं और अवसर

खाने के बिना कोई भी इंसान जीने के बारे में सोच नहीं सकता है। इसके बिना पृथ्वी से जीवों का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। समय के साथ लगभग सभी चीजें बदली हैं, साथ ही हमारे खान-पान में भी बदलाव आता है। आज के समय में हमारे सामने प्रोसेस्ड फूड का एक नया विकल्प आया है। इस समय फूड एक ऐसा इंडस्ट्री बन गया है, जो लोगों की जरूरत है। जिस तरह से हमारी निर्भरता प्रोसेस्ड फूड पर बढ़ती जा रही है वैसे फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं और अवसर भी पैदा हो रहे है। एक रिपोर्ट के अनुसार फूड प्रोसेस की मल्टी-नेशनल कंपनियां भारत आ रही हैं, लेकिन भारत में कुशल लोगों की कमी है। आज इस फिल्ड में करियर की कई संभावनाएं है।

क्या है फूड टेक्नोलॉजी

फूड टेक्नोलॉजी के तहत वो सभी कार्य आते हैं जो फूड प्रोसेसिंग में रॉ इंग्रेडिएंट्स को खाने योग्य फॉर्म्स में बदलने के लिए सभी कार्य करते हैं। फूड टेक्नोलॉजी में 4 वर्ष की अवधि का बीई व बीटेक कोर्स करवाया जाता है। इस कोर्स में विभिन्न फूड आइटम्स पर केमिकल प्रोसेस शामिल होती हैं, जिनके इस्तेमाल से अनेक फूड प्रोडक्ट्स बाजार में बेचने के लायक और लंबे समय तक उपयोग करने के लायक बन जाते हैं। फूड टेक्नोलॉजी के माध्यम से साफ, नई कटी फसल का इस्तेमाल लंबे समय तक किया जा सकता है और स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक, आकर्षक और बाजार में बेचने योग्य फूड प्रोडक्ट्स तैयार किये जाते हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

सभी के लिए इस क्षेत्र में भरपूर मौके उपलब्ध हैं। अगर आप इसमें करियर बनाना चाहते हैं तो आपको भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित या होम साइंस में 12 वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद फूड साइंस, केमिस्ट्री या माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। यह कोर्स चार साल का होता है। वहीं बैचलर डिग्री करने के बाद फूड केमिस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और अन्य क्षेत्रों में एडवांस डिग्री भी कर सकते हैं। साथ ही डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन और फूड साइंस एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में डिप्लोमा भी किया जा सकता है। अगर आपने ग्रेजुएशन पूरी कर ली है, तो आप उपरोक्त विषयों में एमएससी भी कर सकते हैं। आगे की पढ़ाई के लिए इस क्षेत्र में शोध-अध्ययन करने की भी काफी गुंजाइश है।

कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाएं

अगर आप इस क्षेत्र में आना चाहते हैं तो आपको ऑल इंडिया जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम देना होगा, जिसके बाद आप फूड टेक्नोलॉजी और बायो केमिकल साइंस में सरकारी कॉलेजों से बीटेक की डिग्री कर सकते हैं। वहीं, आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस की परीक्षा पास करनी पड़ेगी। गेट फूड टेक्नोलॉजी एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से आईआईएससी बेंगलुरू में दाखिला मिलेगा। इसके अलावा सभी निजी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

जॉब प्रोफाइल

अगर आप एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट बनना चाहते हैं तो आपको फूड प्रोसेस के सभी काम करने होंगे। इसमें उस फूड की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप का ख्याल रखना होता है। इसके अलावा एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज और हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। एक फूड प्रोसेस पनी पूरी तरह से फूड टेक्नोलॉजिस्ट पर ही निर्भर करती है।

कहां मिलेगी नौकरी और सैलरी

अगर आपने फूड टेक्नोलॉजी में कोर्स किया है तो आप के पास नौकरी के कई विकल्प होते है। आप इससे जुड़ी फील्ड जैसे फूड प्रोसेसिंग यूनिट, रिटेल कंपनी, होटल्सए एग्री प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी से जुड़कर काम कर सकते है। इसके अलावा आपको कई प्रयोगशालाओं में भी काम मिल सकता है जो खाद्य वस्तुओं पर रिसर्च और उन्हें संरक्षित करने का काम करती है। इस फील्ड में शुरूआती तौर पर आपको 20 से 25 हजार आसानी से मिल सकते हैं। कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद आप 30 सें 40 हजार रूपये महीने या इससे ज्यादा कमा सकते है। इसके अलावा आप खुद भी फूड टेक्नोलॉजी के बिजनेस में आकर अच्छा पैसा कमा सकते है।

इनकी कहां है जरूरत

इस समय फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत दुनिया के हर देश को है। भविष्य में खाद्य पदार्थों की कोई कमी न हो इसलिए हर देश फूड टेक्नोलॉजी पर रिसर्च कर रहा है। जिसमें क्वालिटी और स्वाद के साथ ही पोषक तत्वों पर काम किया जाता है। भारत में इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। इस समय सरकारी एनजीओ से लेकर कई प्राइवेट एनजीओ हैं जो इस क्षेत्र में काम कर रही हैं।

फूड टेक्नोलॉजी के लिए प्रमुख कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको फूड टेक्नोलॉजी में बीएससी ऑनर्स, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी और एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए करना होगा।

वाइल्ड लाइफ में फैलोशिप का सुनहरा अवसर

पर्यावरण और वन मंत्रालय के अंतर्गत वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्रतिवर्ष कई क्षेत्रों में फेलोशिप प्रदान करती है। यहां रिसर्च एसोशिएट, जूनियर रिसर्च फेलो और टेक्निकल असिस्टेंट के लिए आवेदन पत्र मांगे जाते हैं। सफल लोगों का चयन देहरादून के वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट में वॉक इन इंटरव्यू के आधार पर किया जाता है।

रिसर्च एसोशिएट

योग्यता-जूलॉजी/बॉटनी/ वाइल्डलाइफ साइंसेज/ इन्वॉयरन्मेंटल साइंसेज/ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में पीएचडी। (कोर्स अवधि-1 वर्ष)।

जूनियर रिसर्च फेलोशिप

इसमें कई प्रोजेक्ट वर्क्स पर फेलोशिप दी जाती है। योग्यता-वाइल्डलाइफ साइंस/लाइफ साइंस/जूलोजी /बॉटनी /फोरेस्ट्री/वेटेरिनरी साइंस/ इन्वॉयरनमेंटल साइंस में मास्टर्स डिग्री। कम से कम 60 प्रतिशत अंक।

टेक्निकल असिस्टेंट

भारतीय चिडियाघर के संरक्षित जानवरों के रखरखाव पर अध्ययन (कोर्स अवधि-एक वर्ष) योग्यता- जूलॉजी/लाइफ साइंस में मास्टर्स डिग्री। 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य। कैंडिडेट को कम्प्यूटर की जानकारी भी होनी चाहिए।

अन्य शर्तें

रिसर्च एसोशिएट के लिए एप्लीकेंट की उम्र 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। जूनियर रिसर्च फेलोशिप और टेक्निकल असिस्टेंट के लिए उम्र 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। एससी/एसटी/ ओबीसी/ महिलाओं/ विकलांग व्यक्तियों को उम्र में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है।

छात्रवृत्ति और सुविधा

रिसर्च एसोशिएट्स को क्वालीफिकेशन और अनुभव के आधार पर 16-18 हजार प्रति महीने मिलते हैं। जूनियर रिसर्च फेलो को 12 हजार प्रति महीने और टेक्निकल असिस्टेंट को 6400 रुपये मति महीने प्रदान किए जाते हैं। सभी रिसर्चर को हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जाती है। यदि हॉस्टल उपलब्ध नहीं हो पाए तो रहने का खर्च दिया जाता है। समय-समय पर उन्हें अन्य सुविधाएं भी मुहैया करायी जाती हैं।

आवेदन और इंटरव्यू

कैंडिडेट को एप्लीकेशन के साथ एजुकेशनल क्वालीफिकेशंस, रिसर्च एक्सपीरियंस, एक्स्ट्रा क्यूरिकुलर एक्टीविटीज, बर्थ सर्टिफिकेट, सभी मार्क्ससीट की अटेस्टेड कॉपी भी इंटरव्यू के समय दिखाना होता है। एप्लीकेशन फॉर्म इंस्टीट्यूट की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थीं और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार निभा रही हैं कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म वा वाथियार को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया

जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो। फिल्म वा वाथियार में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर बड़ा बज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। चर्चा है कि शाहरुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म का स्केल बढ़ाने के लिए एक बड़े हिंदी सुपरस्टार को जोड़ना चाहते हैं और शाहरुख का नाम टॉप पर है। दावा है कि शाहरुख के हिस्से की शूटिंग के लिए मार्च 2026 की विंडो तय की गई है, हालांकि टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान कैमियो कर चुके हैं। फिल्म के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं, जिन्होंने पहली फिल्म जेलर (2023) को ब्लॉकबस्टर बनाया था। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख को कथित तौर पर कुली में भी एक कैमियो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों से इस ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद आमिर खान को जगह मिली थी। जेलर 2 कथित तौर पर पहली फिल्म की घटनाओं के बाद शुरू होगी, जिसमें मुथुवेल पांडियन का पीछा किया जाता है क्योंकि वो बदला लेने के लिए मूर्ति-तस्करी सिंडिकेट से भिड़ जाता है। कहा जाता है कि सीक्वल इस नए आपराधिक नेटवर्क की खोज को दिखाएगा। अभिषेक बच्चन भी दिखेंगे।

मोहनलाल की एक और फिल्म के रीमेक में दिख सकते हैं अजय

ऑपरेशन जावा और सऊदी वेलक्का जैसी फिल्मों के निर्देशक थरुन मूर्ति इस साल मोहनलाल स्टारर थुदारुम की जबरदस्त सफलता के बाद से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 235 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। इसी के बाद निर्देशक को हिंदी और तेलुगु में रीमेक ऑफर्स भी मिलने लगे। थरुन ने बताया कि हिंदी रीमेक के लिए अजय देवगन का नाम गंभीरता से चर्चा में है। अगर हिंदी रीमेक बनता है तो मैं अजय के लिए काफी मेहनत करूंगा, क्योंकि उनका स्टंट बैकग्राउंड कमाल का है। उनके पिता वीरू हिंदी सिनेमा के जाने-माने ऐक्शन डायरेक्टर रहे हैं। थुदारुम में मोहनलाल भी एक पूर्व स्टंटमैन का किरदार निभाते हैं, जो परिवार के साथ सादी जिंदगी बिताते हुए कार-फॉर-हायर सर्विस चलाता है। थरुन ने माना कि बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स की वजह से फिलहाल रीमेक को तुरंत शुरू करना मुश्किल है लेकिन प्रोजेक्ट की चर्चा जारी है और जल्द आधिकारिक ऐलान हो सकता है। इसके अलावा थरुन की टॉरपीडो भी आनी है।

रात अकेली... में चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था। बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है। स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम पिहले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है।

बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद हैं। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर से मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म कर रहे हैं। इसका टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है। उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...

क्या मानते हैं कि हॉरर फिल्मों के लिए अब ऑडियंस चेंज हुई है?

मुझे नहीं लगता कि ऑडियंस चेंज हुई है। रामसे ब्रदर्स ने सफल हॉरर बनाई, फिर आगे चलकर उनकी फिल्मों में काफी ब्लड दिखना शुरू हो गया। वह फिल्में दर्शकों को शायद अच्छी नहीं लगी। मैंने जब रात और डरना मना है या भूत बनाई तो ब्लड के बजाय साइकोलॉजी का प्रयोग किया। वह सब साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्में थीं। मैंने कैमरा एंगल और साउंड इफेक्ट्स की मदद से सीन में हॉरर का माहौल कायम किया।

क्या इसे भूत की स्पिरिचुअल सीक्वल कह सकते हैं?

बिल्कुल नहीं। पुलिस स्टेशन में भूत एक बिल्कुल अलग कहानी है। भूत से उसका कोई नाता नहीं है। इसकी कहानी एक इंस्पेक्टर की है, जो एक गैंगस्टर को मार देता है। अब उस गैंगस्टर की आत्मा उस पुलिस वाले में समा जाती है। ऐसे में, फिर क्या सब होता है, हमारी कहानी उस बारे में है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि जब आम इंसान डरता है तो वह पुलिस के पास जाता है। जब पुलिस ही डरे तो क्या होगा।

फिल्म में कितना हेवी वीएफएक्स और कितना रियलिज्म रखा है आपने?

वीएफएक्स है, मगर वह कहानी पर हावी नहीं होती। बाकी मैं हाल के बरसों की हॉरर फिल्में फॉलो करता रहा हूं। मैंने स्त्री, मुंज्या जैसी हॉरर फिल्में देखी हैं। मुझे पसंद भी आई हैं।

सत्या के समय क्या तय कर लिया था कि आम चेहरे वाले किसी युवक को हीरो बनाकर ही दम लेंगे?

मैंने कभी उस पर्सपेक्टिव से फिल्में नहीं बनाई या कलाकारों का चयन हीरो या विलन के तौर पर किया। मैंने हमेशा कहानी, किरदार और हालात के बारे में सोचते हुए उनमें सबसे फिट बैठने वाले कौन कलाकार हो सकते हैं, उससे चीजें तय कीं। उसके ऊपर मैंने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे किसी को लॉन्च करना है या किसी को हीरो ही बनाना है। सौभाग्य से तब हमारे प्रोड्यूसर्स भी मेरी बात से सहमति रखा करते थे। इतने वर्षों में शाहरुख के साथ फिल्में क्यों नहीं कीं शाहरुख का जो डिमीनर, कद और आभा है, वह सब बहुत बड़ा है। आम जिंदगी में भी उनसे मिलें तो वे अलग ही लेवल और एनर्जी से लैस महसूस होते हैं लेकिन मेरी फिल्ममेकिंग का स्टाइल कुछ अलग है। मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं। इसलिए मुझे उनके हिसाब की कहानी हो तभी उन्हें अप्रोच करना सही लगता है। बेशक, हमने इतने सालों में चार-पांच बार फिल्म को लेकर मुलाकात की लेकिन स्टोरी डेवलपमेंट के दौरान मुझे लगा कि जो कहानी मैं बनाना चाहता हूं, वह उनके पर जस्टिफाई नहीं करेगी। इसलिए शाहरुख के साथ अभी तक कोई प्रोजेक्ट नहीं हुआ। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ मामला अलग रहा। उन्होंने मेरी सत्या देखी थी और बाद में कंपनी भी देखी। मैं खुद उनकी दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों से इंस्पायर्ड रहा हूं। इन चीजों की वजह से हमारी आपसी बॉन्डिंग गहरी हुई। जब काम करने का मौका आया, तो अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और अब हम दोनों आगे और भी स्क्रिप्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं।